फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

दिल्ली, शनिवार 13 सितंबर 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 22 अंक : 153 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

बराक-8 बनेगा भारत के एयर डिफेंस का नया स्तंभ

● एस-400 के साथ स्ट्रैटजिक प्लान पर बड़ा खुलासा ● इजरायली 'लक्ष्मण रेखा' से होगी रक्षा,नेवी भी ऐक्टिव

तेल अवीव/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने हाल ही में एक मल्टी लेयर्ड डिफेंस सिस्टम बनाने की अपनी रणनीतिक योजना पेश की है। इस प्लान के तहत भारत के एयर डिफेंस शील्ड में इजरायली बराक-8 डिफेंस सिस्टम को शामिल किया गया है। बराक-8 को और कई नामों से भी जाना जाता है। बराक-8 को विमान, हेलीकॉप्टर, एंटी-शिप मिसाइल और यूएवी के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइल और लड़ाकू जेट सहित किसी भी प्रकार के हवाई खतरे से बचाव के लिए डिजाइन किया गया है। इस सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली को इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने भारत के साथ मिलकर डेवलप किया है। आपको बता दें कि साल 2017 और 2023 के बीच, यह सिस्टम इजरायली डिफेंस इंडस्ट्री के अब तक के सबसे बड़े सौदे का स्रोत रही। अप्रैल 2017 में भारत ने करीब 1.6 अरब डॉलर में बराक 8 सिस्टम को खरीदा था और लगभग एक महीने बाद 630 मिलियन डॉलर में बराक 8 मिसाइलों के नौसैनिक वैरिएंट को भी भारत ने खरीदा था। भारतीय युद्धपोत और एयरक्राफ्ट कैरियर पर बराक-8 एयर डिफेंस सिस्टम को तैयार किया गया है। इसके अलावा एजेंसी ने साल 2023 में जर्मनी को करीब 3.5 अरब डॉलर में एरो-3 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की बिक्री की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रमुख शहरों और महत्वपूर्ण औद्योगिक ठिकानों में एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने की घोषणा लाल किले से की थी। ऐसे में बराक-8 भले ही इजरायल के साथ मिलकर बनाया गया हो, लेकिन इसे अब स्थानीय उत्पादन और तकनीकी ट्रांसफर के साथ भारत की रक्षा परियोजनाओं में शामिल किया जा रहा है। मोदी ने लक्ष्य रखा है कि 2035 तक देश की सभी सामरिक और संवेदनशील सुविधाओं को फुल सिक्योरिटी कवरेज प्रदान किया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि न्यूक्लियर इंस्टॉलेशंस, बड़े एयरबेस, मेट्रोपॉलिटन शहरों और सैन्य ठिकानों को पूरी तरह से एयर डिफेंस शील्ड के तहत लाया जाएगा। बराक-8 इस मामले में एक शानदार विकल्प बनता है, क्योंकि ये पहले ही अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर चुका है और इसे इजरायल के साथ साथ भारत में भी कुछ जगहों पर तैनात किया गया है। मई में पाकिस्तान ने जब भारत पर फतह मिसाइल दागी थी, उसे हरियाणा में सिरसा के ऊपर बराक डिफेंस सिस्टम ने ही मारा था। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी रणनीति के तहत भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने प्रोजेक्ट कुशा पर काम शुरू किया है। इस प्रोजेक्ट का मकसद लंबी दूरी तक मार करना है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड 4 लोगों की हो गई मौत

● आगरा में 40 गांव डूबे, हिमाचल में बाढ़-बारिश से अब तक 380 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्ट सिक्किम के यांगथांग के अपर रिंबी इलाके में शुक्रवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तेज धार नदी में फंसे लोगों का रेस्क्यू भी चल रहा है। यूपी के आगरा में यमुना में बाढ़ है। यहां 25 कॉलोनियां और 40 गांव में 2-5 फीट तक बाढ़ का पानी भरा है। ताजमहल के पीछे बना पार्क पूरी तरह से डूब गया। 5 हजार से ज्यादा लोग रिलीफ कैंप में हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश-बाढ़ के कारण 380 लोगों की मौत हो चुकी है, 40 लापता हैं। सबसे ज्यादा 48 मौतें लैंडस्लाइड में गईं। बादल फटने से 17 की मौत हुई है। आज 3 नेशनल हाईवे समेत 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गंगा के जलस्तर ने 14 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है।

2011 के बाद गंगा बैराज पर जलस्तर 115 मीटर पहुंचा, जिससे गंगा बैराज पर खतरे के निशान पर पहुंच गई। इसके कारण 16 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 500 से ज्यादा परिवार बैराज से बिठूर जाने वाली सड़क पर पॉलीथिन से तंबू बनाकर रहने को मजबूर हैं। फर्रुखाबाद के अमृतपुर तहसील क्षेत्र में गंगा की बाढ़ है। फर्रुखाबाद बदायूं स्टेट हाईवे पर तीन जगह बाढ़ का पानी बह रहा है। जमापुर डिप में एक से डेढ़ फीट पानी बह रहा है। हाईवे पर एक युवक बाढ़ में बहने लगा। वहां मौजूद लोगों ने बहते युवक को किसी तरह बचा लिया। मथुरा के वृंदावन में यमुना नदी का जलस्तर कम होने लगा है। हालांकि, अभी भी यमुना खतरे के निशान से 49 सेमी ऊपर बह रही है। रास्तों से भले ही पानी निकल रहा हो, लेकिन निचले इलाके डूबे हैं।

एससी के हाई सिक्योरिटी जोन में फोटोग्राफी-रील बनाने पर बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किए गए मुख्य परिसर में फोटोग्राफी, सोशल मीडिया रील बनाने और वीडियोग्राफी करने पर बैन लगा दिया है। 10 सितंबर को जारी सर्कुलर में कोर्ट ने मीडियाकर्मियों के लिए भी निर्देश जारी किए हैं। इस सर्कुलर के मुताबिक कम सुरक्षा वाले लॉन एरिया में ही इंटरव्यू और लाइव टेलीकास्ट कर सकेंगे। अगर मीडियाकर्मी दिशानिर्देशों का

उल्लंघन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के हाई सिक्योरिटी एरिया में उनकी एंट्री एक महीने के लिए बैन की जा सकती है। सुरक्षाकर्मियों के पास किसी भी व्यक्ति, कर्मचारी सदस्य, वकीलों और आने वाले लोगों को इस जोन के अंदर तस्वीरें लेने या वीडियो बनाने से रोकने का अधिकार होगा। हाई सिक्योरिटी एरिया के लॉन में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल फोन इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। आधिकारिक इस्तेमाल को छोड़कर, वीडियोग्राफी, रील बनाने और फोटो लेने के लिए यूज होने वाले कैमरा, ट्राइपॉड, सेल्फी स्टिक भी इस एरिया में लाने पर प्रतिबंध रहेगा। किसी वकील, वादी, इंटर्न और लॉ क्लर्क भी अगर दिशा निर्देशों का उल्लंघन करता है तो संबंधित बार एसोसिएशन, स्टेट बार काउंसिल अपने नियमों के आधार पर उचित कार्रवाई करेगा।

सुशीला कार्की नेपाल की अंतरिम पीएम बनीं

● ली शपथ, काठमांडू के मेयर का मिला समर्थन

● नेपाल में भारतीय पत्रकारों के साथ हुई मारपीट

काठमांडू (एजेंसी)। सुशीला कार्की ने शुक्रवार रात 8.45 बजे नेपाल की अंतरिम पीएम के तौर पर शपथ ग्रहण की। उनके नाम पर फाइनल सहमति बन गई है। नेपाल के राष्ट्रपति संसद भंग

करने के लिए तैयार हो गए हैं। काठमांडू मेयर बालेन शाह और उनके समर्थकों ने सुशीला का समर्थन किया है। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला चीफ जस्टिस रह चुकी हैं। दूसरी तरफ नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे आंदोलन के दौरान भारतीय पत्रकारों के साथ मारपीट और बदसलूकी की कई घटनाएं सामने आई हैं। शुक्रवार को भी दो भारतीय पत्रकारों के साथ बदसलूकी की गई। काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने उनका समर्थन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुशीला कार्की ने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से राजनीति शास्त्र में मास्टर्स किया है। उन्होंने 1979 में वकालत में अपना करियर शुरू किया था। सुशीला कार्की 11 जुलाई 2016 से 6 जून 2017 तक नेपाल की मुख्य न्यायाधीश थीं। 2017 में उनके खिलाफ महाभियोग लाया गया था। सुशीला कार्की पर पूर्वाग्रह और कार्यपालिका में हस्तक्षेप का आरोप लगा था। नेपाल के प्रमुख समाचार चैनल कांतिपुर टेलीविजन ने दोपहर 4 बजे से अपनी रेगुलर ब्रॉडकास्टिंग फिर से शुरू कर दी है। त्रिपुरेश्वर में स्थित इस टीवी स्टेशन को हाल ही में हिंसक आंदोलन के दौरान हुई आगजनी के कारण बंद करना पड़ा था।

दुनिया में लोगों को डर भारत बढ़ा तो हम कहां

संघ चीफ मोहन भागवत ने बताया अमेरिका ने क्यों लगाया टैरिफ

संघ प्रमुख ने पाकिस्तान को पुचकारने की नीति की आलोचना की

नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक सभा को संबोधित करते हुए अमेरिकी टैरिफ पर बात की। उन्होंने कहा कि दुनिया में लोगों को डर है कि अगर भारत आगे बढ़ा तो हमारा स्थान कहां रहेगा। उनकी जगह कम हो जाएगी, इसलिए वे टैरिफ लगाते हैं। हमने कुछ नहीं किया। पाकिस्तान को पुचकारने पर भी उन्होंने अमेरिका के पॉलिसी की आलोचना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को लगता है कि पाकिस्तान को साथ रखने से भारत पर दबाव बनेगा। आज दुनिया को समाधान की जरूरत है। सात समंदर पार होने के बावजूद भी मैं-मेरा के चक्कर में उन्हें भारत से डर लगता है। उन्होंने अपनी दृष्टि के आधार पर हल निकालने के प्रयास किए, मगर समाधान नहीं मिला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमख मोहन भागवत ने संत तुकाराम का उदाहरण देते हुए आरएसएस ने कहा कि निंदा करो या स्तुति करो, हमें अपना स्वार्थ साधना है। तुकाराम का स्वार्थ पूरा विश्व उनका था। मगर जब अपने 'स्व' को मंदबुद्धि में बंद कर देते हैं तो झगड़े का कारण बनता है। व्यक्तियों से लेकर राष्ट्रों के झगड़ों का मूल कारण यही है। हमें चाहिए, मुझे चाहिए की भावना होती है, बाकी दुनिया को क्या चाहिए, इसका विचार नहीं किया जाता है। टैरिफ लागने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने रुख में बदलाव किया है। जिसका भारत के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वागत किया, हालांकि अमेरिका के टैरिफ अभी भारत पर लगे हुए है। मोहन भागवत यह बयान उनके जन्मदिन के मौके पर आया है। 11 सितंबर को मोहन भागवत ने 75 साल की आयु पूरी की थी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी थी। भागवत ने अपने जन्मदिन से एक पहले भी एक कार्यक्रम में कहा था कि हम विश्व को नया रास्ता दिखाएंगे। उन्होंने कहा था कि विश्व हमको गुरु कहेगा, लेकिन हम विश्व को मित्र कहेंगे।

जमानत पर बाहर रहने वाले सत्ता का देख रहे सपना

● पटना में अनुराग ठाकुर का तेजस्वी यादव पर सख्त तंज ● एसआईआर पर कहा-विपक्ष हार छुपाने का ढूंढ़ रही बहाना

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर शुक्रवार को पटना पहुंचे हैं। जिस दौरान उन्होंने एयरपोर्ट पर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री की मां का वर्चुअल वीडियो सोशल मीडिया पर डाले जाने पर कहा कि राजनीति का स्तर कितना हल्का हो सकता है यह राजद और कांग्रेस ने बता दिया। प्रधानमंत्री की मां का पहले ही स्वर्गवास हो चुका है और उस संवेदनशील अवधि के दौरान इस तरह का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर फैलाना निंदनीय है। मां को गाली देने वालों का रिश्ता राजद और कांग्रेस से ही हो सकता है। तेजस्वी ने यह दावा किया है कि बिहार के उपमुख्यमंत्री आवास से अपराधी अपराध की योजना बना रहे हैं। इस पर ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि, ठाकुर ने आगे कहा कि वे लोग जो बार-बार चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं, वही ईवीएम पर विवाद खड़ा करते हैं। जब पर्ची पर वोट पड़ा तब पर भी विपक्ष उपराष्ट्रपति चुनाव हार गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने आत्मा की आवाज सुनकर सत्ता पक्ष को वोट दे दिया। अनुराग ठाकुर ने एसआईआर (वोटर लिस्ट पुनरीक्षण) को लेकर उठ रहे सवालों पर पलटवार किया है।

पीएम के सपने में आईं मां

बोलीं-राजनीति के लिए कितना गिरोगे

बिहार कांग्रेस का एआई वीडियो पोस्ट, गिरिराज ने कहा-राहुल गांधी की मां नकली, गिर गए हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में वोट अधिकार यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने पर मचे बवाल के बाद बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर एक एआई जनरेटेड वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो के बाद बिहार में सियासी पारा चढ़ गया है। 36 सेकेंड के एआई जेनेरेटेड वीडियो में पीएम मोदी से मिलते शख्स और उनकी दिवंगत मां हीराबेन से मिलती जुलती महिला को दिखाया गया है।

वीडियो के कैप्शन में लिखा है- साहब के सपनों में आईं मां। देखिए रोचक संवाद। गुरुवार रात शेयर हुए इस वीडियो में दिखाया गया है, प्रधानमंत्री के सपने में उनकी मां आकर कह रही है कि

राजनीति के लिए कितना गिरोगे। भाजपा ने इस वीडियो को प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ आपत्तिजनक बताते हुए कांग्रेस पर हमला किया है। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस ने राजनीतिक बहस का स्तर गिरा कर सारी हदें पार कर दी हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, राहुल गांधी अब इतना नीचे गिर गए हैं। जैसे उनकी नकली मां है, अपनी मां की इज्जत का ख्याल नहीं है। वह दूसरे की मां को कहां से सम्मान देंगे। इससे 12 घंटे पहले बिहार बीजेपी के ङ्ग हैंडल से एक एआई जनरेटेड वीडियो शेयर किया गया था। जिसमें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को मीडिया से बात करते हुए दिखाया गया। वीडियो में सीएम फेस को लेकर सवाल हो रहा है। जिसके बाद राहुल के पीएम बनने और तेजस्वी के सीएम बनने पर दोनों बहस करते दिखाई दे रहे हैं। बिहार कांग्रेस के एक्स हैंडल पर जो एआई जनरेटेड वीडियो जारी किया गया है। उसके कैप्शन में लिखा है, साहब के सपनों में आईं मां। इसके बाद दो किरदार दिखाए गए हैं। जिसमें एक बुजुर्ग महिला (पीएम की मां से मिलती-जुलती) एक शख्स (पीएम से मिलते-जुलते) के सपनों में आती हैं। कहती हैं अरे बेटा पहले तो तुमने मुझे नोटबंदी की लाइनों में खड़ा किया।

● जेडीयू सांसद बोले- कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए

जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, कांग्रेस से गांधीवादी विचारधारा की उम्मीद नहीं की जा सकती है। देश के सम्मानित पद पर बैठे प्रधानमंत्री और उनकी मां को जो पार्टी गाली देने से न हिचके, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पहले प्रधानमंत्री और उनकी मां को गाली दी गई। अब एआई जनरेटेड वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दोबारा इस रिश्ते का अपमान किया गया। देश की जनता सब कुछ देख रही है। ये अपमान नहीं सहेगी।

सीपी राधाकृष्णन बने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति

सितंबर 2030 तक होगा कार्यकाल, इस्तीफा देने के 53 दिन बाद दिखे जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने 15वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राधाकृष्णन का कार्यकाल 11 सितंबर 2030 तक होगा। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू भी समारोह में पहुंचे। इस्तीफा देने के 53 दिन बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। धनखड़ ने 21 जुलाई को हेल्थ इश्यू के कारण इस्तीफा दिया था। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को 9 सितंबर को भारत का 15वां उपराष्ट्रपति चुना गया। उन्हें विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के मुकाबले 452 वोट मिले।

सांसद सैलजा ने हरियाणा के युवाओं को रूस-यूक्रेन युद्ध में धकेले जाने पर जताई गहरी चिंता

कहा- बेरोजगारी को बताया युवाओं की मजबूरी का कारण, केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के फतेहाबाद जिले के कुम्हारिया गांव के दो युवाओं अंकित जांगड़ा (23) और विजय पूनियां (25) को धोखे से रूस ले जाकर यूक्रेन सीमा पर युद्ध में धकेले जाने की घटना पर गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया है। सांसद ने इस मामले में केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल इन दोनों युवाओं का वीडियो देखकर मन अत्यंत व्यथित है। यह केवल एक मानवीय संकट नहीं बल्कि हरियाणा में बेरोजगारी की भयावह स्थिति को भी उजागर करता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा लगातार देश में बेरोजगारी दर में पहले स्थान पर रहा है

और हालिया आंकड़ों के अनुसार यहां बेरोजगारी दर 25-30 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो राष्ट्रीय औसत से कई गुना अधिक है। यह चिंताजनक स्थिति प्रदेश के युवाओं को मजबूर कर रही है कि वे रोजगार की तलाश में देश से बाहर जाएँ और कई बार खतरनाक व धोखाधड़ीपूर्ण परिस्थितियों में फँस जाते हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह केवल दो परिवारों का ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के युवाओं के भविष्य का प्रश्न है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत सरकार इस गंभीर मानवीय संकट पर तत्काल हस्तक्षेप करेगी और फंसे हुए सभी युवाओं की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करेगी। कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इन दोनों युवाओं सहित सभी फंसे भारतीय युवाओं को तुरंत सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए ठोस और त्वरित कार्रवाई की जाए, विदेश में युवाओं की तस्करी रोकने और उन्हें झूठे रोजगार के लालच से बचाने के लिए सख्त नीति बनाई जाए, हरियाणा सहित देश के युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने के लिए समयबद्ध योजना लागू की जाए ताकि उन्हें इस तरह जोखिम उठाकर विदेश न जाना पड़े। सांसद ने कहा कि यह पहला मौका नहीं है, जब हरियाणा के युवा यूक्रेन-रूस युद्ध क्षेत्र में फंसे हों। इससे पहले रूस की ओर से भी कई युवा युद्ध क्षेत्र में फंस चुके हैं। कोई भी घर या परिवार नहीं चाहता कि उसके बच्चे किसी ऐसी जगह पर जाएं, जहां कोई लड़ाई-झगड़ा चल रहा हो या फिर अशांति हो। लेकिन पेट को भरने की मजबूरी युवाओं को देश-प्रदेश छोड़ने पर मजबूर कर रही है।

अमृतसर में सीमा पार से तस्करी रैकेट का पर्दाफाश; छः पिस्तौलें, 1 किलो हेरोइन, 6 लाख रुपये की ड्रग मनी समेत पांच गिरफ्तार

- **पाकिस्तान-आधारित तस्करों के इशारों पर काम कर रहे थे गिरफ्तार दोषी- डीजीपी पंजाब**
- **बरामद किए गए हथियार पंजाब में अपराधियों और गैंगस्टरों को सप्लाई किए जाने वाले थे- डीजीपी गौरव यादव**

चंडीगढ़/अमृतसर, 12 सितंबर- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित और नशा मुक्त प्रदेश बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने पाकिस्तान से संबंधित सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले माड्यूल के पांच कारकों को छह आधुनिक पिस्तौलें, 1 किलो हेरोइन और 6 लाख रुपये की ड्रग मनी समेत गिरफ्तार कर इस माड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहाँ डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गाँव भित्तेवाड़ के जसकरन सिंह, अमृतसर के गाँव रंगगढ़ के अमृतपाल सिंह, अमृतसर के बोपाराए के गुरविंदर सिंह, अमृतसर के बोपाराए के अमंदीप सिंह और लुधियाना के गाँव मनसूरा के हरकीरत सिंह के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में मैगज़ीन समेत दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, मैगज़ीन समेत दो .30 बोर पीएक्स5 पिस्तौल और मैगज़ीन समेत दो .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल शामिल हैं।

पुलिस टीमों ने उनकी स्विफ्ट कार, होंडा अमेज़ कार और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को भी जब्त किया, जिनका उपयोग खेपों की डिलीवरी के लिए किया जा रहा था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों जो सीमा पार से गैरकानूनी हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप भेजने के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं, के इशारों पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए आरोपी प्रदेश में अपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के इरादे से पंजाब में अपराधियों और गैंगस्टरों को हथियार सप्लाई कर रहे थे।

इस ऑपरेशन के बारे में विवरण साझा करते हुए, डीजीपी ने बताया कि सीआई अमृतसर टीमों को एक भरोसेमंद सूचना मिली थी कि एक पाकिस्तान-आधारित तस्कर ने ड्रोन के माध्यम से दो अलग-अलग खेपें - हथियार और नशीले पदार्थ - भेजी हैं, जिन्हें गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि और जानकारी से पता चला है कि ये दोनों खेपें इन आरोपियों द्वारा अनजान व्यक्तियों को डिलीवर की जानी थीं। उन्होंने आगे कहा कि इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक पुलिस पार्टी ने खुफिया कार्रवाई शुरू की और इन पाँच संदिग्धों को तब गिरफ्तार किया, जब वे खेपें डिलीवर करने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक हवाला ऑपरेटर निकला जिसकी पहचान हरकीरत के रूप में हुई है - जिससे 6 लाख रुपये बरामद किए गए हैं, और यह पैसा हवाला चैनलों के माध्यम से पाकिस्तान भेजा जाना था। उन्होंने आगे कहा कि नेटवर्क के अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है। इस संबंधी एफआईआर नंबर 49 दिनांक 12-09-2025 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25, 27-ए और 29 तथा असलाह एक्ट की धारा 25 के तहत थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में दर्ज की गई है।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 195वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 404 स्थानों पर छापेमारी; 95 नशा तस्कर गिरफ्तार

—79 एफआईआर दर्ज; 5.4 किलो हेरोइन और 1 किलो अफीम बरामद

—नशा छुड़ाने संबंधी प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 47 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का उपचार लेने के लिए तैयार किया

चंडीगढ़, 12 सितंबर- प्रदेश से नशों के पूर्ण खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चलाए गए ÷युद्ध नशों विरुद्ध÷ के 195वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 404 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद प्रदेशभर में 79 एफआईआर दर्ज कर 95 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 195 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 29,288 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 5.4 किलोग्राम हेरोइन, 1 किलो अफीम, 1657 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 5160 रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पीज़ को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध लड़ाई की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की गई है। इस ऑपरेशन के दौरान 72 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1100 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 150 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में छापेमारी की। उन्होंने आगे बताया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 423 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की है। गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-पक्षीय रणनीति - एनफोर्समेंट, डी-अडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के रूप में 47 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का उपचार लेने के लिए तैयार किया है।

राज्यपाल प्रो0 असीम कुमार घोष ने जलभराव से प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रकों को किया रवाना

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने वीरवार को हरियाणा राजभवन से भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा द्वारा राहत सामग्री से भरे 5 ट्रकों को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राहत सामग्री हरियाणा के सिरसा, कैथल, अंबाला व फतेहाबाद जिलों के लिए भेजी गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह राहत सामग्री उन क्षेत्रों के लिए भेजी गई है, जहां भारी वर्षा और जलभराव के कारण लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है। यह पहल प्रभावित लोगों को त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की

गई है, ताकि उनकी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और उनके जीवन को सामान्य करने में मदद मिले। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में जलभराव से प्रभावित लोगों और किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए भी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू किया गया है, जहां नागरिक अपने नुकसान का विवरण दर्ज कर मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस पोर्टल का उपयोग करें और अपनी समस्याओं को दर्ज करें। उन्होंने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की इस मानवीय पहल की सराहना की और सभी स्वयंसेवकों व दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस राहत कार्य में योगदान दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री डी.के. बेहरा, एडीसी श्री मोहन कृष्णा, वरिष्ठ निजी सचिव श्री जगन नाथ बैंस, निजी सहायक श्री राहुल डागर, श्री शंखा चटर्जी व राजभवन के अन्य अधिकारियों के साथ रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्री अंकुश मिगलानी, महासचिव श्री महेश जोशी, संयुक्त सचिव श्री अनिल जोशी व संस्था के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

हरियाणा गृह विभाग ने मजबूत डिजिटल सुरक्षा के लिए जारी किए व्यापक साइबर सुरक्षा निर्देश: डॉ. सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने साइबर अपराधों के खिलाफ अपनी रणनीति को और मजबूत करते हुए केंद्रीय साइबर रिपोर्टिंग पोर्टल और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 के कार्यान्वयन की पहल की है। हरियाणा गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि अब नागरिक साइबर धोखाधड़ी, वित्तीय घोटाले, चोरी और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाओं की रिपोर्ट पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) के माध्यम से या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके भी कर सकते हैं। इस कदम से समय पर शिकायत दर्ज होने, पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया और बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित होने की उम्मीद है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि गृह विभाग ने सभी सरकारी विभागों और नागरिक सेवाओं में एक मजबूत डिजिटल सुरक्षा तंत्र बनाने के लिए व्यापक साइबर सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में तत्काल कार्यान्वयन के लिए एक छह सूत्रीय कार्ययोजना तैयार की गई है। इस ढांचे के तहत राज्य और जिला स्तर पर सभी डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों और जन जागरूकता अभियानों में अब साइबर सुरक्षा मॉड्यूल शामिल किए जाएंगे। इसके साथ ही नागरिकों को गृह मंत्रालय के आधिकारिक साइबर दोस्त सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भी प्रामाणिक जानकारी व मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 1930 और साइबर रिपोर्टिंग पोर्टल की जानकारी जन सूचना केंद्रों, पुलिस थानों, सरकारी कार्यालयों और अन्य राजकीय सुविधाओं पर प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी। साइबर सुरक्षा जागरूकता को राज्य सरकार की सभी योजनाओं और कार्यक्रमों में भी शामिल किया जाएगा, ताकि लाभार्थियों को डिजिटल सुरक्षा पर निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। इसके साथ ही स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी व शैक्षणिक संस्थान मिलकर जमीनी स्तर पर लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे।

नशामुक्त हरियाणा की ओर ऐतिहासिक कदम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा पुलिस की निर्णायक सफलता

● हरियाणा बना राष्ट्रीय मॉडल: 4233 गांव और 910 वार्ड नशामुक्त, तस्करों पर कड़ा कानूनी व आर्थिक प्रहार ● नशे पर कड़ा प्रहार: हरियाणा पुलिस की तेजी, न्यायालय में बढ़ती सजा दर और तस्करों की करोड़ों की संपत्ति जब्त

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश नशा मुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त कर रहा है। हरियाणा पुलिस ने नशा मुक्ति और मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में जनवरी से अगस्त 2025 तक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यह आँकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि पुलिस ने जहां अपराधियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की है, वहीं सरकार की पहल और सामाजिक स्तर पर जनभागीदारी के साथ मिलकर नशा मुक्त समाज की दिशा में मजबूत कदम उठाए गए हैं। यह उपलब्धियाँ केवल पुलिसिंग तक सीमित नहीं रहीं बल्कि सामाजिक भागीदारी, जनजागरूकता और ट्रिपल लेयर सत्यापन प्रक्रिया ने इसे एक आंदोलन का रूप दिया है।

नशामुक्त हरियाणा- पुलिस, प्रशासन और समाज की साझी जिम्मेदारी : डीजीपी शत्रुजीत कपूर – पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि हरियाणा पुलिस का लक्ष्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं, बल्कि समाज को नशे की जंजीरों से पूरी तरह मुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि 'नशा मुक्त हरियाणा' हमारे लिए एक कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है। गांवो और वार्डो को नशामुक्त बनाना इस बात का प्रमाण है कि जब प्रशासन, पुलिस और समाज मिलकर काम करें तो बदलाव संभव है। कठोर कानून प्रवर्तन, तस्करों की अवैध संपत्ति पर आर्थिक प्रहार और समुदाय की भागीदारी के परिणामस्वरूप हरियाणा पूरे देश के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रहा

है। डीजीपी ने विश्वास जताया कि हरियाणा सरकार के संकल्प और पुलिस-प्रशासन की प्रतिबद्धता के साथ समाज की सक्रिय साझेदारी हरियाणा को जल्द ही एक नशामुक्त, सुरक्षित और स्वस्थ हरियाणा का सपना साकार करने में सफल बनाएगी।

नशा मुक्त गांव और वार्ड – जनवरी से जुलाई 2025 में हरियाणा के 7354 गांवों में से 4233 गांवों को नशा मुक्त घोषित किया जा चुका है। इसी प्रकार 1956 शहरी वार्डों में से 910 वार्ड अब नशा मुक्त की श्रेणी में आ गए हैं। यह केवल एक उपलब्धि नहीं है बल्कि ग्रामीण और शहरी स्तर पर सामाजिक जीवन की दिशा बदलने का प्रयास है। कुरुक्षेत्र जिले ने 410 गांवों को नशा मुक्त कर राज्य में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है, वहीं नूंह में 310 गांव और कैथल में 232 गांव इस सूची में शामिल हुए। पुलिस ने CID और HSNCB की संयुक्त सत्यापन प्रणाली लागू कर इस प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय और पारदर्शी बनाया है, जिससे नशा मुक्त घोषित गांवों की वास्तविक स्थिति का सही आकलन हो सके। यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि नशा उन्मूलन केवल कानून का विषय नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक क्रांति बन चुकी है।

कमर्शियल क्वांटिटी मामलों में सजा दर – जनवरी से जुलाई 2025 तक कुल 67 कमर्शियल क्वांटिटी मामलों का निपटारा हुआ, जिनमें से 42 मामलों में आरोपियों को दोषी करार दिया गया। इस अवधि में औसत सजा दर 62.68त्न रही। पिछले वर्ष 2024 में 130 मामलों का निपटारा किया गया था, जिसमें 93 मामलों में दोषसिद्धि (अपराध प्रमाणित होना) हुई थी और सजा दर 71.53त्न दर्ज की गई थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि वर्ष 2025 में भी न्यायिक प्रक्रिया तेज़ी और मजबूती से आगे बढ़ रही है। हिसार, गुरुग्राम, नूंह, फरीदाबाद और सिरसा जैसे जिलों में 100त्न दोषसिद्धि दर्ज की गई है, जो यह साबित करता है कि पुलिस और अभियोजन पक्ष अपराधियों को न्यायालय में सजा दिलवाने में पूरी तरह से सफल रहे हैं।

संपत्ति जब्ती और फ्रीजिंग ऑर्डर – हरियाणा पुलिस ने हृष्ठक्कस् एक्ट की धारा 68स्न के तहत नशा तस्करों की कमर तोड़ने के लिए उनकी अवैध संपत्तियों पर आर्थिक प्रहार किया। वर्ष 2025 में अब तक राज्यभर में 1.75 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियाँ जब्त और फ्रीज की गई हैं व 32.18 करोड़ रुपये से अधिक की सम्पतियों की जब्त और फ्रीज की प्रक्रिया जारी है। यह कदम यह स्पष्ट करता है कि नशा तस्करी से अर्जित अवैध धन को पुलिस न केवल रोक रही है बल्कि उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत पूरी तरह समाप्त भी कर रही है।

एमडीयू के यूएमसी केसों की सुनवाई 18 सितंबर को

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की मई 2025 में आयोजित बीएससी, बीए, बीएजेएमसी, एमएससी, एमए, एमटीटीएम की परीक्षाओं के यूएमसी केसों की सुनवाई 18 सितंबर को परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में प्रातः 9.30 बजे आयोजित की जाएगी। मई 2025 में ही आयोजित बी. फार्मेसी, एलएलबी, बीए-एलएलबी तथा एलएलएम की परीक्षा के यूएमसी केसों की सुनवाई भी 18 सितंबर को परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में दोपहर 2 बजे से आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि संबंधित अभ्यर्थी अपना रोल नंबर विश्वविद्यालय वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

एमडीयू ने किया परीक्षा परिणाम जारी

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक ने मई 2025 में आयोजित एमए-लोक प्रशासन पंचवर्षीय के चौथे सेमेस्टर फ्रेश, एमए-लोक प्रशासन डीडीई के दूसरे व चौथे सेमेस्टर फ्रेश तथा प्रथम व तीसरे सेमेस्टर री-अपीयर, एमए-लोक प्रशासन ऑनलाइन मोड के दूसरे सेमेस्टर री-अपीयर, एमएफए पेंटिंग पंचवर्षीय के दूसरे सेमेस्टर की री-अपीयर तथा चौथे सेमेस्टर की फ्रेश एनईपी तथा री-अपीयर, एमकॉम पंचवर्षीय के दूसरे सेमेस्टर की री-अपीयर तथा चौथे सेमेस्टर की फ्रेश एनईपी व री-अपीयर, एम.कॉम सीडीओई ऑनलाइन जुलाई साइकिल की दूसरे व चौथे सेमेस्टर फ्रेश व री-अपीयर तथा जनवरी व जुलाई साइकिल की तीसरे सेमेस्टर की री-अपीयर, एमए-इकोनॉमिक्स पंचवर्षीय के दूसरे सेमेस्टर री-अपीयर व चौथे सेमेस्टर फ्रेश की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

हथियारों की तस्करी का मुख्य आरोपी छह अन्य आरोपियों सहित गिरफ्तार; 6 हथियार और 5.75 लाख रुपये की हवाला राशि बरामद

गिरफ्तार आरोपी महिकप्रीत सिंह अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देशों पर सिंडिकेट चला रहा था : डीजीपी गौरव यादव

चंडीगढ़/अमृतसर । मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने छह सदस्यों को 6 आधुनिक हथियार और 5.75 लाख रुपये की हवाला राशि सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से संचालित हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान प्रगट सिंह निवासी ग्राम वान तारा सिंह, तरनतारन; अजयबीर सिंह उर्फ अजय निवासी गली पंजाब सिंह, अमृतसर; करनबीर सिंह उर्फ करन निवासी पाल एवेन्यू, अमृतसर; श्री राम निवासी पाल एवेन्यू, अमृतसर; महिकप्रीत सिंह उर्फ रोहित अफसर कॉलोनी, अमृतसर और दिनेश कुमार निवासी आदमपुर, जालंधर के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में एक 9 मिमी ग्लॉक, तीन

.30 बोर पीएक्स-5 पिस्टल, एक .32 बोर और .30 बोर पिस्टल शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि यह सिंडिकेट गिरफ्तार आरोपी महिकप्रीत सिंह उर्फ रोहित द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देशों के तहत चलाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान जांच के विभिन्न चरणों पर कई बरामदगियां हुई हैं। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में अन्य सम्बंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारी और बरामदगियां होने की उम्मीद है। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए बताया कि आरोपी प्रगट सिंह को पहले दो हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था, जो सीमा पार की खेपों का हिस्सा थे और नेटवर्क के माध्यम से आगे वितरित किए जाने वाले थे।

जांच के दौरान मॉड्यूल के अन्य सदस्य अजयबीर, करनबीर और श्री राम को एक पिस्टल सहित गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आगे बताया कि महिकप्रीत के रूप में पहचान किए गए मॉड्यूल के मुख्य सरगना को गोवा से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से तीन हथियार बरामद किए गए। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जांच में पाया गया है कि हथियारों की तस्करी के व्यापार का पैसा हवाला नेटवर्क के माध्यम से भेजा जा रहा था, जिसमें आरोपी दिनेश को 5.75 लाख रुपये की हवाला राशि सहित गिरफ्तार किया गया। इस संबंधी केस अमृतसर के थाना गेट हकीमा में असला एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 218 दिनांक 18-08-2025 को दर्ज किया गया है।

पंजाब सरकार द्वारा सहकारी बैंकों के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन ऋण योजना शुरू

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पराली जलाने की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने और सतत खेती को और प्रोत्साहित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने पूरे प्रदेश के सहकारी बैंकों के माध्यम से संशोधित फसल अवशेष प्रबंधन ऋण योजना शुरू की है। किसानों और सहकारी सभाओं को फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी खरीदने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार की गई यह योजना वायु प्रदूषण को कम करने में मुख्य भूमिका निभाएगी तथा ग्रामीण समुदायों के लिए नए रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करेगी। इस पहल को वित्त आयुक्त सहकारिता सुमेर सिंह गुरजर तथा सहकारी सभाओं के रजिस्ट्रार गिरीश दियालन की अगुवाई में मंजूरी प्रदान की गई है, जिसमें कृषि क्षेत्र में सहकारी सभाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस योजना की मुख्य विशेषताओं में प्राथमिक कृषि सहकारी सभाओं और बहु-उद्देश्यीय सहकारी सभाओं मशीनरी पर 80 प्रतिशत तक सब्सिडी (अधिकतम 24 लाख रुपए) के लिए पात्र होंगी। मीटिंग में बताया गया है कि अग्रिम राशि के रूप में ऋण की 10 प्रतिशत राशि निर्धारित की गई है।

पंजाब द्वारा 2024-25 पिडाई सीजन के लिए गन्ने की अदायगी हेतु 679.37 करोड़ रुपये जारी: हरपाल सिंह चीमा

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के किसान भाईचारे की वित्तीय भलाई की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब के वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहाँ घोषणा की कि सूबा सरकार, जिसने देश भर में सबसे अधिक 401 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने की खरीद दर की पेशकश की, की तरफ से वर्ष 2024-25 के पिडाई सीजन के लिए गन्ने की अदायगी हेतु 679.37 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। यहाँ जारी एक प्रेस बयान में, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि सूबे की 9 सहकारी मिलों को गन्ना मिलों, जिन्होंने सीजन के दौरान कुल 194.66 लाख क्विंटल गन्ने की पिडाई की, को गन्ना सप्लाई करने वाले

राज्य भर के 18,771 किसानों को इस अदायगी का लाभ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि 401 रुपये प्रति क्विंटल की अदायगी दर के हिसाब से किसानों का कुल बकाया 779.86 करोड़ रुपये था और बाकी बचते 100.49 करोड़ रुपये की अदायगी भी इस संबंधी केंद्रीय सहायता प्राप्त होने पर जल्दी ही कर दी जाएगी। वित्त मंत्री ने इस संबंधी और जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 87 प्रतिशत से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 9 सहकारी खंड मिलों में से अजनाला के लिए 10 मार्च तक, बटाला के लिए 18 मार्च, भोगपुर के लिए 27 मार्च, बुढेवाल के लिए 13 मार्च, फाजिल्का के लिए 1 मार्च, गुरदासपुर के लिए 25 मार्च, मोरिंडा के लिए 30 मार्च, नवांशहर के लिए 31 मार्च और नकोदर के लिए 22 फरवरी तक गन्ने की खरीद के बकाए क्लियर कर दिए गए हैं। वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईटी रोपड़ के स्वायत्त मौसम केंद्र (एडब्ल्यूएस) ने सीएसआर यूनिवर्स सोशल इम्पैक्ट अवार्ड 2025 जीता

रोपड़ । शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत आईआईटी रोपड़ की एएनएनएएम.एआई (ह्वह्वरूद्ध) फाउंडेशन को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 5वें सामाजिक प्रभाव सम्मेलन और पुरस्कार में 'सामाजिक भलाई हेतु प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता' श्रेणी में सोशल इम्पैक्ट अवार्ड 2025 (एसआईसीए 2025) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 'स्वायत्त मौसम केंद्र (एडब्ल्यूएस) स्मार्ट जलवायु निगरानी समाधान' परियोजना को मान्यता देता है, जो एक गहन तकनीकी नवाचार है जिसे किसानों को वास्तविक समय, अति-स्थानीय मौसम डेटा और एआई-संचालित अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एडब्ल्यूएस इकाइयाँ कम लागत वाली, सौर ऊर्जा से संचालित और आईओटी सेंसर से सुसज्जित हैं जो वर्षा, आर्द्रता, हवा की गति और मिट्टी की स्थिति का डेटा एकत्र करती हैं। यह जानकारी, एआई-आधारित पूर्वानुमान विश्लेषण के साथ मिलकर, किसानों को फसल नियोजन, सिंचाई, कीट नियंत्रण और संसाधन प्रबंधन पर सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। जलवायु परिवर्तनशीलता और फसल हानि की चुनौतियों का समाधान करके, एडब्ल्यूएस जलवायु-प्रतिरोधी और टिकाऊ कृषि के निर्माण हेतु एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित हो रहा है।

सोशल इम्पैक्ट अवार्ड 2025 का विषय था ÷इम्पैक्ट 2.0- भारत की प्रगति की अगली लहर को मापना÷, जिसके अंतर्गत प्रौद्योगिकी, साझेदारियों और नवीन वित्तपोषण की भूमिका पर विशेष बल दिया गया। सम्मेलन में 80 से अधिक प्रख्यात वक्ताओं, 200 से अधिक प्रतिनिधियों, उद्योग जगत के नेताओं, नीति-निर्माताओं और 10 से अधिक संसद सदस्यों ने भाग लिया। इसमें मुख्य भाषण, पैनल चर्चा, स्पॉटलाइट वार्ता और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि एवं स्वच्छ ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों में

प्रभावशाली नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियाँ शामिल थीं। पुरस्कार समारोह में उन संगठनों, परोपकारी व्यक्तियों, स्टार्टअप्स और सामाजिक उद्यमों को सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में योगदान दिया है। आईआईटी रोपड़ को मिला यह सम्मान ग्रामीण सशक्तिकरण, स्थिरता और सामाजिक कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एडब्ल्यूएस परियोजना की सफलता इस बात का प्रमाण है कि भारतीय संस्थानों के नवाचार न केवल समावेशी विकास को बढ़ावा देते हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा और जलवायु अनुकूलन जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की भी क्षमता रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर से दिल्ली तक चलेगी सेब एक्सप्रेस, घाटी के किसानों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादक किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए रेलवे ने बड़ी तैयारी की है। रेलवे का कहना है कि शनिवार यानी 13 सितंबर से कश्मीर से दिल्ली के लिए सेब एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन किसानों को उनकी फसल सुरक्षित और तेजी से दिल्ली पहुंचाने में मदद करेगी। भारी बारिश, भूस्खलन के चलते श्रीनगर और जम्मू को जोड़ने वाला हाइवे इस महीने बाधित रहा है। ऐसे में इस परेशानी से निपटने के लिए रेलवे ने यह तैयारी की है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि जम्मू और श्रीनगर के बीच हाइवे बंद होने से आवाजाही प्रभावित हुई है और इसके चलते कश्मीरी सेब भी दिल्ली तक नहीं आ पा रहा था। अब इस संकट से निपटने के लिए ट्रेनें चलाई जाएंगी। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इससे घाटी के फल उत्पादकों को अपने सामान को आसानी से दिल्ली पहुंचाने में मदद मिलेगी। दिल्ली की आजादपुर मंडी में देश के तमाम हिस्सों से फल आता है और फिर अलग-अलग हिस्सों में उसे भेजा जाता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी सेब उत्पादकों के लिए ट्रेन चलाने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। चीफ मिनिस्टर उमर अब्दुल्ला का कहना है कि रेलवे के साथ बीते करीब एक सप्ताह से इसे लेकर चर्चा चल रही थी। अंत में फैसला हुआ कि दिल्ली तक सेब उत्पादक किसानों के लिए ट्रेन का संचालन किया जाए।

नेपाल में फंसी DTC की बस, दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा भी ठप; मुश्किल में यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और नेपाल के बीच दोस्ती का प्रतीक मानी जाने वाली दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा को नेपाल में चल रही उथल-पुथल ने रोक दिया है। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की यह लोकप्रिय बस सेवा, जो दोनों देशों के यात्रियों के लिए सुविधाजनक और किफायती साधन है, अब अनिश्चितकाल के लिए रुकी हुई है। नेपाल में हाल ही में शुरू हुए छात्रों के जेन जेड आंदोलन ने पूरे देश में हलचल मचा दी है। यह आंदोलन सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही यह भ्रष्टाचार और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एक बड़े जनाक्रोश में बदल गया। इस बवाल के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध भी हटा लिया गया। लेकिन इस उथल-पुथल का असर दिल्ली-काठमांडू बस सेवा पर भी पड़ा, जिसके चलते बस नेपाल में फंस गई है। डीटीसी के एक अधिकारी ने बताया, हमारी बस नेपाल में रुकी हुई है। दिल्ली सरकार इस मामले में भारत और नेपाल के दूतावासों के साथ समन्वय कर रही है। बुधवार को इस सेवा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। 2014 में शुरू हुई यह बस सेवा भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने का एक शानदार उदाहरण है। 1,167 किलोमीटर की इस यात्रा में बस दिल्ली से काठमांडू तक फीरोजाबाद, फैजाबाद, मुगलिंग और सोनौली (भारत-नेपाल सीमा) जैसे पड़ावों पर रुकती है। किराया मात्र 2,800 रुपये है, जो इसे यात्रियों के लिए किफायती बनाता है। यह सेवा सप्ताह में छह दिन चलती है। डीटीसी की वॉल्वो बसें सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलती हैं, जबकि नेपाल की मंजुश्री यातायात की मार्को पोलो बसें मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को यात्रियों को ले जाती हैं। इस बस सेवा में यात्रियों को कुछ खास नियमों का पालन करना होता है। भारतीय और नेपाली नागरिकों को पासपोर्ट या वोटर आईडी जैसे सरकारी पहचान पत्र साथ रखने होते हैं, जबकि अन्य देशों के नागरिकों को वैध पासपोर्ट और वीजा की जरूरत होती है। यात्रा के दौरान केवल निर्धारित पड़ावों पर ही रुकने की अनुमति है। बसें पूरी तरह वातानुकूलित हैं और 2×2 सीटिंग व्यवस्था के साथ आरामदायक सफर का अनुभव देती हैं। डीटीसी की वेबसाइट के अनुसार, यह सेवा 25 नवंबर, 2014 को दिल्ली के डॉ. अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल से शुरू हुई थी। कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान 23 मार्च 2020 को यह सेवा बंद कर दी गई थी। हालांकि, दिसंबर 2021 में इसे फिर से शुरू किया गया। अभी यह सेवा केवल डीजल बसों के साथ चल रही है, क्योंकि सीएनजी या इलेक्ट्रिक बसें इस रूट के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

दो दिन इन इलाकों में खूब बरसेंगे बदरा

मॉनसून की झोली में अभी और बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी।
मॉनसून के असर से देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून अपनी सामान्य स्थिति के करीब है। अरब सागर के पूर्वी हिस्से में गहरा निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है, जिसके अगले 12 घंटों में कमजोर होने की संभावना है। इसके प्रभाव से 12 से 17 सितंबर तक अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश होगी। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15 सितंबर तक बहुत भारी बारिश की संभावना है। ओडिशा में 12 सितंबर को और छत्तीसगढ़ में 12-13 सितंबर को बदरा बरसने वाले हैं। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग तारीखों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 सितंबर को बहुत भारी बारिश हो सकती है। 12-17 सितंबर तक महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तूफान और अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। मराठवाड़ा में 14 सितंबर तक बहुत भारी बारिश हो सकती है। कोंकण और गोवा में 13-14 सितंबर को बहुत भारी बारिश संभावित है। गुजरात क्षेत्र में 14 से 16 सितंबर तक भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 15 और 16 सितंबर को, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 सितंबर को बदरा बरसने वाले हैं। हिमाचल प्रदेश में 13 और 14 सितंबर को बारिश होगी। उत्तराखंड में 12 से 16 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। तमिलनाडु में 12 सितंबर को, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 13 सितंबर तक बरसात होने वाली है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में अगले 48 घंटों तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने अपने बयान में कहा कि अगले तीन दिनों तक कलबुर्गी, विजयपुरा, बागलकोट, कोप्पल, बल्लारी और विजयनगर जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। तटीय और आंतरिक कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। राजधानी बेंगलुरु में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश हुई। शहर में 52.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पड़ोसी कोलार जिले के तमका में 102 मिमी बारिश हुई। आईएमडी ने अरुणाचल प्रदेश के कई हिस्सों में 15 सितंबर तक भारी से अत्यंत भारी बारिश की संभावना जताई है। साथ ही, संवेदनशील जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने दिन के समय कई जिलों में मूसलधार बारिश की संभावना जताई है। तवांग, पश्चिम कामेंग, पापुम पारे, पूर्वी कामेंग, लोअर सुबनसिरी, पूर्वी सियांग, पश्चिमी सियांग, दिबांग घाटी और अंजॉ में भारी बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान जताते हुए कई जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वी कामेंग, पापुम पारे, पक्के-केसांग, पश्चिमी कामेंग, पूर्वी सियांग और दिबांग घाटी जिलों में शुक्रवार को गरज-चमक के साथ हल्की या भारी बारिश हो सकती है। शनिवार को बारिश की तीव्रता और बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने नामसाई, चांगलांग, तिरप, लोहित और लोअर दिबांग घाटी के कुछ हिस्सों में गरज के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है।

यमुना सिटी में बसाए जाएंगे 5 नए सेक्टर, 7 गांवों के किसानों से जमीन खरीदेगा यीडा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे के पास यमुना सिटी में 5 सेक्टर को विकसित करने की तैयारी है। इससे यमुना विकास प्राधिकरण की यहां प्रस्तावित विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी। इसके लिए सात गांवों के किसानों से भूमि खरीदी जाएगी। इनकी लिस्ट का प्रकाशन किया जा चुका है। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-5, 8, सेक्टर-8डी को विकसित करने के लिए मुढ़रह, थोरा, भीकनपुर और कलूपुरा गांव के किसानों से भूमि खरीदी जाएगी। जमीन पर जापानी सिटी, कन्वेंशन सेंटर समेत अन्य परियोजनाएं विकसित होंगी। यह जमीन 31 किसानों से खरीदी जानी है। वहीं, रबुपूरा, भुन्नातगा में सेक्टर-11, सेक्टर-34 और सेक्टर-21 के लिए जमीन खरीद होगी। प्राधिकरण की सेक्टर-11 में फिनटेक सिटी, सेक्टर-21 में फिल्म सिटी और सेक्टर-34 में औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने की तैयारी है। हालांकि, इन सेक्टरों में परियोजनाओं के लिए काफी भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। प्राधिकरण ने परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की रुकावट के लिए लैंडबैंक बनाने का काम शुरू किया है। इसके अलावा रबुपुरा के किसानों की कुछ भूमि सेक्टर-28 मेडिकल डिवासइ पार्क, डाटा पार्क और कॉमर्शियल और भविष्य में इस्तेमाल के लिए भी खरीदने की तैयारी है।

कॉलेजियम ने की हाईकोर्ट के 3 जजों को चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने कई उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के रूप में पदोन्नति के लिए तीन न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश केंद्र सरकार को की। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की तीन सदस्यीय कॉलेजियम ने गुरुवार को एक बैठक में यह निर्णय लिया।

कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति पवनकुमार बी. बजंथरी को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश (वर्तमान में पटना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश), कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय का मुख्य न्यायाधीश और मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. सुंदर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश (वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की 14 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप) नियुक्त करने की सिफारिश की है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने दो अधिवक्ताओं - अमिताभ कुमार राय और राजीव लोचन शुक्ला को इस उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के तौर पर सोमवार को शपथ दिलाई। इससे पहले राजीव लोचन शुक्ला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे थे, जबकि अमिताभ कुमार राय उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में वकालत कर रहे थे। इन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 87 हो गई है, जबकि मंजूर पद 160 न्यायाधीशों की है। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय ने छह सितंबर को इन अधिवक्ताओं की न्यायाधीशों के तौर पर नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी।

मोदी के बर्थडे पर दिल्ली में 75 योजनाएं शुरू करेगी रेखा गुप्ता सरकार

अमित शाह करेंगे लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 75 योजनाओं की शुरुआत करने जा रही है। प्रधानमंत्री का 17 सितंबर को जन्मदिन है उसी दिन सेवा पखवाड़ा की शुरुआत करने के साथ योजनाओं की भी शुरुआत की जाएगी। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, यमुना, जल बोर्ड, ड्रेनेज सिस्टम समेत कई अलग-अलग योजनाओं को इसके तहत लॉन्च करेगी। इसके साथ यमुनापार में लंबे समय से अटके नंद नगरी फ्लाईओवर की शुरुआत भी इसी दिन होगी। सरकार इसकी तैयारी में जुटी है।

17 सितंबर को दिल्ली सरकार की ओर से एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा की शुरुआत करने के साथ सरकार की स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी योजनाओं को लॉन्च करेंगे। पहले दिन यानि 17 सितंबर को सेवा पखवाड़ा के तहत 101 आरोग्य मंदिर, पांच मौजूदा अस्पतालों में बने नए ब्लॉक की शुरुआत होगी। इसके अलावा एसटीपी की नई योजनाओं का शिलान्यास करने के साथ शिक्षा विभाग के तहत सीएम श्री स्कूलों का लॉन्च भी केंद्रीय गृह मंत्री करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत पहले दिन केंद्रीय मंत्री के उद्घाटन के बाद अगले कई दिनों तक श्रेणीवार अलग-अलग योजनाओं की शुरुआत होती रहेगी।

एक दिन सिर्फ यमुनापार के लिए अलग-अलग योजनाएं लॉन्च की जाएगी, जिसमें एसटीपी प्लांट के अलावा उत्तर-पूर्वी दिल्ली में गगन सिनेमा के पास बने नए नंद नदरी फ्लाईओवर को भी लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। नंद नगरी फ्लाईओवर लंबे समय से लंबित पड़ा था। इसके खुलने से अब वजीराबाद रोड पर लोनी बॉर्डर, गगन सिनेमा के पास लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। भजनपुरा तक सफर सिग्नल फ्री हो जाएगा। इसके अलावा अलग-अलग दिन अलग-अलग योजनाएं लॉन्च की जाएंगी।

सेवा पखवाड़ा के दौरान दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की 3000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया जाएगा। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि जल बोर्ड की कुल 13 परियोजनाएं शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर ये परिवर्तनकारी परियोजनाएं दिल्ली की जनता के लिए सरकार का उपहार होंगी।

दिल्ली में 3 महिलाओं सहित 4 बांग्लादेशी पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की टीम ने चार बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए लोगों एक पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं, जो पहचान बदलकर 2017 से भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस को तलाशी के दौरान इनके पास से बांग्लादेशी पहचान पत्र बरामद हुए हैं। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि दक्षिण पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की टीम ने तीन महिलाओं और एक पुरुष सहित चार अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया है। इनकी पहचान (1) फरजाना अख्तर, (2) नजमा बेगम, (3) रेश्मा अख्तर और (4) ओरको खान के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस ने सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एफआरआरओ की मदद से इन्हें बांग्लादेश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। डीसीपी ने बताया कि ऑपरेशन सेल के एक हेड कॉन्स्टेबल को एक गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अवैध बांग्लादेशी महिला प्रवासी कापसहेड़ा क्षेत्र में घूम रही हैं। मुखबिर ने इन महिलाओं की पहचान की और उन्हें चिन्हित किया। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों से संपर्क किया और उनसे पहचान संबंधी दस्तावेज मांगे और गहन पूछताछ की। ये महिलाएं भारतीय होने या भारत में रहने का कोई भी वैध दस्तावेज पेश करने में नाकाम रहीं और उन्होंने अवैध बांग्लादेशी प्रवासी होने की बात स्वीकार की, जो वर्ष 2017 में बनगांव सीमा और त्रिपुरा के रास्ते भारत में दाखिल हुई थीं और कुछ भारतीय वीजा के माध्यम से भारत आईं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। उन्होंने बताया कि वे दिल्ली और मुंबई में हाउसकीपिंग की नौकरी की तलाश में थे, लेकिन उन्हें उपयुक्त काम नहीं मिल पाया। इसके चलते, वे दिल्ली के कापसहेड़ा इलाके में आकर बस गए। गिरफ्तारी के दिन, वे काम की तलाश में घूम रहे थे। उनके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच के बाद पुलिस टीम ने उनके परिवार के सदस्यों से संपर्क किया और उनकी बांग्लादेशी पहचान (राष्ट्रीय पहचान पत्र) प्राप्त की। कुल 3 महिलाओं और 1 पुरुष संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। गहन सत्यापन और पूछताछ के बाद, उनकी भारतीय पहचान रद्द कर दी गई और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं।

जिसके बाद विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ), नई दिल्ली के माध्यम से उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू की गई।

दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस के बाद बनेंगे 8 नए कॉरिडोर

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरीडोर पूरी तरह से खुलने जा रहा है। अभी दिल्ली के अशोक नगर से मेरठ साउथ स्टेशन तक इस कॉरीडोर को चालू कर दिया गया है, जिस पर ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। हाल ही में इस कॉरीडोर को लेकर अपडेट देते हुए बताया गया कि जल्द ही बाकी के बचे 27 किलोमीटर का उद्घाटन किया जाएगा, जिससे 82 किलोमीटर का पूरा कॉरीडोर चालू हो जाएगा। इस कॉरीडोर का काम पूरा होने के बाद एनसीआर क्षेत्र में 8 और कॉरीडोर प्रस्तावित हैं, जिनका काम कई चरणों में शुरू होगा। इन आरआरटीएस कॉरीडोर के बन जाने के बाद एनसीआर क्षेत्र में ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिल जाएगा। आइए जानते हैं कि सरकार का प्लान क्या है? पहले चरण में तीन आरआरटीएस कॉरीडोर प्रस्तावित हैं। इनमें दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत आरआरटीएस का काम पूरा हो गया है, जो जल्दी ही पूरी तरह से जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली-गुरुग्राम- रेवाड़ी- अलवर आरआरटीएस कॉरीडोर और दिल्ली-पानीपत-करनाल आरआरटीएस कॉरीडोर का काम भी शुरू किया जाएगा। इसके लिए कैबिनेट की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद इन सभी कॉरीडोर का काम अलग-अलग चरणों में शुरू किया जाएगा।

दिल्ली में खुलेआम बिक रहा तेजाब, 10 साल बाद भी बस कागजी हैं कानून; खतरे में जिंदगियां!

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में तेजाब की बिक्री को कंट्रोल करने के लिए 2015 में बनाए गए कड़े नियमों को दस साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी राजधानी में यह खतरनाक कैमिकल आसानी से मिल रहा है। हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स की पड़ताल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि तेजाब न सिर्फ खुले में बिक रहा है, बल्कि इसे खरीदने के लिए न तो कोई आईडी दिखाने की जरूरत पड़ती है, न ही खरीदने का कारण बताना पड़ता है। कई बार तो बोतल पर लेबल तक नहीं होता, जो 2013 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश और दिल्ली सरकार के नियमों का खुला उल्लंघन है।

2013 में एसिड अटैक की दिल दहला देने वाली घटनाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट ने नाइट्रिक, फॉस्फोरिक, सल्फ्यूरिक और हाइड्रोक्लोरिक जैसे एसिड की बिक्री पर देशव्यापी पाबंदी लगाई थी। कोर्ट ने विक्रेताओं के लिए सख्त नियम बनाए। इसमें लाइसेंस लेना अनिवार्य, खरीदारों का रजिस्टर रखना, पहचान पत्र की जांच और खरीद का उद्देश्य पूछना शामिल है। दिल्ली सरकार ने भी 2015 में 40 ऐसे कैमिकल को विशेष कानून के तहत सूचीबद्ध कर बिक्री पर और कड़ाई की। सुप्रीम कोर्ट के लक्ष्मी बनाम भारत सरकार मामले में दिए गए दिशानिर्देशों में साफ कहा गया कि 18 साल से कम उम्र वालों को एसिड नहीं बेचा जा सकता और स्टॉक की जानकारी 15 दिनों के भीतर स्थानीय उप-मंडल मजिस्ट्रेट को देनी होगी। उल्लंघन पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और माल जब्त हो सकता है। लेकिन हकीकत इन नियमों की खिल्ली उड़ाती है।

हिंदुस्तान टाइम्स की टीम ने दिल्ली के शानदार बाजारों से लेकर भीड़भाड़ वाली बस्तियों तक आठ इलाकों का दौरा किया और हर जगह तेजाब आसानी से खरीद लिया। न कहीं पहचान मांगी गई, न ही उद्देश्य पूछा गया। दक्षिण-पूर्व दिल्ली में, जहां तेजाब हमले की शिकार महिलाओं का आश्रय गृह है, वहां से चंद कदमों की दूरी पर एक दुकानदार ने 40 रुपये में तेजाब की बोतल थमा दी। न कोई सवाल ना ही कोई चेतावनी। गोविंदपुरी की गली नंबर 15 के हलचल भरे बाजार में, एक छोटी-सी पेंट और हार्डवेयर की दुकान ने मजबूत फ्लोर क्लीनर के नाम पर पीले रंग का अनलेबल्ड तरल दो मिनट में बेच दिया। कीमत? बस 50 रुपये प्रति बोतल। दुकानदार ने बेझिझक पूछा, तेजाब

चाहिए?और प्लास्टिक की बोतल में कैमिकल डालकर थमा दिया। जंगपुरा में भी यही कहानी देखने को मिली। एक दुकानदार ने मुस्कुराते हुए बोतल दी और कहा, ये सबसे अच्छा फ्लोर क्लीनर है, बस जरा तीखा है। बोतल पर कोई लेबल नहीं था। साकेत के पॉश के-ब्लॉक में भी दो दुकानों ने प्री-ऑर्डर पर तेजाब बेचने की बात कबूल की। एक ने कहा, लोग बाथरूम साफ करने के लिए दो-चार बोतल लेते हैं। दूसरा दुकानदार 80 रुपये की भूरी कांच की बोतल बेचते हुए बोला, कानून की वजह से अब मुश्किल है, लेकिन ये लीक नहीं करता।

सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया (एसडीए) के चहल-पहल भरे बाज़ार में एक किराना दुकानदार ने पीछे के कमरे से तेजाब की बोतल निकाली और एक बड़े ई-कॉमर्स डिलीवरी बैग में डाल दी। उसने कहा, ये तो बस हाइड्रोक्लोरिक एसिड है। मयूर विहार फेज-1 में एक छोटी रसायन की दुकान में 10 अनलेबल्ड बोतलें थीं और दुकानदार ने बड़े ऑर्डर के लिए नाम और नंबर मांगा। यूसुफ सराय में, जहां दर्जनों सैनिटरी और हार्डवेयर की दुकानें हैं, एक युवा दुकानदार ने 50 रुपये में सीलबंद प्लास्टिक की बोतल बेची। उसका कहना था, प्लंबर और पेंटर हमारे रेगुलर ग्राहक हैं।

यहां तक कि ग्रेटर कैलाश जैसे रईस इलाके भी अछूते नहीं। जमरूदपुर गांव में एक जनरल स्टोर ने 50 रुपये में पॉलीथिन बैग में लपेटकर तेजाब की बोतल दे दी। दुकानदार ने बेपरवाही से कहा, जीके में सब हमसे लेते हैं।

ऑनलाइन बाजार भी कम खतरनाक नहीं है। पूर्वी दिल्ली के एक थोक विक्रेता ने नाम और खरीद का कारण पूछा, लेकिन मुंबई के एक विक्रेता ने बिना किसी सवाल के नाइट्रिक एसिड की बल्क डिलीवरी की पेशकश की। व्हाट्सएप पर ऑर्डर की पुष्टि करने वाले भी मिले। 2020 से 2025 तक, दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, शहर में कम से कम 35 तेजाब हमले दर्ज किए गए। पीड़ित और कार्यकर्ता कहते हैं कि यह संख्या वास्तविकता से कम है। एसिड की शिकार और ब्रेव सोल फाउंडेशन की संस्थापक शाहीन मलिक ने पिछले साल दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर तेजाब की खुली बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की थी।

कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। जुलाई 2023 के फैसले में कोर्ट ने कहा कि पूर्ण प्रतिबंध वास्तविक उपयोगकर्ताओं और व्यवसायों को नुकसान पहुंचाएगा, और दिल्ली सरकार को मौजूदा नियमों को बेहतर लागू करने की सलाह दी।

संपादकीय

नेपाल में जेन-जी ने सत्ता को दिया सबसे बड़ा चैलेंज

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। सरकारी संपत्तियों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने से सुलगी विरोध की इस चिंगारी से संसद तथा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवास भी अछूते नहीं रहे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करना सुरक्षा बलों के लिए इस समय बड़ी चुनौती है। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इससे पहले सरकार के कुछ मंत्री भी अपना पद छोड़ चुके हैं।सवाल यह है कि आखिर देश का युवा वर्ग इतना ज्यादा आक्रामक कैसे हो गया? शासन और स्थानीय प्रशासन युवाओं के गुस्से को समय रहते शांत करने में क्यों नाकाम रहा? क्या सरकार को इस बात का इल्म नहीं था कि हालात इस कदर बिगड़ सकते हैं या फिर इसका पूर्व आकलन करने में कहीं कोई चूक हुई है? दरअसल, नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि देश में सोशल मीडिया मंचों से संबंधित कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस फैसले का विरोध करने लगे। सोमवार को विरोध प्रदर्शन का दायरा व्यापक हो गया और काठमांडो में युवाओं की उग्र भीड़ ने जगह-जगह तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ प्रदर्शनकारियों की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। इससे युवाओं का आक्रोश बढ़ गया और भीड़ संसद भवन परिसर में घुस गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवासों को भी निशाना बनाया गया। हालात को देखते हुए सरकार ने सोमवार रात को ही सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया और मंगलवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मगर प्रदर्शनकारी अभी भी शांत नहीं हुए हैं और वे सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।नेपाल के इतिहास में इसे बहुत बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह जन आक्रोश ने सरकारों को अपदस्थ कर दिया था। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि नेपाल में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जेन जी' कर रहा है। यह युवाओं का एक ऐसा समूह है, जो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस समूह ने पिछले दिनों सोशल मीडिया के जरिए सरकार के मंत्रियों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों के बच्चों की फिजूलखर्ची तथा उनकी जीवनशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी के साथ-साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी हर हाल में होनी चाहिए, लेकिन क्या हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ ही इसका एकमात्र समाधान है? बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल की सरकार और युवा वर्ग देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और माहौल का शांत कर बातचीत की राह पर लौटेंगे।

नेपाल का पीएम कौन बनेगा इस बार पर गुरुवार को जेड जेन के कार्यकर्ता और प्रदर्शनकारी आपस में ही भिड़ गए थे और उनमें हिंसक झड़प भी हुई।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अक्षर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

नेपाल का विद्रोह और भारत-नेपाल संबंधों में गोरक्षपीठ की भूमिका

(प्रणय विक्रम सिंह)

भगवान पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि नेपाल इस समय विद्रोह की उफनती लहरों में डगमगा रहा है। जेन जेड आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की जनता भ्रष्टाचार, असमानता और अवसरहीनता से ऊबकर निर्णायक प्रतिकार के मार्ग पर अग्रसर हो चुकी है। सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध ने इस असंतोष की चिंगारी को प्रचंड अग्निज्वाला में बदल दिया है। परंतु यह संकट केवल राजनीति या सत्ता तक सीमित नहीं है। यह नेपाल की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और सामाजिक धड़कनों को भी झकझोर रहा है।

हिमालय की गोद और गंगा-यमुना की सांस्कृतिक गाथाओं से जुड़ा यह देश सदियों से भारत के साथ साझा परंपराओं का सेतु रहा है। भगवान पशुपतिनाथ के आशीष से पवित्र यह भूमि और जनक-राम की विवाह-स्थली जनकपुर से लेकर बुद्ध के जन्मस्थल लुंबिनी तक की सांस्कृतिक यात्रा भारत-नेपाल की एकात्मता का अक्षर प्रमाण है। हर वर्ष आयोजित राम-जानकी विवाह महोत्सव, मकर संक्रांति मेले और कुम्भ-लुंबिनी संवाद जैसे पर्व इस एकात्मता को प्रत्यक्ष रूप से जीवित रखते हैं। ऐसे अस्थिर समय में भारत-नेपाल संबंधों का भविष्य केवल औपचारिक कूटनीति से तय नहीं होगा, बल्कि उन सांस्कृतिक स्तंभों की दृढ़ता पर टिका है, जिन्होंने सदियों से दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में पिरोया है। इन्हीं में सबसे प्रमुख है पावन गोरक्षपीठ (गोरखनाथ मठ, गोरखपुर), जो भगवान पशुपतिनाथ की पावन परंपरा के साथ मिलकर भारत और नेपाल की एकात्म सांस्कृतिक धारा का अमिट प्रतीक और विश्वास का जीवंत आधार है।

गोरक्षपीठ और नेपाल = संस्कृति का संबल, आस्था का सेतु: नेपाल के इतिहास में गोरक्षपीठ की भूमिका केवल एक मठ की मर्यादा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सांस्कृतिक संबल और आध्यात्मिक सेतु के रूप में युगों-युगों तक गूंजती रही। हिमालय की गोद में जब 18वीं शताब्दी में गोरखनाथ की साधना का आलोक फैला, तब गोरखा राज्य को केवल नाम ही नहीं, बल्कि आत्मा भी मिली। पृथ्वी नारायण शाह ने जब नेपाल को एकसूत्र में पिरोया, तो उन्होंने गोरखनाथ को राष्ट्र-रक्षक माना। इस प्रकार गोरक्षनाथ परंपरा नेपाल की राजनीतिक चेतना की धड़कन बन गई।

20वीं शताब्दी में महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने इस परंपरा को नया प्राण और नया पथ दिया। पावन गोरक्षपीठ ने संतों को संगठित कर यह स्पष्ट किया कि भारत-नेपाल का संबंध न तो केवल सीमा का संबंध है और न ही केवल व्यापार का बंधन। यह तो आस्था की अटूट डोर और संस्कृति की सनातन संगीतमाला है।

1980-90 के दशक में जब नेपाल वामपंथी विचारधारा और राजनीतिक अस्थिरता की आंधी से जूझ रहा था, तब गोरक्षपीठ ने दीपक की तरह मार्ग दिखाया। महंत अवेद्यनाथ जी ने यह संदेश दिया कि भारतङ्कनेपाल का संबंध केवल सत्ता की संधियों पर नहीं, बल्कि सदियों की साधना और साझी संस्कृति पर टिका है।

आधुनिक युग में गोरक्षपीठ का ध्वज योगी आदित्यनाथ ने संभाला है। उनकी जनकपुरधाम यात्रा वैदिक वाणी का उद्घोष बनी, पशुपतिनाथ मंदिर की पूजा आस्था का आलोक बनी, और लुंबिनी की बुद्ध जयंती सहभागिता हिन्दू-बौद्ध संवाद का संगम बनी। आज गोरक्षपीठ केवल एक धार्मिक पीठ नहीं, बल्कि आधुनिक सांस्कृतिक कूटनीति का उज्ज्वल प्रतीक है।

गोरक्षपीठ ने नेपाल में कभी प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं किया, किंतु हर संकटकाल में यह दीपशिखा बनकर दिशा दिखाता रहा। यह वही शक्ति है जो सीमाओं से परे, सत्ता से ऊपर और संधियों से आगे जाकर भारत-नेपाल संबंधों को स्थायित्व और आत्मीयता देती है। यही कारण है कि नेपाल का जनमानस गोरक्षपीठ को केवल मठ नहीं मानता, बल्कि विश्वास का आधार, संस्कृति का संरक्षक और सनातन सेतु मानता है। एक ऐसा सेतु, जो हिमालय की चोटियों से लेकर गंगा-यमुना की धाराओं तक दोनों देशों की आत्माओं को एक सूत्र में बांधे रखता है।

मौजूदा विद्रोही परिस्थिति में गोरक्षपीठ की भूमिका: नेपाल की मौजूदा विद्रोही परिस्थितियां केवल सत्ता के संकट का परिणाम नहीं हैं, बल्कि समाज की गहरी बेचैनी, असमानता और अवसरहीनता का विस्फोट हैं। ऐसे समय में गोरक्षपीठ की भूमिका साधारण धार्मिक केंद्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह सांस्कृतिक मार्गदर्शक और सामाजिक सहारा बन सकती है। सबसे पहले, सांस्कृतिक स्मृति जगाना आवश्यक है। जनता को यह स्मरण कराना होगा कि राजनीतिक अस्थिरता अस्थायी है, लेकिन भारत-नेपाल की साझा परंपराएं शाश्वत हैं। हिमालय की गोद से लेकर गंगा की धारा तक बहती हुई यह सांस्कृतिक चेतना दोनों देशों की आत्माओं को जोड़े रखती है। जब युवाओं का आक्रोश व्यवस्था पर टूट पड़ता है, तब गोरक्षपीठ यह संदेश दे सकता है कि परिवर्तन केवल संघर्ष से नहीं, बल्कि परंपरा की जड़ों से जुड़कर ही स्थायी हो सकता है।

दूसरे, गोरक्षपीठ एक विश्वास का सेतु बन सकता है। आज जब राजनीतिक दल आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप में उलझे हैं, तब जनता को किसी ऐसे मंच की आवश्यकता है, जो न तो सत्ता की लालसा से प्रेरित हो और न ही दलगत स्वार्थ से। गोरक्षपीठ अपने संतत्व और निष्पक्षता के कारण ऐसा मंच बन सकता है, जो संवाद, सहयोग और भरोसे का प्रतीक बने। यह संस्था नेपाल की जनता को यह विश्वास दिला सकती है कि भारत केवल एक राजनीतिक ताकत नहीं, बल्कि एक आत्मीय पड़ोसी, सहयात्री और सांस्कृतिक सहोदर है।

तीसरे, धार्मिक पर्यटन और अर्थव्यवस्था की दृष्टि से गोरक्षपीठ का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि गोरखनाथ-पशुपतिनाथ-जनकपुर - लुंबिनी जैसी ध्रुवीय स्थलों को एक साझा सांस्कृतिक-धार्मिक यात्रा मार्ग के रूप में विकसित किया जाए, तो इससे न केवल नेपाल की डगमगाती अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि भारत-नेपाल के बीच जन-से-जन संपर्क और भी गहरा होगा। साल 2023 में ही नेपाल में 319,000 से अधिक भारतीय पर्यटक पहुंचे और 2024 की पहली छमाही में यह संख्या 1.8 लाख से अधिक रही। यह आंकड़े बताते हैं कि धार्मिक पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। पर्यटन से जुड़ी आय, रोजगार और सांस्कृतिक आयोजनों से जनता का मनोबल बढ़ेगा और अस्थिरता के बीच स्थिरता का अहसास होगा।

और सबसे महत्वपूर्ण यह कि गोरक्षपीठ की पहुंच केवल राजाओं, राजनेताओं या संतों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि आमजन के मन में भी उसकी गहरी जड़ें हैं। नेपाल के गांव-गांव और तराई के कस्बों तक में गोरखनाथ का नाम श्रद्धा और विश्वास के साथ लिया जाता है। किसान इसे अपने परिश्रम का संरक्षक मानते हैं, व्यापारी इसे अपने सौदे की सफलता का आशीर्वाद समझते हैं, और युवा इसे संघर्ष और संकल्प का प्रतीक मानते हैं। यही कारण है कि गोरक्षपीठ की पुकार जनता के हृदय तक सीधे पहुंचती है और कठिन समय में आश्वस्ति का आधार बन जाती है। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि नेपाल की आत्मा केवल सत्ता या संविधान से नहीं, बल्कि गुरु परंपरा से जुड़ी है। गोरखनाथ की साधना और पशुपतिनाथ की कृपा ही वह धारा है, जो हर संकट में नेपाल समाज को संभालती रही है। जब राजनीति डगमगाती है, तब जनता गोरक्षपीठ की ओर आश्वस्ति से देखती है। क्योंकि वहां से संदेश सत्ता का नहीं, बल्कि संस्कृति का आता है।

भारत की कूटनीति में गोरक्षपीठ का महत्व: भारत-नेपाल संबंध अतीत में कई बार वामपंथी राजनीति, क्षेत्रीय राष्ट्रवाद और बाहरी दबावों से प्रभावित हुए हैं। कभी तेल और दाल-चावल की आपूर्ति रोकने का आरोप लगा, तो कभी चीन ने निवेश और कूटनीति के जरिए नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ाया। ऐसे समय में गोरक्षपीठ एक ऐसा संदेश देता है, जो इन सब राजनीतिक उलझनों से ऊपर है। यह रिश्ता केवल सत्ता या आर्थिक गणित का नहीं, बल्कि संस्कृति, धर्म और आस्था का है। भारत की औपचारिक कूटनीति जब संधियों, समझौतों और वार्ताओं तक सीमित रहती है, तब गोरक्षपीठ सांस्कृतिक कूटनीति का जीवंत उदाहरण बनता है। यह वह शक्ति है, जो नेपाल की जनता के दिल तक पहुंचती है। पशुपतिनाथ की कृपा-भूमि में गोरक्षपीठ यह विश्वास जगाता है कि भारत-नेपाल का संबंध केवल पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि भाईचारे और साझी परंपराओं का है। यदि भारत अपनी राजनीतिक कूटनीति को गोरक्षपीठ की सांस्कृतिक शक्ति के साथ जोड़ता है, तो उसे वह गहराई और आत्मीयता प्राप्त होगी, जो चीन जैसे बाहरी शक्तियों के आर्थिक निवेश से संभव नहीं। हाल ही में भारत-नेपाल के बीच हुआ 10,000 मेगावॉट विद्युत व्यापार समझौता इस कूटनीतिक और आर्थिक साझेदारी की मिसाल है, किंतु गोरक्षपीठ इसे सांस्कृतिक आधार देकर स्थायी बना सकता है। गोरक्षपीठ नेपाल की जनता को यह अहसास दिला सकता है कि भारत केवल एक राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है, जो संकट की घड़ी में सांस्कृतिक आत्मीयता और आध्यात्मिक विश्वास के साथ खड़ा है।

संक्षेप में, मौजूदा विद्रोह और अस्थिरता के बीच गोरक्षपीठ की भूमिका संवाद, स्मृति और स्थिरता की है। यही भूमिका भारत-नेपाल संबंधों को राजनीतिक उतार-चढ़ाव से ऊपर उठाकर एक स्थायी, आत्मीय और सांस्कृतिक साझेदारी में बदल सकती है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ डॉ. रहीस सिंह कहते हैं कि भारत-नेपाल संबंधों का आधार केवल व्यापार नहीं, बल्कि उन साझा संवृत्तियों की जीवंतता है, जिनकी जड़ें संस्कृति, सनातन आस्था और मानवीय संवेदनाओं में निहित हैं। गोरक्षपीठ इन भावनाओं का संस्थागत रूप है, जो दोनों देशों को स्थायी और आत्मीय बंधन में जोड़ती है। चीन अरबों डॉलर का निवेश कर सकता है, किंतु वह भावनात्मक मानवीय कनेक्ट नहीं दे सकता, जो भारत सदियों से नहीं बल्कि सहस्राब्दियों से देता आ रहा है। नेपाल का संत समाज और गोरक्षपीठ - शाश्वत संवाद

गोरक्षपीठ और नेपाल के संत समाज का रिश्ता शताब्दियों पुराना है। पशुपतिनाथ की शिव-परंपरा और गोरखनाथ की तपस्या का संगम, त्रिपुरसुंदरी की शक्ति और हठयोग का मिलन, तथा नथ संन्यासियों की साधना, इन सबने नेपाल के लोकजीवन और पर्व-त्यौहारों पर अमिट छाप छोड़ी। यह शाश्वत संवाद प्रमाण है कि भारत-नेपाल का संबंध केवल राजनीति का परिणाम नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति और साझा आस्था की शाश्वत धारा है, जिसने दोनों देशों को युगों-युगों से एक सूत्र में बांध रखा है।

हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता के बावजूद देश में उपेक्षा क्यों?

हिंदी दिवस– 14 सितम्बर, 2025

- ललित गर्ग -

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजनात्मक अवसर नहीं, बल्कि हमारी भाषाई अस्मिता राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक आत्मगौरव का प्रयोजनात्मक प्रतीक है। विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा के रूप में हिंदी विश्व की उन चुनिंदा भाषाओं में से एक है जिसे करोड़ों लोग अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अनेक वैश्विक मंचों पर हिंदी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। दुनिया के लगभग 180 देशों में हिंदी बोलने वाले हैं और अंग्रेज़ी, मंदारिन, स्पेनिश, अरबी जैसी भाषाओं की सूची में हिंदी भी अब शीर्ष स्थानों पर दर्ज है। फिर भी विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी को कई बार विरोध का सामना करना पड़ता है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय अस्मिता और भाषाई विविधता के नाम पर हिंदी के प्रति असहजता दिखाई जाती है। जबकि वस्तुतः हिंदी किसी भी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उन्हें जोड़ने वाली संपर्क-भाषा है। भारत की भाषाई संरचना में हिंदी एक केंद्रीय सूत्र की तरह है। यदि अंग्रेज़ी को शिक्षा, प्रशासन और तकनीकी का आधार बनाया जा सकता है, तो हिंदी का विरोध केवल मानसिक दासता का परिणाम माना जा सकता है।

आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो जापान ने जापानी, फ्रांस ने फ्रेंच, चीन ने मंदारिन और जर्मनी ने जर्मन को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भाषा बनाया है। ये देश अपनी भाषाओं को वैश्विक बनाते हुए भी अन्य भाषाओं से संवाद स्थापित करते हैं। जबकि भारत में अभी भी अंग्रेज़ी के प्रति अनावश्यक मोह और हिंदी के प्रति हीनभावना देखने को मिलती है। यह स्थिति हिंदी की उपयोगिता और सामर्थ्य के विपरीत है। हिंदी न केवल साहित्य और संस्कृति की भाषा है बल्कि विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, सिनेमा और व्यापार में भी अपनी जगह बना रही है। इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिंदी को अपने प्लेटफॉर्म पर प्राथमिक भाषा का स्थान दिया है। यह हिंदी की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

हिंदी की प्रासंगिकता आज के समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीयता की पहचान है। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका भारत को एकजुट करने और विश्व-पटल पर उसकी सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने में अनिवार्य है। भाषा केवल बोलचाल का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भी आधार है। इसलिए हिंदी का विरोध करना अपने ही सांस्कृतिक आधार को कमजोर करना है। विश्व के 180 से अधिक देशों में हिंदी भाषी लोग रहते हैं और अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, खाड़ी देशों व यूरोप में हिंदी शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। इंटरनेट की भाषा के रूप में हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। यह वह स्थिति है जिसकी कल्पना दशकों पहले असंभव मानी जाती थी। लेकिन हिंदी की यह ख्याति केवल आज की तकनीकी क्रांति का परिणाम नहीं है, यह हमारी जड़ों में, संस्कारों में एवं राष्ट्रीयता की भावना में समायी हुई है।

स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी ने राष्ट्र को जोड़ने, जन-जन को जागृत करने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। महात्मा गांधी ने हिंदी को ÷जनमानस की भाषा÷ और ÷राष्ट्रभाषा÷ कहा। लोकमान्य तिलक, पं. नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, विनोबा भावे, सुभाषचंद्र बोस और सरदार पटेल सभी ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार माना। हिंदी प्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम की लौ प्रज्वलित की। 'प्रताप', 'अभ्युदय', 'कर्मवीर', 'सरस्वती' जैसी पत्रिकाओं ने जनजागरण का काम किया। कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं से जनमानस को ऊर्जा दी-भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर मैथिलीशरण गुप्त तक, सबने हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम का शस्त्र बनाया। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक अनेक नेताओं ने हिंदी के उत्थान और प्रतिष्ठा के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर विश्व स्तर पर हिंदी की पहचान को सशक्त किया और यह संदेश दिया कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय संवाद की भी भाषा बन सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनेक वैश्विक मंचों-ब्रिक्स सम्मेलन से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, पर हिंदी में अपने वक्तव्य देकर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र में हिंदी विभाग का विस्तार हुआ और हिंदी समाचार बुलेटिन व डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी का प्रसार बढ़ा।

आज वैश्विक स्तर पर भी हिंदी की उपस्थिति लगातार मजबूत हो रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी सामग्री का उपयोग प्रतिदिन बढ़ रहा है। अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स जैसी वैश्विक कंपनियां हिंदी कंटेंट को प्राथमिकता दे रही हैं। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हिंदी का अनुवाद और प्रयोग बढ़ा है। अंग्रेजी के प्रति अंधमोह और हिंदी के प्रति हिचक एवं उपेक्षा एक प्रकार की मानसिक गुलामी का ही प्रतीक है। भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में हिंदी का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह एक साझा संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। हिंदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा और आधुनिक भारत की पहचान है।

भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ और अपनी भाषा 'बहासा इंडोनेशिया' को राष्ट्रभाषा के रूप में लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तो तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। लेकिन भारत में राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं।

वसुधैव कुटुम्बकम् की जीवंत प्रतिमूर्ति और समाज को सदैव सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक हैं भागवत

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे।

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे। पिछले एक दशक तक भाजपा जिस तरह मोदी के चेहरे और संगठनात्मक शक्ति के बल पर जीत दर्ज करती रही थी, उसमें 2024 का चुनाव परिणाम झटका देने वाला था। देखा जाये तो मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में तीसरा कार्यकाल गठबंधन सरकार की मजबूरी के साथ शुरू हुआ। ऐसे माहौल में संघ का सहारा भाजपा के लिए स्वाभाविक था। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनी थी कि भाजपा ने चुनावी रणनीति और प्रचार की ताकत से संघ पर निर्भरता कम कर दी है। लेकिन 2024 के चुनाव के बाद तस्वीर बदल गई। संघ के सक्रिय सहयोग और भागवत के आशीर्वाद से भाजपा ने महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में जीत हासिल की। इन चुनाव परिणामों ने यह संदेश दिया कि संघ के संगठनात्मक नेटवर्क, जमीनी कार्यकर्ताओं और सामाजिक पहुंच के बिना भाजपा की जीत अधूरी है।

मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी की हाल की नजदीकियों को इसी संदर्भ में समझना चाहिए। प्रधानमंत्री का संघ प्रमुख की खुलकर तारीफ करना और उनके मार्गदर्शन को राष्ट्रहित से जोड़ना यह बताता है कि भाजपा अब फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट रही है। वहीं, भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना यह संकेत देता है कि संघ भी इस समय भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन बनाने और उसे स्थिरता प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है।

राजनीतिक दृष्टि से यह घटनाक्रम कई संकेत देता है। जैसे केवल मोदी के नेतृत्व और भाजपा की चुनावी मशीनरी से जीत अब सुनिश्चित नहीं है। चुनावी राजनीति में विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक नेटवर्क की गहराई का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा और संघ दोनों को अब यह अहसास है कि एक-दूसरे के बिना उनकी शक्ति अधूरी है। साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा को संघ की जमीनी ताकत और वैचारिक छवि दोनों की आवश्यकता होगी।

देखा जाये तो भाजपा की 2024 की असफलता और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थितियों ने साफ कर दिया है कि सत्ता की डगर पर अकेले चलने का दावा अब टिकाऊ नहीं है। संघ की शरण में लौटकर भाजपा ने एक तरह से अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का फैसला किया है। महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा की जीतें यह संदेश देती हैं कि जब संघ-भाजपा एक साथ चलते हैं, तब उनकी राजनीतिक ताकत कई गुना बढ़ जाती है।

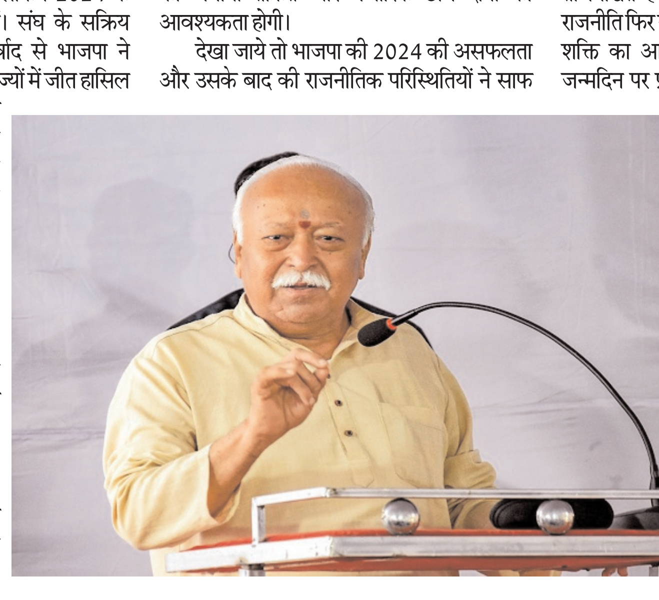

आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि संघ इस साझेदारी को किस तरह संतुलित करता है और भाजपा किस हद तक अपनी राजनीतिक रणनीतियों में संघ की सलाह और आशीर्वाद को स्थान देती है। इतना तो निश्चित है कि आज की तारीख में भाजपा की राजनीति फिर से उसी पुराने सूत्र पर लौट आई है-संघ ही शक्ति का आधार है। जहां तक मोहन भागवत के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखे गये आलेख की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने लिखा है कि 11 सितम्बर का दिन इतिहास में विशेष महत्व रखता है। यह वही तिथि है जब 1893 में स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो में अपने ओजस्वी शब्दों सिस्टर एण्ड ब्रदर आफ अमेरिका ङ्क से भारत की आध्यात्मिक धारा और सार्वभौमिक भाईचारे की अवधारणा को विश्वपटल पर स्थापित किया। यही दिन 2001 में आतंकवाद की विभीषिका का साक्षी भी बना, जब मानवता पर 9/11 का हमला हुआ। एक ओर यह दिन वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता है, तो दूसरी ओर यह दिखाता है कि चरमपंथ और हिंसा किस प्रकार सभ्यता को चुनौती देते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि इसी तिथि पर एक और प्रसंग उल्लेखनीय है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का जन्मदिन है। जब संघ अपनी शताब्दी के वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उनका 75वाँ जन्मदिन हमें उनके योगदान और नेतृत्व की भूमिका पर विचार करने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि मधुकरराव भागवत के सुपुत्र मोहन भागवत ने अपने जीवन का आरंभ उसी वातावरण में किया, जहाँ राष्ट्र को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा सहज ही मिलती थी। 1970 के दशक में प्रचारक बने मोहनराव ने आपातकाल के कठिन समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु संघर्ष किया। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में कार्य करते हुए उन्होंने समाज की गहराई को समझा और उसकी पीड़ा को अनुभव किया। यही अनुभव आगे चलकर उनके नेतृत्व का आधार बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि भागवत जी का नेतृत्व केवल संघ के भीतर सीमित नहीं रहा। उन्होंने संगठनात्मक परम्पराओं को बनाए रखते हुए समय की मांग के अनुसार परिवर्तन किए। गणवेश में बदलाव हो या शिक्षा वर्गों में सुधार, उनका दृष्टिकोण हमेशा व्यावहारिक और भविष्यदृष्टा रहा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि उन्होंने युवाओं के साथ जीवंत संवाद बनाए रखा, जिससे संघ आज के डिजिटल युग में भी प्रासंगिक और सक्रिय बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि कोविड-19 महामारी के समय उनका मार्गदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने तकनीक का उपयोग बढ़ाने और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा देने की प्रेरणा दी।

इसी प्रकार उनके 'पंच परिवर्तन' ङ्क सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण चेतना, राष्ट्रीय आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य ङ्क समाज को नई दिशा देने वाले स्पष्ट सूत्र हैं। यही वे आधार हैं जिन पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना साकार हो सकती है।

प्रधानमंत्री ने लिखा है कि भागवत जी की सबसे बड़ी विशेषता है उनकी सरलता और श्रवणशीलता। वह विचार सुनते हैं, संवाद करते हैं और फिर निर्णय लेते हैं। यही गुण उन्हें युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाज के विविध वर्गों से जोड़ता है। उनकी शैली आदेशात्मक नहीं, बल्कि प्रेरणादायी है। यही कारण है कि स्वयंसेवक सेवा, समरसता और राष्ट्रप्रेम के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्राद्ध पक्ष शुरू होते ही 70 फीसदी ठंडा पड़ा कारोबार

काशीपुर, एजेंसी। धार्मिक मान्यता के मुताबिक श्राद्ध पक्ष शुरू होने के साथ मांगलिक कार्य करना वर्जित होता है। वहीं इस दौरान घर में कोई भी नई वस्तु खरीदना शुभ नहीं माना गया है। ऐसे में मुख्य रूप से कपड़ा, फर्नीचर, वाहन व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीदारी लगभग 70 फीसदी कम हो जाती है शास्त्रों के मुताबिक श्राद्ध पक्ष के 15 या 16 दिन शोक के होते हैं। इस दौरान मांगलिक कार्यक्रम, देव स्थापना व किसी भी शुभ कार्य को करना वर्जित माना गया है। साथ ही खरीदारी करना शुभ नहीं माना जाता है। दीप ज्योति ज्योतिष केंद्र के पंडित मोहन प्रसाद जागुड़ी शास्त्री बताते हैं पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। शास्त्रों के मुताबिक इस पक्ष में कोई भी मांगलिक कार्य व खरीदारी करना वर्जित माना गया है।वहीं डंपी ज्वैलर्स के संचालक राजीव सेतिया ने बताया कि श्राद्ध पक्ष के दौरान हिंदू धर्म के लोग सोना-चांदी की खरीदारी नहीं करते हैं। बताया जिसके चलते इन 15 दिन कारोबार लगभग 70 फीसदी कम हो जाता है। सेतिया ने बताया कि अब शारदीय नवरात्र 22 सितंबर से बाजार में रौनक लौटेगी। राजीव साड़ी इंपोरियम के संजय कक्कड़ ने बताया कि श्राद्ध पक्ष के चलते कपड़ा, फर्नीचर, वाहन व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीदारी लगभग 70 से 80 फीसदी कम हो जाती है। नवरात्रों से शादी व त्योहारों की खरीदारी शुरू हो जाएगी।

अध्यक्ष पद के लिए तीन तो महासचिव के दो पर्चे जमा

दिनेशपुर, एजेंसी। बंगाली कल्याण समिति के कार्यकारिणी के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए तीन और महासचिव पद दो लोगों ने नामांकन किया है। चुनाव प्रभारियों ने प्रेस वार्ता कर चुनाव प्रक्रिया की जानकारी दी। सभी पदों पर मतदान 14 सितंबर को रुद्रपुर के सिटी क्लब में होगा।मंगलवार की शाम को समिति के त्रिवार्षिक चुनाव के लिए नियुक्त मुख्य चुनाव प्रभारी तारक बाछाड़, समीर राय व क्षेत्रीय चुनाव प्रभारी सुभाष व्यापारी और आशुतोष राय ने कहा कि समिति के चुनाव में अध्यक्ष पद पर कृष्ण कुमार दास, दिलीप अधिकारी और तारक मंडल, उपाध्यक्ष पद पर विश्वजीत राय, महासचिव पद पर नारायण हाल्दार और विकास सरकार ने नामांकन किया है।इसके अलावा उपसचिव और संगठन सचिव पद पर दो-दो और कोषाध्यक्ष पद के लिए एक व्यक्ति ने नामांकन किया है। जांच में सभी नामांकन सही पाए गए है। चुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। 14 सितंबर को सिटी क्लब रुद्रपुर में दिनेशपुर, शक्तिफार्म और रुद्रपुर क्षेत्र के डेलीगेट मतदान करेंगे।

गौला बैराज से पानी बंद 50 हजार लोग प्रभावित

हल्द्वानी, एजेंसी। गौला बैराज से सिल्ट सफाई के चलते मंगलवार को पानी की आपूर्ति ठप रही। शीशमहल फिल्टर प्लांट से सप्लाई ठप होने से शाम की पाली में 50 हजार से अधिक लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा।पहाड़ों पर लगातार बारिश के कारण गौला नदी में सिल्ट पहुंचने का सिलसिला जारी है। इसके चलते सिंचाई विभाग की ओर से बैराज के गेट खोल सफाई की गई। दोपहर दो बजे से चार बजे तक जल संस्थान के फिल्टर प्लांट का पानी बंद हो गया। सिंचाई विभाग के अपर सहायक अभियंता प्रमोद त्रिपाठी ने बताया कि गौला का जलस्तर शाम को 2000 क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया। जल संस्थान के एई रवींद्र कुमार ने बताया कि गौला से पानी खुलने के बाद शाम पांच बजे फिल्टर प्लांट को पानी मिला। इस वजह से मुखानी, ऊंचापुल, लालडांठ, बिठौरिया आदि क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति बाधित रही।

हिमालयी क्षेत्रों के चारागाहों का हो रहा क्षरण : डॉ. रावत

अल्मोड़ा, एजेंसी। गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल में बुधवार को हिमालयी चारागाहों और मानव जीव संघर्ष पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. जीएस रावत ने पर्यावरण अनुकूल पर्यटन के लिए एसओपी बनाने और सामुदायिक संस्थाओं को सशक्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने हिमालयी क्षेत्रों में चारागाहों और मानव जीव संघर्ष की बारीकियों से अवगत कराया। कहा कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र के लद्दाख, चांगथांग, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और उत्तरी सिक्किम के रेंजेलैंड की स्थिति के बारे में बताया।डॉ. जीएस रावत ने कहा कि विदेशी आक्रामक प्रजातियों ने हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली महत्वपूर्ण और दुर्लभ प्रजातियों को समाप्त या समाप्ति की कगार पर कर दिया है। इसके समाधान के लिए हिमालयी क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों को एकजुट होकर आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हिमालय के बिना हमारा अस्तित्व नहीं है इसलिए हिमालय से जुड़े सभी हितधारकों को नीतिगत समाधान कर इन प्रजातियों के प्रबंधन की दिशा में अपना ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

क्वारब में दीवारों पर आई दरारों की होगी उच्च स्तरीय जांच : टम्टा

अल्मोड़ा, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा ने क्वारब का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को कहा कि कार्य में खराब गुणवत्ता को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्वारब में आई दरारों की उच्च स्तरीय कमेटी जांच करेगी।मंगलवार देर रात दिल्ली से अल्मोड़ा आते वक्त केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा ने अधिकारियों के साथ क्वारब का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि क्वारब में चल रहे सुरक्षात्मक दीवारों बड़ी- बड़ी दरारें आई हैं। उन्होंने निर्माण कार्य की जांच उच्च स्तरीय तकनीकी समिति से कराकर रिपोर्ट भारत सरकार को शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने जांच बाद जो भी निर्णय हो उसे पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक करने के भी निर्देश दिए। बुधवार को भी उन्होंने क्वारब का निरीक्षण कर कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों और कार्यदायी संस्था से जल्द से जल्द कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

पहाड़ के रहवासियों की पीड़ा, पिथौरागढ़ में घायल महिला को डोली में उठाकर 5 किमी चले ग्रामीण

पिथौरागढ़, एजेंसी। सीमांत जिला पिथौरागढ़ जहां एक ओर आपदा की मार झेल रहा है तो वहीं दूसरी ओर पहाड़ जैसी मुसीबत भी झेल रहा है. मदकोट क्षेत्र में सड़क, संचार और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का अब भी भारी अभाव है. इसी का जीता-जागता उदाहरण हाल ही में गोल्फा गांव में देखने को मिला. जहां घास काटते समय घायल हुई महिला को ग्रामीणों ने 5 किलोमीटर तक डोली में उठाकर सड़क तक पहुंचाया. जिसके बाद ही इलाज नसीब हो पाई.

जानकारी के मुताबिक, पिथौरागढ़ के गोल्फा गांव की खिला देवी पत्नी लक्ष्मण सिंह कोरंगा (उम्र 65 वर्ष) मवेशियों के लिए घास लेने जंगल गई थी. जहां घास काटते वक्त गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई.

सड़क से गांव की दूरी 5 किमी होने और पैदल खड़ंजा मार्ग होने के कारण किसी वाहन की पहुंच वहां संभव नहीं था. ऐसे में गांव के युवाओं ने चादर और लकड़ी के डंडों से एक अस्थायी डोली तैयार की. जिसके जरिए घायल महिला को कंधों पर लादकर सड़क तक लाए.वहां से टैक्सी कर महिला को 120 किलोमीटर दूर पिथौरागढ़ जिला अस्पताल भेजा गया. ग्राम प्रधान मुकेश सिंह और सरपंच डिगर सिंह ने बताया कि सड़क, संचार और पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं के अभाव में ग्रामीणों का जीवन बेहद कठिन बना हुआ है. लंबे समय से ग्रामीण सड़क सुविधा से जोड़ने की मांग कर रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों की नहीं सुनी जा रही है.

पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि गोल्फा गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने की मांग पिछले एक दशक से लगातार उठाई जा रही है, लेकिन इस और सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है. जिस कारण आए दिन ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है. वहीं, जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में नल के कनेक्शन तो दे दिए गए हैं, लेकिन पानी नहीं आता है.नेटवर्क की भी समस्या- इसके अलावा संचार सेवा की हालत ये है कि ग्रामीणों को सिग्नल के लिए ऊंची पहाड़ियों पर जाना पड़ता है. जबकि, निजी कंपनियों के टावर क्षेत्र में मौजूद हैं. गोल्फा, तोमिक और बोना जैसे गांवों की करीब 2 हजार की आबादी सालों से इन समस्याओं से जूझ रही है.ग्रामीणों ने दी धरना प्रदर्शन की चेतावनी- वहीं, ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन और सरकार से गुहार लगाई, लेकिन समाधान नहीं हुआ. ग्रामीणों ने बताया कि अगर जल्द ही समाधान नहीं मिला तो वे जिला मुख्यालय और तहसील मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे. उधर, ग्रामीणों की समस्या पर अधिकारियों ने कार्रवाई करने की बात कही है.

उत्तराखंड में देवी मंदिर के आगे नतमस्तक नजर आए गजराज, हाथियों के झुंड को देख दहशत में आए लोग

हल्द्वानी, एजेंसी। कुमाऊं के रिहायशी इलाकों में हाथियों की धमक देखी जा रही है. इसी कड़ी में लालकुआं में रात के समय हाथियों का झुंड चहलकदमी करता नजर आया. जहां देर रात हाथियों का झुंड अंबेडकर नगर के देवी मंदिर पहुंचा. काफी देर तक हाथियों की चहल-पहल रहने से इलाके में हड़कंप मचा रहा. इस बीच हाथी के झुंड की एक अलग तस्वीर देखने को मिली. जहां गजराज देवी मंदिर की परिक्रमा करते हुए नजर आए. कुछ लोगों को कहना है कि हाथी सिर झुकाते हुए दिखाई दिए.बता दें कि तराई केंद्रीय वन प्रभाग के टांडा रेंज में हाथियों की बड़ी संख्या में वास स्थल है, जो कि सर्द मौसम में गन्ने और धान की फसल तैयार होने

के दौरान ग्रामीण इलाकों की तरफ रुख करते हैं. बुधवार को भी देर रात हाथियों का झुंड टांडा रेंज के जंगलों से निकल कर लालकुआं नगर पंचायत क्षेत्र के शहरी इलाके की तरफ पहुंचा. हाथियों का झुंड अंबेडकर नगर के वार्ड नंबर एक स्थित देवी के मंदिर के पास तक पहुंच गया. जिन्हें देखकर स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया.हाथियों के झुंड ने की देवी मंदिर की परिक्रमा- इस बीच लोगों ने देखा कि हाथियों के झुंड ने देवी मंदिर की परिक्रमा की.

जून का लक्ष्य था, सितंबर तक शुरू नहीं हो पाई वाहनों की ग्रीन सेस वसूली

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश की सीमा में आने वाले बाहरी वाहनों से वसूली की प्रक्रिया लटकी हुई है। एएनपीआर कैमरों की मदद से ग्रीन सेस की कटौती होनी है।

बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों से ग्रीन सेस वसूली शुरू करने का लक्ष्य तो जून माह का था लेकिन सितंबर तक भी इसकी शुरुआत नहीं हो पाई। परिवहन विभाग अभी भी इस महीने के आखिर तक वसूली शुरू करने का दावा कर रहा है।

प्रदेश की सभी सीमाओं से चेकपोस्ट बंद होने के बाद ग्रीन सेस वसूली के लिए अत्याधुनिक ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) का प्रस्ताव लाया गया था। इसके तहत निविदा के माध्यम से एक निजी कंपनी को ठेका भी दे दिया गया था। जून माह में कैबिनेट ने ग्रीन सेस की दरों में बढ़ोतरी कर दी थी। लक्ष्य भी 30 जून तक वसूली शुरू करने का था लेकिन सितंबर का भी एक पखवाड़ा बीतने को है पर ग्रीन सेस वसूली शुरू नहीं हो पाई।वसूली के लिए तय हुआ था कि ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे की मदद से ग्रीन सेस की कटौती वाहन के फास्टैग खाते से की जाएगी। इसके लिए सिस्टम इंटीग्रेटर का चयन हो गया था। सिस्टम इंटीग्रेटर, नेशनल पेमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और वाहन सॉफ्टवेयर के इंटीग्रेशन की कार्रवाई चल रही थी लेकिन कामयाबी अभी तक नहीं मिल पाई।परिवहन मुख्यालय के अधिकारियों के मुताबिक, इस माह के अंत तक इसकी शुरुआत की संभावना है। बाहरी राज्यों से आने वाले इलेक्ट्रिक वाहन और दोपहिया वाहनों पर ग्रीन सेस नहीं लागू नहीं होगा। इसके अलावा उत्तराखंड में पंजीकृत वाहनों से भी नई व्यवस्था में ग्रीन सेस वसूली नहीं की जाएगी।

जिलों में विशेष थीम पर होगा सहकारी मेलों का आयोजन, तीन अक्टूबर से 31 दिसंबर तक होंगे

देहरादून, एजेंसी। जिलों में विशेष थीम पर सहकारी मेलों का आयोजन किया जाएगा। सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि मेलों के जरिए प्रदेश के किसानों, काश्तकारों, कारीगरों, युवाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों, सहकारी संस्थाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन व विक्रय के लिए सीधा बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रदेश में तीन अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक सभी जिलों में विशेष थीम पर आधारित वृहद सहकारिता मेले लगाएं जाएंगे। इन मेलों का मकसद स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही ग्रामीण आर्थिकी को ब?ावा देना है।

सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि इन मेलों के जरिए प्रदेश के किसानों, काश्तकारों, कारीगरों, युवाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों, सहकारी संस्थाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन व विक्रय के लिए सीधा बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही विभागीय एवं अंतर्विभागीय योजनाओं का प्रदर्शन और प्रचार-प्रसार भी मेलों के माध्यम से किया जाएगा।

मेलों में स्थानीय सांसद, क्षेत्रीय विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निकायों के अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, सहकारिता

आंदोलन से जु? व्यक्ति एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मेलों की लगातार मॉनिटिरिंग, रिपोर्टिंग भी की जाएगी। इसके लिए जिलास्तरीय समिति हर दिन राज्य स्तरीय समिति को अनिवार्य रूप से रिपोर्ट भेजनी होगी। साथ ही प्रत्येक मेले के बाद 15 दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं।

डॉ. रावत ने बताया कि प्रत्येक जिले में आयोजित होने वाले इन मेलों की अलग-अलग थीम होगी। जिसमें अल्मो?ा जनपद में सहकारिता से हस्त शिल्प संरक्षण थीम पर मेले का आयोजन होगा। इसमें जैविक उत्पाद, स्थानीय कला, ऊनी उत्पाद का प्रदर्शन किया जायेगा साथ ही प्राकृतिक खेती पर संगोष्ठी भी होगी।

इसी प्रकार पौ?ी के लिए सहकारिता से ग्रामीण सशक्तिकरण थीम निर्धारित की गई है। बागेश्वर में सहकारिता से पर्वतीय कृषि, रुद्रप्रयाग में धार्मिक पर्यटन विकास, पिथौराग? में सीमावर्ती समृद्धि, चमोली में पर्यावरण संरक्षण, ईको टूरिज्म, वन सहकारिता को ब?ावा, चंपावत में सीमांत विकास की थीम होगी। उत्तरकाशी में हिमालय जैव संसाधन एवं साहसिक पर्यटन, ऊधमसिंहनगर में औद्योगिक कृषि, हरिद्वार में आध्यात्मिक समृद्धि, नैनीताल में पर्यटन विकास, टिहरी में पर्यावरण संरक्षण एवं ईको टूरिज्म तथा देहरादून में सहकारिता से शहरी ग्रामीण एकता थीम पर मेले का आयोजन किया जाएगा।

सहकारिता मेलों के माध्यम से स्थानीय विद्यालयों, विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को सहकारिता आंदोलन से रू-ब-रू कराया जाएगा। इसके तहत कला, वाद-विवाद एवं क्विज प्रतियोगिता होगी।मेलों में विभिन्न विषयों पर तकनीकी सत्र, स्वास्थ्य सत्र, डिजिटल साक्षरता, सामुदायिक सहकारिता व महिला सशक्तिकरण पर चर्चा-परिचर्चा होगी।

उत्तरकाशी पीजी कॉलेज प्रोफेसर ट्रांसफर केस मामला हाईकोर्ट ने महिला आयोग के आदेश पर लगाई रोक

नैनीताल, एजेंसी। उत्तरकाशी पीजी कॉलेज में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर रमेश सिंह व उनकी पत्नी को एक महिला प्रोफेसर की शिकायत पर उनका तबादला पिथौरागढ़ करने, उनके खिलाफ जांच और राज्य महिला आयोग में शिकायत के आदेश को चुनौती देती याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मामले में मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने राज्य महिला आयोग और महिला प्रोफेसर को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने को कहा है. साथ ही कोर्ट ने राज्य महिला आयोग के आदेश पर भी रोक लगा दी है.

कोर्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि जब मामला पहले से हाईकोर्ट में विचाराधीन है, तब उन्हें (महिला प्रोफेसर) को राज्य महिला आयोग में जाने की क्या जरूरत पी महिला प्रोफेसर ने राज्य महिला आयोग के सामने शिकायत दर्ज कर कहा था कि अभी भी उन्हें प्रताति किया

जा रहा है. लिहाजा, इसकी जांच कराई जाए.

वहीं, राज्य महिला आयोग की ओर से जांच के आदेश को एसोसिएट प्रोफेसर रमेश सिंह ने आज यानी 11 सितंबर को हाईकोर्ट में चुनौती दी. जिस पर कोर्ट ने आदेश पर रोक लगाते हुए महिला आयोग को नोटिस जारी किया है. साथ ही इससे जुड़ी याचिकाकर्ता की सभी याचिकाओं को एक साथ सुनवाई करने के लिए संबद्ध कर दिया है.

दरअसल, रामचंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) उत्तरकाशी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रमेश सिंह और उनकी पत्नी डॉ. विनीता ने नैनीताल हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है. याचिका में उन्होंने कहा है कि उच्च शिक्षा विभाग ने भीमराव आंबेडकर जयंती के मौके पर 14 अप्रैल को कॉलेज खोलने और जयंती मनाने के निर्देश दिए थे.

उनका आरोप है कि पीजी कॉलेज के प्राचार्य ने 14 अप्रैल की बजाय 12 अप्रैल को ही जयंती मनाने का आदेश दिया, जिसका उन्होंने विरोध किया था. इससे नाराज होकर प्राचार्य ने 2 साल पुराने झूठे यौन शोषण के आरोप में याचिकाकर्ता डॉ. रमेश सिंह को लंबे अवकाश पर भेज दिया. एसोसिएट प्रोफेसर रमेश सिंह का कहना था कि यौन शोषण की न तो कहीं शिकायत है और न ही प्राथमिकी यानी एफआईआर दर्ज है.लिहाजा, रमेश सिंह ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी तो कोर्ट ने आदेश पर रोक लगा दी. उधर, 16 अप्रैल को उच्च शिक्षा विभाग के अनुसचिव ने एक आदेश जारी कर डॉ. रमेश सिंह और उनकी पत्नी डॉ. विनीता को 300 किमी दूर पिथौरागढ़ के बलुवाकोट डिग्री कॉलेज में अटैच कर दिया.

दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत, एक की मौत, तीन घायल

कालाढूंगी, एजेंसी। कालाढूंगी-हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर गुलजारपुर बंकी चौराहे के पास दो बाइकों की आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस भीषण हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम खुलवाकर घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी कालाढूंगी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को एसटीएच हल्द्वानी रेफर कर दिया गया। पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसआई जयवीर सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम कमल यादव उर्फ धमाल (22) पुत्र सुभाष यादव अपने पड़ोसी मित्र कमल आर्या (25) पुत्र पुष्कर राम निवासी रतनपुर चकलुवा के साथ बाइक से कालाढूंगी की आ रहे थे। तभी गुलजारपुर बंकी चौराहे के पास घास ले जा रही एक महिला को बचाने के चक्कर में उनकी बाइक सामने से आ रही बाइक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चला रहे कमल यादव का सिर बुरी तरह से फट गया जिसके कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उसका साथी कमल आर्या और दूसरी बाइक पर सवार लक्ष्मी विहार शिवपुरी मुखानी, हल्द्वानी निवासी मनोज कडाकोटी (31) पुत्र रघुवर सिंह और सुषमा (31) पुत्री ललित खोलिया निवासी हाथी खाल गोरापड़ाव, हल्द्वानी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 से घायलों को सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टरों ने कमल यादव को मृत घोषित कर दिया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

चेक बाउंस के आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज, पॉक्सो केस में आरोपी को भी रिहा करने के आदेश

नैनीताल, एजेंसी। देहरादून के चेक बाउंस के आरोपी की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका को नैनीताल हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चेक बाउंस मामलों में शिकायतकर्ता को पीड़ित माना जाएगा. उसे दंप्रसं की धारा 372 के प्रावधान के तहत अपील का अधिकार प्राप्त है. इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ में हुई. वहीं, पॉक्सो एक्ट के मामले सुनवाई करते हुए आरोपी युवक को नियमित जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं.

क्या है मामला मामले में देहरादून के एक कंपनी ने अनिल बिष्ट समेत अन्य के खिलाफ चेक अनादरण (चेक बाउंस) की शिकायत विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम (देहरादून) के समक्ष दायर की थी. जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 18 नवंबर 2024 को शिकायत खारिज कर दी थी. जिसके बाद मामले में कंपनी ने सत्र न्यायाधीश देहरादून की अदालत में धारा 372 दंप्रसं के तहत अपील दायर की.

जिस पर आरोपी अनिल बिष्ट ने आपत्ति उठाई कि शिकायत मामलों में धारा 372 के तहत अपील का अधिकार नहीं है. बल्कि, धारा 378 (4) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत विशेष अनुमति लेकर ही हाईकोर्ट में अपील दायर की जा सकती है, लेकिन सत्र न्यायाधीश ने इस आपत्ति को खारिज कर

अपील सुनवाई योग्य मान ली.

आरोपी अनिल बिष्ट की ओर से तर्क दिया गया कि धारा 372 केवल पुलिस रिपोर्ट से उत्पन्न मामलों में लागू होती है. शिकायतकर्ता को पीड़ित नहीं माना जा सकता. इसके विपरीत राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि चेक बाउंस के मामलों में शिकायतकर्ता को नुकसान होता है. ऐसे में वो पीड़ित है और अपील का अधिकार रखता है.

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय मैसर्स सेल्सियम फाइनेंस बनाम ए. ग्नानसेकरन का हवाला देते हुए कहा कि चेक अनादरण के मामलों में शिकायतकर्ता को पीड़ित माना जाएगा और उसे धारा 372 दंप्रसं के तहत अपील का अधिकार प्राप्त है. ऐसे मामलों में विशेष अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है.

कोर्ट ने कहा कि धारा 372 और धारा 378(4) को सामंजस्यपूर्ण ढंग से पढ़ा जाना चाहिए. शिकायतकर्ता यदि पीड़ित है तो वो सीधे धारा 372 के तहत अपील कर सकता है. इस आधार पर सत्र न्यायाधीश का आदेश सही ठहराया गया.

वहीं, हाईकोर्ट ने अनिल बिष्ट की धारा अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि अपील पर अब विधिसम्मत तरीके से सुनवाई होगी. जिससे अनिल बिष्ट को बड़ा झटका लगा है. हाईकोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है.

पॉक्सो एक्ट में आरोपी को नियमित जमानत पर रिहा करने के आदेश- वहीं, नैनीताल हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में आरोपी युवक को नियमित जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं. यह मामला 8 दिसंबर 2024 को देहरादून के डालनवाला थाने में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है.

संक्षिप्त समाचार

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने पत्नी संग किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन, काशी से लौटे

वाराणसी, एजेंसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अपने काशी दौरे के तीसरे दिन यानी शुक्रवार को काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां पत्नी संग बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए। बाबा के दर्शन कर वे काफी पसन्न दिखे। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बाबा विश्वनाथ के दर्शन- पूजन के बाद बाबतपुर एयरपोर्ट गए। यहां से अयोध्या के लिए रवाना हुए। वहीं मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर काशी विश्वनाथ धाम व आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। सुबह से गोदौलिया चौराहे से गेट नंबर चार तक नगर निगम के वाहनों से पानी का छिड़काव किया गया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर तीन घंटे का रूट डायवर्जन भी किया गया।

बिजली विभाग की प्रताड़ना से परेशान युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान, बुलंदशहर से आया था

लखनऊ, एजेंसी। बिजली विभाग की प्रताड़ना से तंग होकर बुलंदशहर के अजय कुमार शुक्रवार को लामार्ट चौराहे के पास जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। एसीपी गंज विकास जायसवाल के मुताबिक शुक्रवार सुबह 09.20 बजे पुलिस को सूचना मिली कि लामार्ट चौराहे के पास एक व्यक्ति की तबियत खराब है, जिसे उल्टी हो रही है। स्थानीय पुलिस जब मौके पर पहुंची तो युवक की पहचान बुलंदशहर के तातारपुर, कोतवाली नगर निवासी अजय कुमार उर्फ धर्मेश कुमार (45) के रूप में हुई।0 पूछताछ में अजय कुमार ने जहरीला पदार्थ खाने की बात बताई। पुलिस ने उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां अजय कुमार की मौत हो गई। पूछताछ में अजय ने बताया कि वर्ष 2014 में उन्होने एक आटा चक्की लगाई थी। सात मई 2014 को अधिक लोड के कारण वहां का ट्रांसफार्मर जल गया था। दूसरा ट्रांसफर लगवाने के बाद एक घंटा चलने के बाद वह दोबारा जल गया। आरोप है कि बिजली विभाग की ओर से अजय से 70 प्रतिशत राशि जमा करने के लिए कहा जा रहा था। इसकी वजह से अभी तक इनका आटा चक्की बंद है। इसके कारण अजय परेशान थे और उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया।

पति-पत्नी और वो के चक्कर में फंसा बस चालक, अविवाहित बताकर दूसरी महिला की कोर्ट मैरिज, दोनों में मारपीट

मुरादाबाद, एजेंसी। निजी बस चालक ने खुद को अविवाहित बताकर दूसरी महिला से कोर्ट मैरिज कर ली। सच सामने आने पर दूसरी पत्नी ने बिलारी थाने में शिकायत कर दी। इसके बाद दोनों पत्नियों में जमकर नोंकझोंक हो गई। पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। घरवाली के होते हुए निजी बस चालक ने खुद को अविवाहित बताते हुए दूसरी महिला से कोर्ट मैरिज कर ली। महिला को जब उसकी पहली पत्नी व बच्चों की जानकारी हुई तो उसने थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया है। बस चालक की पत्नी होने के दावे को लेकर दोनों महिलाओं में थाने से बाहर जमकर नोंकझोक हुई। फिलहाल पंचायत के माध्यम से समझौते का प्रयास चल रहा है। बिलारी के एक मोहल्ला निवासी महिला पति से विवाद होने पर अलग रहती थी। इसी दौरान महिला का कुंदरकी निवासी एक निजी बस के चालक से प्रेम-प्रसंग हो गया। निजी बस चालक ने खुद को अविवाहित बताते हुए महिला से कोर्ट मैरिज कर ली, जबकि उसकी शादी हो चुकी है और तीन बच्चे भी हैं। दूसरी पत्नी ने जब बस चालक से गांव में रखने को कहा तो वह बहाने बनाने लगा। कुछ दिन पहले कुंदरकी बस स्टैंड पर दोनों में मारपीट हो गई। महिला बस चालक के घर पहुंची तो पहली पत्नी ने उसे धमकाते हुए भगा दिया। बस चालक के शादीशुदा होने की जानकारी होने पर महिला ने बिलारी थाने में शिकायत कर दी। पुलिस बस चालक को पूछताछ के लिए थाने ले आई। बस चालक की पहली पत्नी भी उसके साथ आ गई। थाने के गेट के कुछ दूर बस चालक की पहली और दूसरी पत्नी में जमकर हंगामा और नोंकझोक हुई। जानकारी होने पर दोनों पक्षों के रिश्तेदार भी थाने पहुंच गए और मामले में शाम तक पंचायत की कोशिशें चलती रहीं।

प्रतियोगी छात्र ने लड़की बनने के लिए काट लिया अपना प्राइवेट पार्ट, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

प्रयागराज, एजेंसी। सिविल लाइंस इलाके में किराए पर कमरा लेकर यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक प्रतियोगी छात्र ने लड़की बनने के लिए अपना प्राइवेट पार्ट काटकर अलग कर दिया। एक चिकित्सक से सलाह पर उसने खुद ही एनीस्थिसिया का इंजेक्शन लगाकर कमर के नीचे का भाग सुन्न कर दिया। इसके बाद सर्जिकल ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काटकर अलग कर दिया। कई घंटे बाद भी रक्तस्राव न रुकने और तेज दर्द होने पर वह चीखने चिल्लाने लगा। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रयागराज में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। लड़की बनने की चाहत में 17 वर्षीय एक प्रतियोगी छात्र ने अपना प्राइवेट पार्ट ही काट दिया। उसने घर पर ही प्राइवेट पार्ट को काटकर मरहम पट्टी कर दी। बाद में दर्द बढ़ने और हालत नाजुक होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। युवक का कहना है कि उसे बचपन से ही लगता था कि वह लड़की है, सिर्फ उसका शरीर ही लड़के का है। इसी कसमकश में उसने प्राइवेट पार्ट को काटकर शरीर से अलग कर दिया। प्रयागराज में सिविल सेवा की तैयारी करने आए 17 साल के छात्र ने लड़की बनने के लिए अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया। 14 साल की उम्र में जब वो लड़कियों संग डांस कर रहा था, तब उसे अहसास हुआ कि वो लड़का जरूर है, लेकिन बाकी लड़कों की तरह नहीं है। गूगल-यूट्यूब पर सर्च किया कि फिजिकल रूप से कैसे लड़का बना जाए। डॉक्टर से प्राइवेट पार्ट काटने का प्रॉसेस समझाया। स्टूडेंट

ने खुद को एनेस्थिसिया इंजेक्शन लगाया। फिर प्राइवेट पार्ट काटकर खुद ही मरहम-पट्टी कर ली। इंजेक्शन का असर कम होते ही दर्द हुआ, तब उसने चीख पुकार शुरू की। मकान मालिक ने एंबुलेंस बुलाकर उसे बेली अस्पताल में भर्ती कराया। यहां हालत गंभीर देखकर उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसआरएन में डॉ. संतोष सिंह की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है।

डॉक्टर ने दी थी प्राइवेट पार्ट काटने की सलाह: प्रतियोगी छात्र के पूछने पर एक डॉक्टर ने उसे प्राइवेट पार्ट काटकर अलग करने की पूरी प्रक्रिया समझाई थी। इसके बाद छात्र मेडिकल स्टोर से एनेस्थीसिया का इंजेक्शन, सर्जिकल ब्लेड, रूई आदि सामान लेकर घर पहुंचा। डॉक्टर की सलाह के मुताबिक एनीस्थिसिया का इंजेक्शन लगाकर उसने कमर के नीचे का हिस्सा सुन्न कर दिया। सर्जिकट ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काटकर अलग कर दिया। एनीस्थिसिया का असर जब कम होने लगा तो उसका दर्द तेजी से बढ़ने लगा। देखते ही देखते उसको असह्य पीड़ा होने लगी और वह तेज तेज से चिल्लाने गया। मकान मालिक से उसने कहा कि कमरे के भीतर मत आइए बस एंबुलेंस बुला दीजिए। मकान मालिक ने एंबुलेंस बुलाकर उसे तेज प्रताप सप्रू (बेली) हास्पिटल में भर्ती करा दिया।

पहले के जैसा नहीं होना चाहता है छात्र : प्राइवेट पार्ट काटने वाला प्रतियोगी छात्र पहले जैसा नहीं होना चाहता है। उसका कहना है कि बचपन से ही उसको लगता था कि वह लड़की है, लेकिन उसका शरीर लड़के का है। अमेठी जिले के रहने वाले छात्र ने कहा कि उसके पिता किसान हैं और मां गृहणी हैं। उसको कोई भाई बहन नहीं है वह अपनी मां-बाप की इकलौती संतान है। 14 साल की उम्र में उसे लगा कि वह लड़की है। सिर्फ लड़के जैसा शरीर ही है। अंदर से लड़कियों जैसी फिलिंग भी आती थी और चाल-चलन और रहन सहन में भी वह लड़की जैसा अनुभव करता है।

सिविल लाइंस में कमरा लेकर रहता है किराए पर : सीबीएसई से इंटर तक की पढ़ाई करने के बाद प्रतियोगी छात्र सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रयागराज आ गया था। यहां पर वह सिविल लाइंस इलाके में किराए पर कमरा लेकर रहने लगा। यहीं पर जेंडर चेंज करने का विचार मन में आया और डॉ. जेनिथ ने उसे पूरी प्रक्रिया समझाई। एसआरएन के चिकित्सक डॉ. संतोष सिंह का कहना है कि प्रतियोगी छात्र अब लड़कियों की तरह ही जीवन बिताना चाहता है। वह पहले की तरह नहीं होना चाहता है।

डॉक्टर से बिना पूछे खाई दर्द की दवा...

सिर पटकने लगा युवक, जिस तरह हुई मौत, देखकर कांप गए घरवाले

कासगंज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में दर्द की दवा खाने के बाद युवक की हालत बिगड़ गई। वो सिर को जमीन पर पटकने लगा। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहा डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कासगंज के सोरों कोतवाली क्षेत्र के गांव मल्लाह नगर में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक ने दर्द की दवा खाई, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। वह जमीन पर बार-बार सिर पटकने लगा। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छत से गिरकर घायल हो गया था युवक : सोरों कोतवाली क्षेत्र के मल्लाह नगर गांव निवासी पहलवान (35) पुत्र राजेंद्र के हाथ में 15 दिन पहले छत से गिरकर चोट लग गई थी। पहलवान के बेटे शानू ने बताया कि उन्होंने बृहस्पतिवार की दोपहर करीब 3 बजे दर्द होने पर दवाई खाई। इसके बाद अचानक उनकी हालत बिगड़ने लगी। वह बार-बार अपना सिर पटकने लगे। हालत ज्यादा खराब होने पर परिजन उन्हें रात में जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत

घोषित कर दिया।

मौत से परिजनों में मचा कोहराम : उनकी मौत की जानकारी मिलने पर परिवार में चीख पुकार मच गई। परिजन शव को पोस्टमार्टम कराए बगैर जिला अस्पताल से घर ले गए। परिजनों ने बताया कि मृतक पहलवान के तीन बच्चे हैं। इनमें शानू (14), सनी (13) और बेटी (6) की है। पहलवान की मौत के बाद पत्नी अनीता और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक गांव में खेती करके परिवार का पालन पोषण करता था।

जमीन के विवाद में जमकर पथराव, मुंडिया मलूकपुर में पशुओं के अवशेष मिलने से हड़कंप

मुरादाबाद, एजेंसी। पाकबड़ा के धनपुरा गांव में जमीन के विवाद को लेकर पथराव हो गया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उधर, मुंडिया मलूकपुर में पशुओं के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के धनपुरा गांव में बृहस्पतिवार दोपहर जमीन के विवाद में चाचा-भतीजे के परिवार में जमकर पथराव हुआ। जिसमें दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। पाकबड़ा के धनपुरा गांव में महबूब और उसके भतीजे सुहेल के परिवार रहते हैं। बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों में जमीन के लिए विवाद चल रहा है। बृहस्पतिवार को दोनों के बीच कहासुनी से शुरू हुआ झगड़ा मारपीट में बदल गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी-डंडे चले। घरों की छतों से पथराव किया गया। इस दौरान गांव में भगदड़ मच गई। पथराव में दोनों परिवारों के पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक पक्ष के महबूब अली और मोहम्मद हसन

और दूसरे पक्ष से सुहेल और शाहे आलम हैं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगाते हुए तहरीर पुलिस को दी है। थाना प्रभारी योगेश कुमार का कहना है मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कांशीराम नगर के कंपोजिट स्कूल के ताले तोड़कर चोरी : मझोला थानाक्षेत्र के कांशीराम नगर कंपोजिट विद्यालय के ताले तोड़कर चोर सामान चोरी कर ले गए। बुधवार सुबह विद्यालय खुलने पर चोरी की जानकारी हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्य रत्नेश बाला ने दर्ज कराए केस में बताया कि मंगलवार देररात चोर विद्यालय में घुस गए और प्रधानाचार्य कक्ष से चार बैटरियां, इनवर्टर, सीसीटीवी कैमरे, स्पीकर, एलसीडी चोरी कर ले गए। सामान चोरी होने से स्मार्ट क्लास का संचालन रुक गया है। इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है।

मुरादाबाद कमल हत्याकांडः मुठभेड़ में घायल हिस्ट्रीशीटर सनी की हालत बिगड़ी, अब भाजपा नेता समेत अन्य की तलाश

मुरादाबाद, एजेंसी। कमल चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर की पुलिस मुठभेड़ में दोनों पैरों में गोली लगने के बाद हालत बिगड़ गई। उसे गंभीर हालत में मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कमल चौहान की हत्या के मामले में सनी समेत छह आरोपियों पर केस दर्ज है। पुलिस भाजपा नेता समेत अन्य की तलाश की जा रही है।

मुरादाबाद पुलिस की मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर की हालत बिगड़ गई। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है। बृहस्पतिवार को उसे जिला अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। कमल चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी सनी को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

रविवार की शाम दस सराय पुलिस चौकी के पास हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

घटना के समय वह अपने दोस्त विशाल शर्मा के साथ स्कूटी से भदौड़ा दुर्गेश नगर स्थित अपने घर लौट रहा था। इस मामले में कमल चौहान के भाई संजय ने मोहल्ले में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। मंगलवार की दोपहर पुलिस ने कटघर क्षेत्र के गोट के जंगल में सनी के दोनों पैरों में गोली मारकर उसे दबोच लिया था। एक पैर के घुटने में लगी गोली से उसकी हालत बिगड़ गई थी। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। बृहस्पतिवार को पुलिस उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज ले गई और भर्ती करा दिया है।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष समेत सात आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस : कमल चौहान हत्याकांड में भाजपा मंडल अध्यक्ष मोनू पाल समेत सात आरोपियों की पुलिस तलाश में जुटी है। पुलिस की एक टीम ने उत्तराखंड के रामनगर में दबिश दी लेकिन हत्यारोपी पुलिस के हाथ नहीं आए हैं। आरोपी मोनू पाल पार्षद का चुनाव भी लड़ चुका है।

मॉरीशस में 17.5 मेगावॉट का फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट लगाएगा भारत

वाराणसी, एजेंसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते किए हैं। इनमें समुद्र विज्ञान, प्रशासनिक सुधार, हाइड्रोग्राफी और अंतरिक्ष अनुसंधान सबसे अहम हैं। इसके तहत भारत समुद्री सुरक्षा को और मजबूत कर पाएगा। जबकि अंतरिक्ष अनुसंधान से मॉरीशस को तकनीक मजबूत करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा प्रशासनिक सुधार के तहत अफसर और जनता के बीच बेहतर तालमेल होगा। इस साल भारत मॉरीशस को दो हजार करोड़ रुपये की बजटीय सहायता करेगा। इसके अलावा रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण मॉरीशस में बंदरगाह का पुनर्निर्माण और चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र के विकास और उसकी निगरानी

में सहायता करेगा।

शैक्षिक सहयोग = भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास और यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के बीच समझौता हुआ। इसके अलावा, भारतीय पादप प्रबंधन संस्थान, बंगलूरू और यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के बीच भी साझेदारी की घोषणा की गई। ये जैव सुरक्षा प्रबंधन, पौधरोपण, प्रबंधन शिक्षा, वन और प्रकृति पर काम करेंगे।

फ्लोटिंग सोलर परियोजना = टैमरिंड फॉल्स में 17.5 मेगावॉट का फ्लोटिंग सोलर पीवी प्रोजेक्ट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है।

गौरव हत्याकांडः बरेली में पुलिस ने 24 घंटे में तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

बरेली, एजेंसी। बरेली के खुर्रम गौंटिया में गौरव गोस्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी के पैर में गोली लगी है। बरेली में गौरव गोस्वामी हत्याकांड के तीन आरोपियों को बारादरी थाना पुलिस व एसओजी टीम ने बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े 11 बजे 99 बीघा ग्राउंड के पास घेर लिया। पुलिस से बचकर भागे आरोपियों ने फायरिंग की तो जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। एक आरोपी खुर्रम गौंटिया निवासी शेखर को बांये पैर में घुटने से नीचे गोली लगी।

सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव व प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद सिंह ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसके दो साथी खुर्रम गौंटिया निवासी टेंपो चालक अनस उर्फ मुलायम सिंह व नवादा शेखान निवासी चंदन को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस

दबिश दे रही है।

गौरव के चेहरे पर मारी थी गोली : शहर के खुर्रम गौंटिया में बुधवार रात दो गुटों में झगड़े के दौरान बिशारतगंज निवासी गौरव गोस्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके चेहरे पर गोली लगी थी, जिससे आंख बाहर निकल आई थी। युवक के पिता ने बारादरी थाने में आठ नामजद सहित अज्ञात लोगों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

यह है पूरा घटनाक्रम : विशारतगंज के वार्ड सात निवासी छोटेलाल गोस्वामी ने बारादरी थाने के इंस्पेक्टर क्राइम अरविंद सिंह को बताया कि उनका पुत्र गौरव गोस्वामी (25) और भतीजा आकाश गोस्वामी बुधवार दोपहर बाद उनके दूसरे भतीजे मनोज गोस्वामी से मिलने शाही थाना क्षेत्र के गांव कुल्छा गए थे। वहां से गौरव, आकाश व मनोज शाम को बरेली आए। मनोज अपने दोस्त लकी लभेड़ा, आकाश राठौर, डंपी व अनिल से मिला। सभी ने डमरू चौराहे के पास स्थित होटल में खाना खाया। रात एक बजे सभी बाइक से सेटेलाइट चौराहे की तरफ निकले।

छोटेलाल का आरोप है कि सेटेलाइट पुल के पास बाइक मोड़ते वक्त अचानक टेंपो सामने आने से हादसा होते-होते बचा। तब टेंपो चालक अनस उर्फ मुलायम से उउनकी मामूली कहासुनी हो गई। इसके बाद टेंपो चालक गाली देकर आगे बढ़ गया। गौरव और उसके दोस्तों ने उसका पीछा किया। ईसाइयों की पुलिया मोड़ से खुर्रम गौंटिया की ओर मुड़कर अनस ने अपने घर के पास टेंपो रोक दिया। अपने अन्य साथियों को भी बुला लिया। अनस व उसके साथी नैतिक सोनकर, बिहारी सोनकर, राजा, अभय, शेखर, चंदन और समीर समेत कुछ अज्ञात लोगों ने मिलकर गौरव, आकाश और मनोज की पिटाई शुरू कर दी।

बिहारी नाम के आरोपी ने मारी गोली : इस दौरान हमलावरों ने कहा कि बिहारी गोली मार, ये लोग दादागिरी कर रहे हैं। इतना सुनते ही बिहारी ने तमंचा निकाल कर फायरिंग कर दी। एक गोली गौरव के चेहरे पर आंख के पास लगी। गौरव चीखकर सड़क पर ही गिर गया। आकाश, मनोज और उनके साथी गौरव को निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने गौरव को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर रात में ही एसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि मोड़ पर बाइक के आगे टेंपो आने से शुरू हुए विवाद के बाद बिशारतगंज निवासी युवक की हत्या कर दी गई। तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश के लिए एसओजी समेत तीन टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विकास कार्यों की रैंकिंग में मथुरा को लगा बड़ा झटका, प्रदेश में 42वां स्थान; फिरोजाबाद ने लगाई लंबी छलांग

मथुरा, एजेंसी। विकास कार्यों की रैंकिंग में मथुरा के साथ ही आगरा और मैनपुरी को बड़ा झटका लगा है। वहीं फिरोजाबाद इस दौड़ में आगे निकल गया है। सीएम डैशबोर्ड के तहत जारी होने वाले विकास कार्यों की रैंकिंग में मथुरा को झटका लगा है। एक माह में मथुरा 20वें स्थान से 42वें स्थान पर पहुंच गया है। वहीं दूसरी तरफ आगरा मंडल में फिरोजाबाद ने इस बार छलांग लगाते हुए प्रदेश में 7वां स्थान प्राप्त किया है। आगरा और मैनपुरी की रैंकिंग भी गिरी है। प्रत्येक माह विकास कार्यों का मूल्यांकन कर सीएम डैशबोर्ड के तहत रैंकिंग जारी की जाती है। अगस्त में कराए गए विकास कार्यों के आधार पर बुधवार को शासन ने रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें मथुरा बीते माह जारी रैंकिंग की तुलना में 22 पायदान नीचे आ गया है। इससे कहीं न कहीं कान्हा की नगरी को रैंकिंग में झटका लगा है। वहीं आगरा मंडल की अगर बात करें तो यहां भी मथुरा को आखिरी स्थान से संतोष करना पड़ा। दरअसल मंडल में फिरोजाबाद 7वीं रैंक के साथ प्रथम, मैनपुरी 13वीं रैंक के साथ द्वितीय, आगरा 27वीं रैंक के साथ तीसरे और मथुरा सबसे अंतिम स्थान पर रहा। वहीं, अगर रैंकिंग में सुधार की बात करें तो फिरोजाबाद ने लंबी छलांग लगाई है। बीते माह फिरोजाबाद की रैंकिंग 37वीं थी, जो अब टॉप-10 में शामिल हो गया है। इसके अलावा मैनपुरी की रैंकिंग बीते माह 12वीं और आगरा की रैंकिंग 7वीं थी।

प्रतापगढ़ में ड्रग बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ : 50 करोड़ की एमडी जब्त, मोस्ट वांटेड तस्कर गिरफ्तार

प्रतापगढ़। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) और प्रतापगढ़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पीपलखूंट थाना क्षेत्र के टांडा बड़ा सरहद बोरी मोजल में एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। मौके से 25 हजार रुपए के इनामी और मोस्ट वांटेड तस्कर जमशेद उर्फ जम्मू लाला को गिरफ्तार किया गया। फैक्ट्री से 17.4 किलो एमडी पाउडर, 70 किलो से अधिक केमिकल और ड्रग बनाने के उपकरण जब्त हुए हैं। जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन के निर्देशन में उपमहानिरीक्षक पुलिस दीपक भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी और सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में की गई। टीम का नेतृत्व प्रतापगढ़ एसपी बी. आदित्य ने किया। पुलिस को जानकारी मिली कि टांडा बड़ा क्षेत्र में ईश्वर मीणा के झोपड़े में जम्मू लाला अवैध फैक्ट्री चला रहा है। इसके बाद स्थानीय पुलिस व डीएसटी टीम के साथ संयुक्त छापा मारा गया।

आरोपी की गिरफ्तारी और जब्ती

गिरफ्तार आरोपी की पहचान जमशेद उर्फ जम्मू लाला पुत्र फकीरगुल पठान (33) निवासी देवल्दी थाना अरनोद के रूप में हुई। मौके से जब्त 100 ग्राम एमडी, 70 किलो 720 ग्राम लिक्विड केमिकल, 17 किलो 300 ग्राम सफेद पाउडर के अलावा अन्य सामान जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर इन्हें सीज किया।

पहले भी हो चुकी है बड़ी बरामदगी

उल्लेखनीय है कि 16 दिसंबर 2024 को एजीटीएफ और थाना अरनोद पुलिस ने देवल्दी गांव में छापेमारी कर करीब 40 करोड़ रुपए की एमडी ड्रग और केमिकल बरामद किए थे। मामले में आरोपी याकूब, जमशेद उर्फ जम्मू लाला और साहिल फरार हो गए थे, जिन पर एसपी प्रतापगढ़ ने 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

एक करोड़ की संपत्ति फ्रीज

जांच में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी याकूब खां ने नशीले पदार्थों की कमाई से अवैध संपत्ति खरीदी थी। उसने वर्ष 2024 में अपनी पत्नी बखमीना बी के नाम पर जावरा (मध्यप्रदेश) के हुसैन टेकरी क्षेत्र में होटल/लॉज खरीदा था, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। इस संपत्ति को प्रतापगढ़ पुलिस ने गत 28 अगस्त को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(1) के तहत फ्रीज कर दिया।

गांव से लड़का-लड़की के भागने के बाद हुआ विवाद : पूर्व विधायक बच्चू सिंह के घर पर हमला, भाइयों और चाचा को पीटा

रुदावल। गांव बसई में दो अलग अलग जातियों के लड़के-लड़की के भाग जाने के बाद एक जाति के करीब 50-60 लोगों ने बयाना विधानसभा के पूर्व भाजपा विधायक बच्चू सिंह बंशीवाल के घर पर हमला कर तोड़फोड़ की। इन लोगों ने पूर्व विधायक के घरवालों के साथ लाठी डंडों से मारपीट भी कर दी। इन लोगों के हमले में पूर्व विधायक का भाई कमल सिंह, चचेरा भाई सुनील एवं चाचा चम्पालाल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए भरतपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

आरोपी हुए फरार, पुलिस में मामला दर्ज

घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए हैं। घटना को लेकर पूर्व विधायक के भाई कमल सिंह की ओर नामजद सहित 50-60 लोगों के खिलाफ घर पर हमला कर तोड़फोड़, मारपीट करने एवं जातिसूचक गाली गलौच करने का मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया है कि गांव के ही दो अलग अलग जातियों के लड़का लड़की भाग गए थे। लड़का पूर्व विधायक की जाति का होने के कारण गांव के इन लोगों को लगा कि पूर्व विधायक लड़के की मदद कर रहा है। इसी कारण इन लोगों ने हमला किया है। घटना के समय पूर्व विधायक बच्चू सिंह अपने घर पर नहीं थे।

गांव में पुलिस बल तैनात

घटना की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बयाना हरिराम कुमावत, पुलिस उपाधीक्षक रूपवास नीरज भारद्वाज, रुदावल थाना सहित पुलिस जाब्ता व क्यूआरटी टीम गांव बसई पहुंचे। जहां फिलहाल शांति बनी हुई है।

सात साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाले आरोपी को मिली जीवनभर की कैद

भीलवाड़ा। विशिष्ट न्यायाधीश पॉक्सो 01 बालकृष्ण मिश्र ने सात साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाले आरोपी सुखपाल जाट को जीवनभर की कैद की सजा के साथ एक लाख सत्रह हजार रुपये के जुर्माने के साथ दंडित किया है।

जानकारी के अनुसार शंभुगढ थाने मे 08 अक्टुबर 2024 को एक परिवादिया ने शिकायत की कि उसकी सास बाडे मे गई थी, वह खेत पर गई थी, पीछे उसकी सात साल की नाबालिग पुत्री घर पर अकेली थी, इस दौरान आरोपी सुखपाल जाट बच्ची को बहला फुसलाकर अपने घर ले गया। उसके साथ अश्लील हरकते करते हुए तस्वीरे खीचकर दरिंदगी की। पीड़ित बच्ची उसी दिन से गुमसुम रहने लगी। उसको विश्वास मे लेकर पूछताछ की तो उसने सारी बात परिजनो को बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी सुखपाल जाट को गिरफ्तार कर न्यायालय मे चालान पेश किया। जहां विद्वान विशिष्ट लोक अभियोजक धर्म सिंह कानावत ने आरोपी के खिलाफ आरोप सिद्ध किये। इस पर विद्वान न्यायाधीश ने शेष प्राकृतिक जीवन तक की कैद की सजा सुनाई।

आमजन की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान, प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में दिखे अभियान का व्यापक असर : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शहरी सेवा शिविर का आयोजन करने जा रही है। 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत शहरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के साथ ही शिविर में जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर शहर-कस्बे में इसका व्यापक असर दिखाई दे, इसके लिए अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

शिविर से संबंधित समग्र मार्गदर्शिका करें तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना और उनसे जुड़े प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करना है। इसके लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के संबंध में विभाग द्वारा समग्र जानकारी की मार्गदर्शिका भी तैयार की जाए।

शहर होंगे स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित, सड़क और रोशनी की बेहतर व्यवस्था

उल्लेखनीय है कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर और मैनहोल की मरम्मत की जाएगी एवं प्रमुख चौराहों, पार्कों, सामुदायिक केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यकरण होगा।

इसी तरह सड़कों की मरम्मत, सीसी और डामर सड़क पर पेचवर्क का कार्य किया जाएगा। स्ट्रीट लाइटों को सुधारने के साथ ही अंधेरी और सुनसान सड़कों पर नई लाइटें लगाई जाएंगी, ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अभियान में राज्य सरकार के स्वायत्त शासन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, ऊर्जा, सार्वजनिक निर्माण, राजस्व, महिला एवं बाल विकास तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी, जिससे नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

नागरिकों को उपलब्ध होंगी त्वरित सेवाएं

शिविर के तहत जन्म-मृत्यु और विवाह पंजीयन, फायर एन.ओ.सी., ट्रेड लाइसेंस, साइनेज लाइसेंस, सीवर कनेक्शन, ओएफसी एवं मोबाइल टावर एन.ओ.सी., ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र, अनुमोदित योजनाओं के पट्टे, उपविभाजन-पुनर्गठन, भू-उपयोग परिवर्तन, नामांतरण, भवन निर्माण स्वीकृति, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी करना तथा यूडी टैक्स जमा करवाने की सुगम व्यवस्था की जाएगी।

आमजन तक पहुंचेगा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति दी जाएगी। अटल पेंशन योजना, वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग पेंशन योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़ा जाएगा। साथ ही, विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों और अन्य सार्वजनिक भवनों की मरम्मत एवं सौंदर्यकरण के कार्य भी होंगे। उल्लेखनीय है कि पहले 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक शहरी सेवा शिविर का आयोजन प्रस्तावित था, लेकिन अब इस अभियान की अवधि में विस्तार किया गया है। जिसके तहत अब यह शिविर 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

वंदे भारत का कवरिंग शेड तैयार, रेल मंत्री ने किया उद्घाटन

जयपुर। यात्रियों और ट्रेनों की सुविधा के लिए जयपुर जंक्शन पर बड़ा कदम उठाया गया है। यहां कोच केयर कॉम्प्लेक्स में वंदे भारत का अत्याधुनिक कवरिंग शेड तैयार किया गया है। लगभग 555 मीटर लंबा और 19 मीटर चौड़ा यह शेड 34 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। इसकी मदद से वंदे भारत और अन्य ट्रेनों का रखरखाव अब बरसात, सर्दी और गर्मी–हर मौसम में सुचारू रूप से किया जा सकेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस शेड का उद्घाटन किया और साथ ही जयपुर जंक्शन के द्वितीय प्रवेश द्वार का भी निरीक्षण किया। यहां नई बिल्डिंग बनाई गई है, जो करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से चल रहे जंक्शन पुनर्विकास कार्य का हिस्सा है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। वैष्णो ने कहा कि जोधपुर से दिल्ली और बीकानेर से दिल्ली के लिए जल्द ही वंदे भारत ट्रेन चलेगी। इसके साथ ही जयपुर के हर स्टेशन के पहले जयपुर लगाने की भी योजना है। इसके लिए सुझाव मांगे जाएंगे। इसके बाद मंत्री गांधीनगर स्टेशन का निरीक्षण किया। फिर सीधे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलने गए। दोनों नेताओं की शाम 5 बजे मुलाकात निर्धारित है। इसके बाद रेल मंत्री शाम 6¬40 बजे इंडिगो फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि जयपुर जंक्शन पर तैयार यह नया शेड और पुनर्विकास कार्य राजस्थान में रेलवे की सुविधाओं को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

धौलपुर नगर परिषद में एसीबी का छापा, महिला एईएन समेत 5 कर्मचारी 3.10 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार, कमिश्नर की भूमिका भी संदिग्ध

धौलपुर। भरतपुर एसीबी की टीम ने गुरुवार को धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में छापा मारा। यहां कार्रवाई के दौरान महिला एईएन समेत पांच कर्मचारियों को तीन लाख दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह रकम ठेकेदार का बिल पास कराने की एवज में ली जा रही थी।

भरतपुर एसीबी कार्यालय में राजकीय संवेदक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि धौलपुर नगर परिषद में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी उससे बरसाती पानी निकासी कार्य के बिल पास कराने के लिए लगातार रिश्वत मांग रहे हैं। परिवादी का करीब 35 से 40 लाख रुपए का बिल एक साल से अटका हुआ था और इस दौरान उसे बार-बार परेशान किया जा रहा था। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने गुप्त रूप से भौतिक सत्यापन कराया, जिसमें मामला सही पाया गया।

एसीबी की टीम ने गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय में दबिश दी और महिला एईएन प्रिया, वरिष्ठ सहायक भरत कुमार, वरिष्ठ सहायक नीरज, संविदा कर्मी हरेंद्र तथा चालक देवेंद्र को 3.10 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया।

भरतपुर एसीबी के एडिशनल एसपी अमित कुमार ने बताया कि इस पूरे प्रकरण में नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा की भूमिका भी संदिग्ध पाई जा रही है। भौतिक सत्यापन रिपोर्ट में उनके नाम का जिक्र आया है और उनसे भी पूछताछ की जा रही है।

सड़कों पर रेत-गिट्टी के ढेर बने जानलेवा जाल

खानपुर। झालावाड़-बारा मेगा हाईवे पर रेत व गिट्टी के स्टॉक वालों द्वारा किए अतिक्रमण से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोड किनारे बनाए गए ढेरों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। बाइक चालक कई बार गिट्टी के ढेर पर चढ़ जाते हैं। जिससे पत्थर उछलकर ऊपर आ जाते हैं और चोटिल होने का खतरा रहता है। रात में ये ढेर स्पष्ट नजर नहीं आते जिससे वाहन चालक सीधे उन पर चढ़ जाते हैं और बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं। हाईवे पर दिन-रात भारी ट्रैफिक चलता है। नियम अनुसार 132 फीट की दूरी छोड़कर स्टॉक डाला जा सकता है, लेकिन स्टॉक वालों ने सड़क से सटाकर गिट्टी-रेत डाल रखी है। इससे आवागमन में कठिनाई हो रही है और गंभीर हादसे का अंदेशा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रोजाना स्कूल छात्र भी यहां से गुजरते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता है।

बडे हादसे का अंदेशा

यहा फैल रही रेत और गिट्टी कई बार वाहनों के गुजरने के दौरान उछलकर पास से निकल रहे राहगीरों का चोटिल कर देती है। जिससे राहगीर घायल हो जाते है। वहीं रेत में वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ जाता है। जिससे कई बार बडी दुर्घटना घटित होते होते बची है। अगर समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो किसी दिन बडी दुघर्टना हो सकती है। जिसका खामियाजा राहगीरों और वाहन चालकों को भुगतना पड़ सकता है।

इनका कहना है

हाईवे पर गिट्टी के बड़े ढेर लगाए जाने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

- रामसिंह यादव, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष

स्टॉक वालों की वजह से रोड पर अतिक्रमण हो रहा है। रात के समय ढेर नजर नहीं आते और कभी भी भीषण हादसा हो सकता है।

- सागर यादव, कस्बेवासी।

इस रोड पर लोग टहलने भी निकलते हैं। कई बार ढेर से टकराकर गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। इन्हें हटाया जाना चाहिए।

- राजाराम गुर्जर, उपाध्यक्ष, पूर्व कृषि उपज मंडी

मैं रोजाना साइकिल से लाइब्रेरी पड़ने जाता हूं। कई बार गिट्टी के ढेर से उसकी साइकिल टकरा चुकी है। - आशिक वर्मा, छात्र।

रेत व गिट्टी के टीलों के कारण रोड स्पष्ट नहीं दिखता और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

- सुनील तेजी, समाजसेवी।

इस हाईवे से कई गांव जुड़े हैं। ग्रामीण रात में भी यहां से गुजरते हैं और खतरा बना रहता है।

- केशव लक्षकार, समाजसेवी।

स्टॉक हटाने के लिए दो बार नोटिस दिया जा चुका है। पहले भी इन्हें हटाया गया था, लेकिन फिर से अतिक्रमण कर लिया गया है। अब पुन¬ नोटिस जारी कर ढेरों को तुरंत हटवाया जाएगा।

- अमित गर्ग, रीडकोर प्रोजेक्ट मैनेजर, खानपुर।

राजस्थान विधानसभा में 'स्पाई कैमरा' विवाद : अध्यक्ष देवनानी ने विपक्ष के आरोपों को नकारा

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा लगाए गए स्पाई कैमरा के आरोपों को खारिज कर दिया है। स्पाई कैमरा का अर्थ किसी एक व्यक्ति की जासूसी करना नहीं है, सब पर नजर रखना होता है।

आईएएनएस से बातचीत करते हुए वासुदेव देवनानी ने कहा, ÷कुछ राजनीतिक दल पूरे देश में संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रहे हैं और यही काम वे यहां भी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट समेत कई संवैधानिक संस्थाओं को पहले भी निशाना बनाया गया है और राजस्थान में भी वही देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में दो अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं, जो 360 डिग्री पर पूरे सदन की निगरानी करते हैं। ये कैमरे केवल विधायकों पर ही नहीं, बल्कि आसन पर बैठे अध्यक्ष पर भी नजर रखते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से ये कैमरे लगाए गए हैं। नेता प्रतिपक्ष का आरोप पूरी तरह निराधार है।

उन्होंने स्पाई कैमरा शब्द के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई। स्पाई कैमरा का मतलब होता है किसी एक व्यक्ति की जासूसी करना, जबकि विधानसभा में लगे कैमरे बड़े हैं और वे सभी पर नजर रखते हैं, जो सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जब से ये बिल्डिंग बनी है, तब से यहां पर कैमरे लगे हुए हैं। नई टेक्नोलॉजी को देखते हुए बदलाव किया जा रहा है, हर संस्थान में सुरक्षा के लिए अपना उपाय किया जाता है। नेता प्रतिपक्ष केवल मुद्दों से भटकाने का काम कर रहे हैं। देवनानी ने विपक्ष पर सर्वदलीय बैठकों (ऑल-पार्टी मीटिंग) में सहयोग नहीं करने का भी आरोप लगाया।

लापरवाही : नाला अवरुद्ध होने से यादव मोहल्ला बना तालाब

खानपुर। खानपुर क्षेत्र में यादव मोहल्ला वार्ड नंबर 1 में जल भराव की स्थिति से मोहल्ले एवं ग्रामवासियों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। यह परेशानी यादव मोहल्ले में नाला अवरूद्ध होने से आई है। यदि समय रहते नाले की समस्या का निराकरण कर दिया जाए तो कस्बेवासियों को परेशानी नहीं उठानी पड़े। मोहल्ले निवासी मथुरालाल यादव , किशन यादव, इंद्रजीत यादव आदि ने बताया कि खानपुर वर्तमान नगर पालिका द्वारा मोहल्ले में पानी के अत्यधिक जमाव एवं निकासी नहीं होने के कारण होने वाली समस्या के निराकरण के लिए समय रहते कोई पुख्ताप्रबंध नहीं किया गया है, जिसके कारण राहगीरों,स्कूल जाते हुए छोटे-छोटे बच्चों, बुजुर्गों, पशु-पालकों आदि को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गंदे एवं मटमैले पानी के अत्यधिक जमाव के कारण नलों में भी दूषित पेयजल की आपूर्ति होने की संभावना बनी रहती है जो कि कस्बेवासियों को बीमार कर सकती है

और अभी मौसम के अनुसार डेंगू मलेरिया का प्रकोप चल रहा है।

नाले के अवरूद्ध होने के कारण पानी जमाव की स्थिति बन जाती है। जिस कारण राहगीर व कस्बेवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

- सागर यादव, कस्बेवासी

नाले के कारण जमाव पानी से गंभीर बीमारियों को खतरा मंडरा रहा है।

- राम सिंह यादव, कस्बेवासी

मैं एक छात्र हूं और स्कूल आने जाने में परेशानी उठानी पड़ती है। समस्या का समाधान किया जाए।

- नकुल यादव, छात्र

रास्ते में कीचड़ होने से कई बार फिसल जाते है वहीं कीचड की दुर्गंध से परेशानी उठानी पड़ती है।

- ध्रुव यादव, छात्र

नाला अवरूद्ध होने से इस परेशानी का सामना करना पड़ता है। नाले की समस्या का समाधान करना चाहिए।

- सुनील तेजी, कस्बेवासी

रास्ते कीचड़ व गंदगी से बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है , कई राहगीर कीचड़ में फिसलकर गिर जाते है समस्या का समाधान किया जाए।

- नितिन यादव, छात्र

यादव मोहल्ले को दिखावाकर तुरंत सफाई करवा दी जाएगी, नाले में पानी कहां अवरुद्ध हो रहा है, उस समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

- पुखराज मीणा, नगर पालिका आयुक्त खानपुर

अवरुद्ध पानी को दिखाकर जहां से पानी अवरुद्ध हो रहा है उसे नाले को तुरंत साफ करवा दिया जाएगा और इस पर एक्शन लिया जाएगा।

- रजत विजय वर्गीय, उपखंड अधिकारी खानपुर

मुख्यमंत्री ने बीआरओ के जवान पवन कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अरूणाचल प्रदेश में एक सड़क दुर्घटना में सीमा सड़क संगठन के जवान पवन कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पवन कुमार जिला बिलासपुर की श्री नैनादेवी तहसील के दगड़ाहण गांव के निवासी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार इस दुःख की घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के साथ है और उन्हें हर सम्भव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

उप-मुख्यमंत्री ने पवन कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने अरुणाचल प्रदेश में सड़क दुर्घटना में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के जवान पवन कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला बिलासपुर की श्री नैनादेवी तहसील के दगड़ाहण गांव से संबंध रखने वाले पवन कुमार का आकस्मिक निधन प्रदेश और परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है।उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

सिक्योरिटी गार्ड एवं सुपरवाइजर के 200 पदों के लिए 15 से 20 सितम्बर तक होंगे साक्षात्कार

धर्मशाला। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सिस इंडिया लिमिटेड हमीरपुर द्वारा पुरूषों के लिये सिक्योरिटी गार्ड एवं सुपरवाइजर के 200 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। इन पदों के लिए आयु सीमा 19 वर्ष से 40 वर्ष रखी गई है तथा शैक्षणिक योग्यता दसवीं व बारहवीं पास निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 17 हजार 500 रुपये से 22 हजार रुपये प्रति माह वेतन दिया जाएगा। सभी इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल प्रमाण पत्रों, पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित कंपनी के समक्ष साक्षात्कार दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि 15 सितम्बर को क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय धर्मशाला में 17 सितम्बर को उप रोजगार कार्यालय नूरपुर में, 18 सितम्बर को उप रोजगार कार्यालय इन्दौरा में, 19 सितम्बर को उप रोजगार कार्यालय देहरा में, 20 सितम्बर को उप रोजगार कार्यालय कांगड़ा में प्रातः 10:30 बजे से साक्षात्कार आयोजित किए जायेंगे। क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी ने बताया कि अभ्यर्थी अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, मूल प्रमाण पत्र तथा बायोडाटा व अनुभव की कॉपी एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र यदि कोई हों तो साथ लाएँ। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर 83518-90071 पर संपर्क किया जा सकता है। सभी इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे साक्षात्कार में भाग लेने से पूर्व ैजजचेरूध्धमम्उपेणचण्दपबण्पद पर अपने ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर से लॉगिन करके आवेदन करें। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात ही साक्षात्कार में भाग लिया जा सकेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर 14 सितम्बर को सोलन ज़िला के प्रवास पर

सोलन। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा 14 सितम्बर, 2025 को सोलन ज़िला के प्रवास पर आ रहे हैं। यह जानकारी पंजाब नेशनल बैंक सोलन के मण्डल प्रमुख दया नन्द कर्दम ने दी। दया नन्द कर्दम ने कहा कि संजय मल्होत्रा 14 सितम्बर, 2025 को प्रातः 09.00 बजे सोलन के कोठों में वित्तीय समावेशन संतृप्ति कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

ज़िला स्तर पर पेंशन अदालत एवं लेखा विषय पर कार्यशाला 12 सितम्बर को

सोलन। ज़िला स्तर पर पेंशन अदालत एवं लेखा विषय पर 12 सितम्बर, 2025 को उपायुक्त कार्यालय सोलन के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी ज़िला कोषाधिकारी सोलन गोपी चंद शर्मा ने दी। गोपी चंद शर्मा ने कहा कि 12 सितम्बर, 2025 को 005 से 230 कोड के आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डी.डी.ओ.) के लिए प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक तथा 231 से 987 कोड के आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डी.डी.ओ.) के लिए दोपहर 02.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। ज़िला कोषाधिकारी सोलन ने सभी विभागों के अधिकारियों से आग्रह किया कार्यशाला में शामिल होना सुनिश्चित बनाएं।

डॉ. राममूर्ति प्रकाश तथा डॉ. सुधा प्रकाश ने आपदा राहत कोष में 31 हजार रुपए का चैक किया भेंट

सोलन। ज़िला सोलन के गांव बलाणा के निवासी डॉ. राममूर्ति प्रकाश तथा डॉ. सुधा प्रकाश ने उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा को आज यहां आपदा राहत कोष में 31 हजार रुपए का चैक भेंट किया। मनमोहन शर्मा ने डॉ. राममूर्ति प्रकाश तथा डॉ. सुधा प्रकाश का आपदा राहत कोष में चैक भेंट करने पर उनका आभार व्यक्त किया।

संजय अवस्थी ने दिग्गल और आस-पास के क्षेत्रों में नुकसान का लिया जायज़ा

त्वरित कार्यवाही एवं राहत सुनिश्चित बनाने के निर्देश

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने आज दिग्गल में नालागढ़ उपमण्डल के अंतर्गत अर्की विधानसभा क्षेत्र की 15 ग्राम पंचायतों में भारी बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान की समीक्षा के लिए आयोजित आपदा प्रबंधन बैठक की अध्यक्षता की और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संजय अवस्थी ने कहा कि इस क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सड़कों, बिजली के ट्रांसफार्मरों, विद्युत उप-केंद्रों, फसलों, कृषि भूमि व जल आपूर्ति परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। इस आपदा के कारण लोगों का जनजीवन व्यापक रूप से प्रभावित हुआ है। उन्होंने राजस्व विभाग तथा अन्य विभागों को लगातार बारिश से हुए नुकसान का स्टीक आकलन और प्रभावित लोगों को यथा संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। विधायक ने भूस्खलन और बाढ़ से हुई हानि पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस विकट स्थिति से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए यथा संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित बचाव अभियान शुरू किए गए और समय पर आपदा प्रबन्धन कर, प्रदेश की कई अमूल्य संपत्ति को बचाया गया है। उन्होंने प्रशासन से राहत और बचाव कार्यों के लिए पंचायती राज संस्थाओं के जन प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बिजली और पानी की आपूर्ति तत्काल बहाल करने के निर्देश दिए ताकि लोगों को दैनिक जीवन में किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि दिग्गल क्षेत्र के आसपास की 07 ग्राम पंचायतों के 22 संपर्क मार्ग भारी बारिश के दृष्टिगत बंद हो गए थे जिनमें से 19 सड़कों को यातायात के लिए खोल दिया गया है तथा चमदार, झांदू और निसल को भी शीघ्र आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। उन्होंने कृषि विभाग तथा पशुपालन विभाग को चार दिन के भीतर पशुधन तथा फसलों की क्षति का आकलन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। संजय अवस्थी ने कहा कि इस क्षेत्र के आस-पास पांच पक्के मकान पूर्ण रूप से तथा 22 पक्के मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए है। 25 गौशालाएं, 6 कच्चे मकान पूर्ण रूप से तथा 6 कच्चे मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए है व चार रसोई घर तथा 100 बीघा कृषि योग्य भूमि को भारी बारिश के कारण नुकसान पहुंचा है। इन क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को 1.40 लाख रुपए नगद राशि तथा 55 तरपाल फौरी राहत के रूप में वितरित किए गए।

उन्होंने आपदा से प्रभावित ग्राम पंचायत चमदार के कटल गांव के केसर चंद, दौलत राम तथा गोपाल चंद के नुकसान का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा फौरी राहत के रूप में 05 हजार रुपए नगद राशि, राशन तथा फर्स्ट ऐड किट प्रदान की। उन्होंने इस अवसर पर जन समस्याएं भी सुनी तथा अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को राहत कार्यों में तेज़ी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेगी। ग्राम पंचायत दिग्गल के प्रधान पवन कौशल, ग्राम पंचायत पंदल के उप प्रधान रणजीत सिंह, ग्राम पंचायत दिग्गल के पूर्व उप प्रधान प्रेम दास, युवा कांग्रेस अर्की के अध्यक्ष सतीश कुमार विक्की, उपमंडलाधिकारी नालागढ़ राज कुमार, खण्ड विकास अधिकारी नालागढ़ नियोन धैर्य शर्मा, लोक निर्माण विभाग के अधीशाषी अभियंता नालागढ़ परवरसर सिंह, प्रदेश विद्युत बोर्ड के अधीशाषी अभियन्ता देवेन्द्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण इस अवसर पर उपस्थित थे।

विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत गठित समितियों की बैठकें आयोजित

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने आज यहां अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत गठित ज़िला स्तरीय सतर्कता एवं प्रबोधन समिति, प्रधानमंत्री का नया 15 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत त्रैमासिक बैठक, दिव्यांगजन अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2016 के अंतर्गत गठित ज़िला स्तरीय समिति, मैनुअल स्कवैंजर्स अधिनियम, 2013 के अंतर्गत ज़िला स्तरीय समिति तथा राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 के अंतर्गत गठित स्थानीय स्तरीय समिति की बैठकों की अध्यक्षता की। मनमोहन शर्मा ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति समुदाय के लिए व्यक्तिगत तथा आधारभूत विकास योजनाओं का कार्यान्वयन कर उनका आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक उत्थान सुनिश्चित बनाना है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत ज़िला में वर्तमान में 56 से अधिक मामले विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति अधिनियम, 1989 के त्रैमास में ज़िला में 05 मामलों को रद्द करने की अनुशंसा प्राप्त हुई है। उन्होंने सम्बन्धित विभागों को अनुसूचित जाति, जनजाति अधिनियम, 1989 के विषय पर समय-समय पर जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। मनमोहन शर्मा ने प्रधानमंत्री का नया 15 सूत्रीय कार्यक्रम बैठक की समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करें। उन्होंने अधिकारियों को अल्पसंख्यक समुदायों के पात्र मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से जोड़ने तथा कौशल विकास भत्ता योजना का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए ताकि पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंच सके।

उन्होंने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की बैठक की समीक्षा करते हुए कहा कि सोलन ज़िला में अप्रैल, 2025 से जून, 2025 तक 147 दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में 57 पात्र छात्रों को लगभग 5.78 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। मनमोहन शर्मा ने राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999 के अंतर्गत गठित स्थानीय स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सोलन ज़िला में 218 कानूनी संरक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों तक अधिनियम की जानकारी पहुंचाने के लिए अधिकारी जागरूकता शिविरों का आयोजन करना सुनिश्चित बनाएं। उपायुक्त ने मैनुअल स्कवैंजर्स अधिनियम, 2013 के अंतर्गत गठित ज़िला स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यह अधिनियम सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों को प्रत्येक माह की 07 तारीख से पूर्व वेतन देना सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने स्थानीय निकाय के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों के लिए सेफ्टी किट उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। सफाई कर्मचारियों की समय-समय पर चिकित्सा जांच करना सुनिश्चित करें।

ज़िला कल्याण अधिकारी गावा सिंह नेगी ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया। नगर निगम सोलन की महापौर ऊषा शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बद्दी अशोक वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक सोलन अनिल धोल्टा, उप निदेशक उच्च शिक्षा गोपाल चौहान, ज़िला न्यायवादी संजय पंडित, ज़िला कार्यक्रम अधिकारी पदम देव शर्मा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ज़िला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शालिनी पुरी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मस्कुलर डिस्ट्रॉफी की अध्यक्ष संजना गोयल विभिन्न समितियों के गैर सरकारी सदस्य एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

राष्ट्रमण्डल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने गत रात्रि बेंगलुरू पहुँचे विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां, विधान सभा उपाध्यक्ष भी साथ

बेंगलुरू। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां 11वें राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत क्षेत्र सम्मेलन में भाग लेने गत रात्रि करीब 9ः00 बजे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू पहुँचे। इस सम्मेलन में भाग लेने विधान सभा उपाध्यक्ष विनय कुमार, विधान सभा सचिव यशपाल शर्मा तथा विधान सभा सचिवालय के तीन वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ बेंगलुरू पहुँचे हैं। गौरतलब है कि इसका मुख्य आयोजन कर्नाटक विधान सभा द्वारा कर्नाटक विधान भवन (विधान सौध) तथा होटल दी ताज वेस्ट ऐण्ड में 11 से 13 सितम्बर, 2025 तक किया जा रहा है। पठानियां का बेंगलुरू एयरपोर्ट पर तैनात कर्नाटक सरकार के अधिकारियों द्वारा परम्परागत स्वागत किया गया।

आज कर्नाटक विधान सौध में सम्मेलन का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया जिसका शुभारम्भ राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत क्षेत्र के चेयरमैन एवं लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा दीप प्रज्जलवित कर किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्वारमैया, राज्य सभा उप-सभापति हरिवंश, कर्नाटक विधान परिषद के चेयरमैन बेस्वराज होराटी तथा कर्नाटक विधान सभा अध्यक्ष यू0टी0 खादर फरीद तथा कई राज्यों के विधान परिषदों के चेयरमैन, उप-चेयरमैन तथा राज्य विधान मण्डलों के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष मौजूद थे। इस अवसर पर राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ भारत के चेयरमैन एवं लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सम्मेलन के विधिवत शुभारम्भ की घोषणा की तथा सभी राज्यों के पीठासीन अधिकारियों से सम्मेलन में चर्चा के लिए लाए गए विषय ÷ विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चा- जन विश्वास का आधार जन अकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम ÷ पर अपने-अपने बहुमुल्य सुझाव देने तथा लोकतंत्र की मजबुती के लिए गहनता से मंथन करने का आग्रह किया। कर्नाटक विधान सभा अध्यक्ष यू0 टी0 खादर फरीद ने सभी अतिथियों के सम्मान में अपना सम्बोधन दिया। विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां 12 सितम्बर को सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे तथा सत्र का संचालन भी करेंगे। सम्मेलन के दौरान कुलदीप सिंह पठानियां ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्वारमैया से भी मुलाकात की तथा हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा तथा बादल फटने से हुए भारी नुकसान बारे भी चर्चा की। इस अवसर पर विधान सभा उपाध्यक्ष विनय कुमार भी उपस्थित थे।

मणिमहेश यात्रा के दौरान निगम ने 196 विशेष बसों से भेजे 8518 यात्री : पंकज चड्ढा

धर्मशाला। पवित्र श्री मणिमहेश यात्रा 2025 के दौरान भारी वर्षा और भूस्खलन के कारण चम्बा-भरमौर मार्ग कई दिनों तक अवरुद्ध रहा। इस कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु बीच मार्ग में तथा चम्बा शहर सहित विभिन्न स्थानों पर फँस गए। स्थिति को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हिमाचल पथ परिवहन निगम द्वारा त्वरित कदम उठाए गए और विशेष बस सेवाएँ उपलब्ध करवाई गईं। एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी देते हुए हिमाचल पथ परिवहन निगम के डिविजनल मैनेजर पंकज चड्ढा ने कहा कि इन बसों के संचालन से श्रद्धालुओं को समय पर अपने गंतव्यों तक पहुँचने में सहायता मिली। उन्होंने कहा कि 29 अगस्त से 6 सितम्बर, 2025 तक निगम द्वारा कुल 196 विशेष बसें चलाई गईं, जिनमें लगभग 8518 यात्री यात्रा कर अपने गंतव्यों तक पहुँचे। इसमें से सर्वाधिक 171 बसें चम्बा से पठानकोट तक चलाई गईं, जिनमें हजारों श्रद्धालुओं ने सफर किया। इसके अतिरिक्त 23 बसें कांगड़ा, 1 बस लदरोर और 1 बस लंगेरा के लिए भेजी गईं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ निगम बस अड्डों पर पहुँच रही थी। इस स्थिति को नियंत्रित करने और भीड़ प्रबंधन के लिए निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने चैबीसों घंटे ड्यूटी निभाई। उन्होंने श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने, बसों की व्यवस्था करने और सुरक्षित ढंग से रवाना करने में विशेष भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि निगम का दायित्व है कि कठिन परिस्थितियों में भी श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए और इस आपालकाल की परिस्थिति में निगम ने बखूबी अपना दायित्व निभाया।

प्रदेश सरकार प्रभावितों के साथ, यथा सम्भव सहायता की जा रही प्रदान : संजय अवस्थी

सोलन। अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने स्थानीय प्रशासन को क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण प्रभावितों हुए लोगों के लिए राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी रखने के निर्देश दिए। संजय अवस्थी आज अर्की में भारी वर्षा के कारण क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति की आपदा प्रबंधन बैठक की समीक्षा कर रहे थे।

संजय अवस्थी ने अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जरूरतमंद लोगों को यथा संभव सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से आपदा प्रभावित परिवारों से लगातार संपर्क में रहने, भोजन की व्यवस्था करने और सड़क बहाली कार्य को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों की बहाली कार्य में तेज़ी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें यथा संभव सहायता प्रदान कर रही है। विधायक ने कहा की अर्की वर्षा के कारण अर्की विधानसभा क्षेत्र में लगभग 60 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है तथा मकानों को लगभग 38 लाख का नुकसान हुआ है। इन आपदा प्रभावित परिवारों को फौरी राहत के रूप में 50,000 रुपए की राशि तथा 18 तरपाल वितरित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त अर्की उपमंडल के अंतर्गत 159 सड़कें उपमंडल के अंतर्गत 82 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं जिनमें से 06 मकान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त तथा 76 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारी आवागमन के लिए खुली हैं। शेष पांच सड़कों को भी आवागमन के लिए शीघ्र बहाल कर दिया जाएगा।

संजय अवस्थी ने कहा कि आपदा के इस कठिन समय में आमजन की परेशानियों को दूर करने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा ताकि प्रभावितों का जीवन सामान्य हो सके। उपमण्डलाधिकारी अर्की निशांत तोमर ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया। बैठक में नगर पंचायत अर्की के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश कश्यप, तहसीलदार अर्की विपिन वर्मा, खण्ड चिकित्सा अधिकारी अर्की मुक्ता रस्तोगी, जल शक्ति विभाग के अधिशाषी अभियंता विवेक कटोच, प्रदेश विद्युत बोर्ड के अधिशाषी अभियन्ता संदीप कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता राजेश शर्मा, वन मण्डलाधिकारी कुनिहार राजकुमार, हिमाचल पथ परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक एस.पी. राजपूत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण में ईको टास्क फोर्स की भूमिका सराहनीय

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए गठित 133 ईको टास्क फोर्स पर्यावरणीय दायित्वों के साथ-साथ मानवीय मूल्यों का निर्वहन बखूबी सुनिश्चित कर रही है। बीते 19 वर्षों में ईको-टास्क फोर्स ने पर्यावरण संरक्षण व पौधरोपण के साथ-साथ आपदा प्रबंधन में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। 133-ईको टास्क फोर्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार ने बताया कि अनूठी संकल्पना पर आधारित ईको-टास्क फोर्स में एक छोटे आर्मी कोर ग्रुप के कमांड में भूतपूर्व सैनिकों को पुनः सेवा में लेकर पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में तैनात किया जाता है। 133 ईको टास्क फोर्स ने स्थापना के बाद प्रदेश में 60.76 लाख पौधे रोपित किए हैं। फोर्स द्वारा 5675 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण के साथ-साथ 4.30 लाख पौधों की क्षमता वाली 11 नर्सरियों की स्थापना भी की गई है। ईको टास्क फोर्स द्वारा तीन अमृत सरोवरों और तालाबों का कायाकल्प किया गया है। पिछले पांच वर्षों में वनों में आग लगने की 43 घटनाओं को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया और मौजूदा 42 परियोजना क्षेत्रों में अग्निशमन लेन की स्थापना तथा स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करके 11 चैक डैम भी स्थापित किए गए हैं। ईको टास्क फोर्स द्वारा वन महोत्सव, एक पेड़ मां के नाम, मेरी माटी मेरा देश, स्वच्छता ही सेवा, विश्व योग दिवस इत्यादि के अवसर पर भी विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाए जाते हैं। इसके साथ-साथ मृदा संरक्षण, वनस्पतियों और जीवों का संरक्षण, जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाती हैं। आपदा के दौरान बचाव अभियान के दौरान प्रभावित लोगों को आश्रय, भोजन और परिवहन सुविधा प्रदान करने में भी फोर्स की भूमिका सराहनीय है।

दंतेवाड़ा आईईडी ब्लास्ट में दो सुरक्षाकर्मी घायल, एरिया डोमिनेशन के दौरान हुआ धमाका

दंतेवाड़ा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से दो जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल दंतेवाड़ा में भर्ती किया गया है। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने इसकी पुष्टि की है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने दी जानकारी: दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि थाना मालेवाही क्षेत्र में सीआरपीएफ 195 वाहिनी की कम्पनी सातधार और मालेवाही के बीच नक्सल विरोधी अभियान के तहत एरिया डोमिनेशन और डिमाइनिंग के लिए निकली थी। इसी दौरान लगभग सुबह 10:30 बजे सातधार पुल से 800 मीटर आगे नक्सलियों के लगाए प्रेशर आईईडी के चपेट में आने से दो जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों के बारे में जानकारी: दंतेवाड़ा ब्लास्ट में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इनमें इंस्पेक्टर दीवान सिंह गुर्जर और आरक्षक आलम मुनेश शामिल हैं। दोनों जवानों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है। दंतेवाड़ा एसपी ने बताया कि मालेवाही की घटना के बाद स्थिति पर फोर्स की नजर है। बस्तर में आईईडी ब्लास्ट: बस्तर में नक्सली आईईडी ब्लास्ट कर लगातार जवानों को नुकसान पहुंचाते रहे हैं।

बस्तर में खौफनाक हादसा, जिंदा जलकर राख हुए दो युवक

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर के नेशनल हाइवे 63 में भीषण सड़क हादसा हुआ। दो चार पहिया वाहनों में जबरदस्त टक्कर हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों में आग लग गई। इस घटना में 2 लोग जिंदा जल गए। तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जिन्हें डिमरापाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बोलेरो और कार की टक्कर: मिली जानकारी के अनुसार बस्तर जिले में कोड़ेनार थाना क्षेत्र के किलेपाल गांव के पास गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात बोलेरो और एक कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में पलक झपकते ही आग लग गई। इस खौफनाक दुर्घटना में कार में सवार दो लोग अंदर ही फंसकर जिंदा जल गए। उनके शव पहचान में नहीं आ रहे हैं। जगदलपुर से दंतेवाड़ा जा रही बोलेरो और दंतेवाड़ा से आ रही कार टकरा गई। 2 जिंदा जले, 3 घायल: बताया जा रहा है कि कार की पिछली सीट पर बैठा एक युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकलने में कामयाब रहा। लेकिन आगे की सीट पर बैठे ड्राइवर और एक अन्य युवक को अपनी जान बचाने का मौका नहीं मिला। वे आग की लपटों में घिर गए और उनकी दर्दनाक मौत हो गई। बस्तर एसपी महेश्वर नाग ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। घंटों की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बोलेरो और कार में सवार तीन अन्य लोग भी झुलस गए हैं। जिन्हें तत्काल बेहतर इलाज के लिए मेकॉज में भर्ती किया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। यह दिल दहला देने वाला दृश्य था। जिसे देखकर हर कोई सहम गया।

दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर ट्रक से करोड़ों का इलेक्ट्रॉनिक सामान लूट ले गए ग्रामीण

कवर्धा, एजेंसी। कवर्धा में एक अजीबोगरीब लूट का मामला सामने आया है। जहां एक दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर में भरे करोड़ों के इलेक्ट्रॉनिक सामान गायब हो गए हैं। आसपास के गांव वालों ने दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर से सामान निकाल लिया है। जानकारी के मुताबिक एचआर पासिंग की कंटेनर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दो दिनों तक ट्रक सड़क किनारे लावारिस अवस्था में खड़ी रही। गाड़ी का चालक भी मौजूद नहीं था। जिसके बाद ट्रक से सामान निकालकर ले जाने लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। इस घटना को पास के एक ढाबा संचालक ने देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। बोड़ला पुलिस मौके पर पहुंची। कंटेनर खोल कर देखा तो अंदर बड़े बड़े गत्ते तो थे लेकिन उनमें से सामान गायब था। जिसके बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया। ट्रक में लिखे मोबाइल नंबर से मालिक को घटना की सूचना दी। कंटेनर में करोड़ों का इलेक्ट्रॉनिक सामान: दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में एसी, कुलर, पंखा, गैस चूल्हा समेत विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक सामान मौजूद थे। जिसमें से ज्यादा सामान गायब हो चुके हैं। बचे सामानों को पुलिस अपनी कस्टडी में रखी हुई है। अब ट्रक मालिक के आने के बाद ही कितनी चोरी हुई है इसका पता चल पाएगा। बोड़ला थाना प्रभारी रुपक शर्मा ने बताया मंगलवार को सूचना मिली थी एक कंटेनर ट्रक लावारिस अवस्था में खड़ी है। ट्रक से कुछ लोग सामान चोरी कर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके में पहुंची और लावारिस ट्रक को कब्जे में लिया। आसपास कोई मौजूद नहीं था। ट्रक के मालिक को फोन कर घटना की सूचना दी। लेकिन अब तक मलिक नहीं पहुंचा है। ट्रक मालिक के आने के बाद ही क्लियर हो पाएगा की ट्रक कैसे दुर्घटनाग्रस्त हुई, चालक कहा है और कितना सामान मौजूद था। फिलहाल धारा 102 के तहत माल को जब्त किया गया है।

मशाल के साथ सड़कों पर उतरे एनएचएम कर्मी, बोले आश्वासन नहीं अब आदेश चाहिए

सुकमा, एजेंसी। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माने जाने वाले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी इन दिनों अपने हक की लड़ाई में सड़कों पर उतर आए हैं। नियमितीकरण, ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति और अन्य 10 सूत्रीय मांगों को लेकर यह आंदोलन 18 अगस्त से जारी है। मशाल लेकर प्रदर्शन: बुधवार रात कर्मचारियों ने हाथों में मशालें लेकर कैंडल मार्च निकाला। उन्होंने शासन प्रशासन को चेतावनी दी कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। एनएचएम कर्मचारियों का कहना है कि वर्षों से जंगल पहाड़ों में जोखिम उठाकर उन्होंने आदिवासी अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई हैं, लेकिन बदले में उन्हें असुरक्षा और अनिश्चित भविष्य ही मिला है। 18 अगस्त से हड़ताल जारी: एनएचएम कर्मियों का कहना है कि 18 अगस्त से हम हड़ताल पर बैठे हैं। अब तक सरकार हमारी बातें सुन नहीं रही है। कमेटी बना कर काम करने की बात कह रही है लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। मोदी की गारंटी में हमें 100 दिन में नियमतिकरण करने का वादा किया गया था, वो भी अवतक नहीं किया गया है- रीना नायडू, महिला कर्मचारी सुकमा में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई: एनएचएम कर्मियों की हड़ताल से स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराने लगी है। कई गांवों में टीकाकरण, मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाएं और आपातकालीन उपचार प्रभावित हुए हैं। एनएचएम कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित आदेश जारी नहीं होता, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। यह हड़ताल अब सिर्फ रोजगार का नहीं, बल्कि सम्मान और अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है।

प्रदेश में 1 करोड़ के इनामी सहित 10 नक्सली मारे गए, अमित शाह ने की सराहना, कहा- 31 मार्च से पहले अंत निश्चित

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार सुबह से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच रुक रुक कर मुठभेड़ हुई। मैनपुर क्षेत्रातंर्गत के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के बाद गरियाबंद एसटीएफ और कोबरा की टीम रवाना हुई। जवानों के जंगल पहुंचने की सूचना के बाद नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिसका जवानों ने जवाब दिया। इस मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए। अमित शाह ने की सराहना, नक्सलियों को चेतावनी दी- गरियाबंद नक्सली मुठभेड़ में 10 नक्सलियों के मारे जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सराहना की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- नक्सलियों के विरुद्ध हमारे सुरक्षा बलों ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ की कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और डीआरजी ने जॉइंट ऑपरेशन चलाकर 1 करोड़ के इनामी सीसीएम मोडेम बालकृष्णा उर्फ मनोज सहित 10 कुख्यात नक्सलियों को मारा गिराया है। समय रहते बचे-खुचे नक्सली भी आत्मसमर्पण कर दें। आगामी 31 मार्च से पहले लाल आतंक का समूल नाश निश्चित है। बस्तर में विश्वास, विकास व शांति के नए सूर्य का उदय- सीएम विष्णुदेव साय ने गरियाबंद एनकाउंटर पर जवानों का हौसला बढ़ाया। एक्स पर उन्होंने लिखा-अदम्य साहस और वीरता के पर्याय सीआरपीएफ की कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और डीआरजी के जवानों को नक्सलवाद के विरुद्ध एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। गरियाबंद जिले में नक्सल मोर्चे पर हुई मुठभेड़ में अब तक 10 नक्सली न्यूट्रलाइज किए गए हैं, जिसमें 1 करोड़ के इनामी सीसीएम मोडेम बालकृष्णा उर्फ मनोज को भी न्यूट्रलाइज किया गया है। रायपुर आईजी का बयान- रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा ने गुरुवार शाम को गरियाबंद मुठभेड़ पर बड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया एनकाउंटर के बाद 9 नक्सलियों के शव जंगल में पड़े हुए हैं। लैंडमाइन होने के खतरे की वजह से अभी सर्च ऑपरेशन नहीं चलाया जा रहा है। दोनों ओर से फायरिंग हो रही है। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा का बयान- गरियाबंद एसपी ने कहा- नक्सलियों के सफाई के लिए दी गई लेट डेडलाइन मार्च 2026 के तहत नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें यह बड़ी सफलता मिली है। एसपी ने बताया कि जिले में इस साल का यह दूसरा बड़ा नक्सल एनकाउंटर है। इससे पहले जनवरी में भी इसी इलाके में बड़ी मुठभेड़ हुई थी जिसमें 16 नक्सली मारे गए थे। हिड़मा को देवजी को नक्सल संगठन की कमान- गरियाबंद मुठभेड़ से एक दिन पहले बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने दंडकारण्य की कमान हिड़मा को सौंपने और देवजी को नक्सल संगठन का जनरल सेक्रेटरी बनाने पर बयान दिया था। उन्होंने कहा कि नक्सली किसी को भी सचिव या अध्यक्ष बना ले लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। माओवादी संगठन अपनी अंतिम सांस गिन रहा है। जिसके लिए फोर्स लगातार अभियान चला रही है। बस्तर आईजी ने बचे खुचे नक्सलियों से सरेंडर करने को कहा।

मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण का बजट अब 75 करोड़ कोरबा में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और सुनालिया चौराहे पर बनेगा पुल

कोरबा, एजेंसी। प्रदेश में आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए 3 प्राधिकरण बने हुए हैं। नई सरकार बनने के बाद भाजपा ने इन सभी का पुनर्गठन किया है। पुनर्गठन के बाद मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की पहली बैठक बुधवार को कोरबा जिले के कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित हुई। जिसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित मंत्रिमंडल के मंत्री और सभी सदस्य व अधिकारी सम्मिलित हुए। इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। बढ़ाया गया बजट- पूर्व में प्राधिकरण का बजट 50 करोड रुपए निर्धारित था। इसे बढ़ाकर 75 करोड़ रुपए कर दिया गया है। प्राधिकरण की बैठक में बजट में 25 करोड रुपए का इजाफा सबसे बड़ा फैसला रहा। इसके साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए कई सुझावों पर अहम चर्चा की गई। कोरबा के विकास से जुड़े मांगों को भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। स्टॉल का अवलोकन, हितग्राहियों से भी चर्चा- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिले के प्रवास के दौरान जिला कार्यालय परिसर में लगे विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर कई विभागों की योजनाओं से अनेक हितग्राहियों को लाभांवित किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टॉल में पीएम जनमन आवास योजना के तहत कई परिवार को आवास की चाबी सौंपी गई। पहाड़ी कोरवा वर्ग की अजगरबहार निवासी सुमत्री बाई, ग्राम चुईया के अमर सिंह कोरवा और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत ग्राम कुरूडीह के परदेशी राम यादव, ग्राम भैसमा के रामबंधु को पूर्णता प्रमाण पत्र दिया किया।

रेशम विभाग के स्टॉल में कोरबा निवासी शत्रुघन केंवट को कोसा उत्पादन हेतु 3 लाख 27 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजना के तहत तुमान करतला की सविता पटवा (मां सर्वमंगला स्व सहायता समूह) को 1 लाख 20 हजार रुपये का ऋृण दिया गया। मुख्यमंत्री ने बालको, एनटीपीसी एवं एसईसीएल द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया, जहां सीएसआर मद से किए गए कार्यों की प्रदर्शनी दिखाई गई। सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2800 करोड़ रुपए- बैठक में प्रदेश की तमाम सिंचाई परियोजनाओं के अटके होने की जानकारी मिली। जिस पर ठोस निर्णय लिया गया। सीएम विष्णु देव साय ने बताया कि 2015 के बाद से ही प्रदेश भर में छोटी, मंझली 115 सिंचाई की परियोजनाएं अधूरी पड़ी थी। इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ था। बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि इन अधूरी परियोजनाओं को पूर्ण किया जाएगा। इसके लिए 2800 करोड रुपए प्रदान किए जाएंगे। इन सिंचाई परियोजनाओं के पूरे होने पर प्रदेश भर में 76000 हेक्टेयर के रकबे में सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी।

छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट बस्तर में सीएम विष्णुदेव साय, नक्सलगढ़ में खुलेंगे रोजगार के अवसर

जगदलपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में शामिल होने बस्तर पहुंच हैं। सीएम एक दिवसीय कार्यक्रम में शामिल होने नक्सलगढ़ बस्तर में हैं। सीएम साय ने आड़ावाल में छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बस्तर में मंत्रियों का जमावड़ा- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक किरण देव, छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल भी बस्तर में मौजूद हैं। बस्तर में खुलेंगे रोजगार के अवसर- इस आयोजन से बस्तर अंचल में औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आएगी, वहीं रोजगार के अवसरों के नए द्वार खुलेंगे। सरकार का दावा है कि बस्तर का विकास हमेशा उनकी प्राथमिक्ताओं में अग्रणी रहा है। इन्वेस्टर कनेक्ट इसी संकल्प को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बस्तर को मिलेगा इंवेस्टर कनेक्ट का लाभ- बस्तर रवाना होने से पहले सीएम विष्णुदेव साय ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बता करते हुए छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट बस्तर के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में नई उद्योग नीति लाने के बाद इंवेस्टर कनेक्ट के आयोजन हो रहे हैं। रायपुर, दिल्ली, बैंग्लोर, मुंबई के साथ ही विदेशों में टोकियो, ओसाका और सियोल में भी इंवेस्टर मीट का आयोजन किया गया है। आज बस्तर में इसका आयोजन हो रहा है। सीएम ने कहा कि नई औद्योगिक पॉलिसी में बस्तर और सरगुजा पर विशेष फोकस है। इसके अंतर्गत एसटी एससी वर्ग के लोग या महिला उद्यमी बनना चाहते हैं तो नई उद्योग नीति में उनके लिए विशेष प्रोत्साहन की व्यवस्था है।

झंडा विवाद मामला : दो पुलिसकर्मी सस्पेंड आदतन बदमाश को भेजा गया जेल

दुर्ग, एजेंसी। उतई थाना के मचांदुर चौकी क्षेत्र के मचांदुर गांव में आर्मी के जवान के साथ दुर्व्यवहार करने वाले 2 पुलिस कर्मियों को एसएसपी ने सस्पेंड कर दिया है। वही मचांदुर चौकी पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी असलम खान को गिरफ्तार किया है। असलम खान के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक रिकार्ड दर्ज होने के कारण पुलिस ने उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई के लिए कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा है। क्या है पूरा मामला : पूरा विवाद 3 सितंबर को मचांदुर गांव का है। जहां गांव में रहने वाले आर्मी के जवान कौशल निषाद रात में अपने घर की छत पर भगवा झंडा लगा रहा था। इसी दौरान मचांदुर चौकी के दो आरक्षक मौके पर पहुंचे । उसे झंडा लगाने से मना कर दिया। इस दौरान दोनों आरक्षकों ने आर्मी जवान के साथ गाली गलौज की। जिसका वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ा था। भाजयुमो ने घर पर लगाया था झंडा : इसके बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा समेत अन्य हिंदू संगठनों ने हल्ला बोला दिया। जिसके बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा अपने कार्यकर्ताओं के साथ मचांदुर गांव के आर्मी के जवान के घर पहुंचकर भगवा झंडा लगाया था। इस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए दुर्ग एसएसपी ने पहले ही दोनों पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया था। इसके बाद एसएसपी ने मचांदुर चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक महेश देवांगन और आरक्षक रामकृष्ण दास को निलंबित कर दिया। एसएसपी के आदेश में क्या : एसएसपी ने आदेश में कहा है कि दोनों पुलिसकर्मियों के द्वारा विवाद के दौरान कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवम् अनुशासनहीनता पाए जाने पर निलंबन की कार्यवाही की गई है ।वहीं जवान के परिजनों को शिकायत के आधार पर असलम खान के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी असलम खान को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है ।आरोपी असलम खान के खिलाफ कई ऑपराधिक रिकार्ड दर्ज होने के कारण असलम खान के खिलाफ पुलिस जिला बदर की कार्यवाही के लिए कलेक्टर को प्रतिवेदन भेज दिया है।

भूपेश बघेल को संपत्ति कर का नोटिस, पूर्व सीएम बोले- चुका दूंगा राशि, कुनकुरी सदन का टैक्स भरने तैयार रहे सीएम

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजनीति में गुरुवार को एक नया विवाद खड़ा हो गया जब नगर निगम रायपुर ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को संपत्ति कर का नोटिस भेज दिया। इस नोटिस में 7,258 रुपये कर भुगतान की मांग की गई है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई को पूरी तरह से पूर्वाग्रहपूर्ण बताते हुए कहा कि शासकीय आवास पर संपत्ति कर लागू नहीं होता और भूपेश बघेल लगभग पौने दो साल पहले ही पाटन सदन खाली कर चुके हैं। ऐसे में यह नोटिस गैरकानूनी है और सरकार की मंशा पर सवाल उठाता है। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह पूर्व मुख्यमंत्री को राजनीतिक रूप से बदनाम करने के लिए नगर निगम को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है। उनका कहना है कि जब व्यक्ति आवास छोड़ चुका है तो उस पर कर का नोटिस भेजना भाजपा सरकार की दुराग्रह की राजनीति को उजागर करता है। संपत्ति कर नोटिस पर भूपेश बघेल का जवाब- इस पूरे मामले पर भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर तंज कसते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा मैं माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी को 7,258 रुपये अदा करने का वचन देता हूँ। वैसे तो शासकीय आवास में संपत्ति कर नहीं लगता, फिर भी जिस पाटन सदन को मैंने पौने दो साल पहले खाली कर दिया था, उसका नोटिस भेजा गया है। भले ही यह नोटिस अवैध है, लेकिन फिर भी मैं मुख्यमंत्री जी की इच्छा पूरी करुंगा। अच्छा है कि वे भी तैयार रहें क्योंकि उनकी सरकार कुनकुरी सदन का भी टैक्स मांगेगी। बघेल की यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। इस मामले को लेकर पूर्व महापौर एजाज ढेबर का कहना है कि शासकीय संपत्ति पर टैक्स नहीं लगता है। जिस पाटन सदन की बात कर रहे हैं, वह भूपेश बघेल को उस समय एलॉट हुआ था तब वह मुख्यमंत्री थे। मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद पाटन सदन खाली कर दिया गया है। नगर निगम की इस कार्रवाई पर आपत्ति है। वहीं नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर का भी कहना है कि शासकीय भवन पर संपत्ति कर नहीं लगता है। इसके पहले कभी शासकीय संपत्ति पर कर नहीं लगा है। उन्होंने बताया कि किसी भी शासकीय भवन पर संपत्ति कर नहीं लगता है। पानी चार्ज, यूजर चार्ज, समेकित कर लगता है। चूंकि अभी तक उनका ही मोबाइल नंबर नगर निगम में है और उन्ही की आईडी पर है, इसलिए उनको यह नोटिस चला गया है। यह भेजा नहीं गया है, यह ऑटो जनरेटेड है। मीनल चौबे ने कहा कि उसमें अपडेट करने का काम किया जा रहा है।

प्रेमिका की नृशंस हत्या, आरोपी को उम्र कैद की सजा, 51 बार किया था पेंचकस से वार

कोरबा, एजेंसी। प्रेमिका को किसी तीसरे से बात करने के शक पर खौफनाक तरीके से मौत के घाट उतारने वाले युवक को कोरबा जिला अदालत ने उम्र कैद की कड़ी सजा सुनाई है। इस घटना में शहर के पंप हाउस स्थित घर में धारदार पेंचकस से 51 बार गोदकर नृशंस हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। हत्या को अंजाम देने वाले आरोपी को आजीवन कारावास और अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया गया है। ये घटना 24 दिसंबर 2022 को हुई थी। जिसने खूब सुर्खियां बटोरी थी।

समझिए क्या था पूरा मामला - मामला थाना कोतवाली थाना अंतर्गत पम्प हाउस कॉलोनी का है। 24 दिसंबर 2022 की है। विशेष लोक अभियोजक रमेश सिंह यादव ने बताया कि पम्प हाउस निवासी प्रार्थी एक कम्पनी में हाउस कीपर और उसकी पत्नी स्कूल में आया का काम करती थी। इनकी बेटी कक्षा 12वीं पास करने के बाद घर में रहकर मेडिकल की तैयारी कर रही थी।लड़की हायर सेकेण्डरी स्कूल में 9वीं से 12वीं तक पढ़ाई के दौरान सृष्टि बाबा बस से रोज आना-जाना करती थी।

आरोपी ने पहले परिवार को भड़काने की कोशिश की थी - इसी दौरान बस के कंडक्टर से इसकी जान-पहचान हो गई थी। दोनों आपस में मोबाइल से बातचीत करते थे। घटना से 1 माह पहले लड़की की मां को आरोपी ने बताया कि उनकी बेटी किसी अन्य लड़के से बात करती है। आरोपी अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन कर लड़की से गाली-गलौच और विवाद करता है। जान से मार देने की धमकी देता था।

कंडक्टर ने खेला खूनी खेल - 24 दिसम्बर 2022 को घटना वाले दिन सुबह सभी अपने काम पर गए थे। लड़की अपने घर पर अकेली थी। इस दौरान लड़की के भाई ने पिता को फोन करके कहा कि वो मां को लेकर जल्दी घर आए।जब सभी घर आए तो देखा कि लड़की अचेत हालत में घर में पड़ी थी। उसके मुंह और नाक से खून निकल रहा था। सीने के पास पड़े कपड़े में भी खून लगा था।

पूरे शरीर पर वार के निशान - लड़की के चेहरे, गर्दन, हाथ और सीने में कई जगह नुकीले सूजानुमा औजार से चोट के निशान थे। जमीन में एक नुकीला सूजानुमा लोहे का औजार, खून से सने 2 काले रंग के लेदर जूते और दीवान के किनारे एक थैले में खाली पानी का बाटल, 3 नए पेचकस, 1 सूजा, 3 टेबलेट और रेजर पड़ा हुआ था। बिस्तर में पड़े शर्ट के पॉकेट में आरोपी के नाम का हवाई जहाज और बस का टिकट रखा मिला। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा - जांच के बाद पुलिस ने न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया गया। लोक अभियोजक रमेश सिंह यादव ने बताया कि प्रकरण की सुनवाई के दौरान आरोपी के खिलाफ परिस्थितियों, साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर हत्या और बलात्कार का दोष सिद्ध हो गया। आरोपी ने न सिर्फ सूजानुमा धारदार हथियार से 51 बार वार कर युवती की नृशंस हत्या की थी, बल्कि उसके साथ अनाचार भी किया था।

किन धाराओं में सुनाई गई सजा - न्यायालय विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 कोरबा पीठासीन न्यायाधीश- जयदीप गर्ग ने मुख्य आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 302 एवं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(2) (डब्ल्यू) के अंतर्गत दण्डनीय अपराध में दोष सिद्ध पाया।आरोपी को आजीवन सश्रम कारावास और तीनों धाराओं में 25-25 हजार, कुल 75 हजार रूपए के जुर्माना की सजा से दंडित किया है। अर्थदंड की राशि का भुगतान न करने पर 6-6 माह का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार: मंत्री मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है। देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे। स्पोटर्सस्टार प्लेकॉम~ बिजनेस आफ स्पोटर्स समिट 2025' में खेलमंत्री ने कहा, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो ।

इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा। खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने

कहा, इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें। उन्होंने कहा, पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है।

खिलाड़ियों के हितों की रक्षा

खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं। मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है । उन्होंने कहा, हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं।

भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखें, वे हमें नहीं हरा सकते: योगराज सिंह

चंडीगढ़, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखना चाहिए। पाकिस्तान टीम हमें नहीं हरा सकती है। बात करते हुए योगराज सिंह ने कहा, भारत-पाकिस्तान मैच को मैच की तरह ही लिया जाना चाहिए। इसे लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों को सियासत में नहीं खींचना चाहिए। इससे ज्यादा मैच पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड में युवराज सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसका क्या फायदा हुआ। हम खेलते तो जीत कर आते। उस समय नहीं खेले तो फिर अब क्यों खेल रहे हैं। जब भी मौका मिले भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होना चाहिए। आज की तारीख में पाकिस्तान टीम ऐसी नहीं है कि भारत को हरा सके। उन्होंने कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी और मजबूत है। मुझे नहीं लगता है कि इस वक्त कोई भी टीम हमें हरा सकती है। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। हमलोग देश के गौरव के लिए खेल रहे हैं। भारत की मौजूदा टीम में जो खिलाडी हैं, या आने वाले समय के जो खिलाड़ी हैं, वो बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे। इसमें आईपीएल का बहुत बड़ा योगदान है। जबतक आईपीएल है, भारतीय क्रिकेट को कोई पछाड़ नहीं सकता। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का हाथ था। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदुर चलाकर पीओके स्थित आतंकी ठिकाने नष्ट किए थे। सैन्य संघर्ष के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध न रखने की बात कही थी। माना जा रहा था कि एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच स्थगित हो सकता है। लेकिन, टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले भारत सरकार ने एशिया कप को वैश्विक टूर्नामेंट बताते हुए भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ खेलने की अनुमति दी थी।

त्राब्जोंसपोर में शामिल हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर, एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना 2025/26 सीजन के लिए तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर में लोन पर शामिल हो गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय क्लीयरेंस और रजिस्ट्रेशन पर निर्भर है। यह डील शुक्रवार को तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले पूरी कर ली गई। त्राब्जोंसपोर ने प्रेस रिलीज में कहा, मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ समझौता हो गया, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सीजन के लिए फ्री टेंपरेरी ट्रांसफर हमारे क्लब में किया गया है। कैमरून के 29 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने जुलाई 2023 में इटली के दिग्गज क्लब इंटर से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। ओनाना ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान सिर्फ एक मैच को छोड़कर शेष सभी मुकाबलों में हिस्सा लिया। उन्होंने वेम्बली में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ फाइनल में शानदार टीम प्रदर्शन के दम पर एफए कप जीतकर सीजन का अंत किया।

2024/25 सीजन में भी वह पहली पसंद के गोलकीपर बने रहे। ओनाना प्रीमियर लीग के सेव ऑफ द मंथ अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर बने।

अफरीदी ने भारत-पाकिस्तान मैच से पहले उगला जहर

बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच होना है। भारत में पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस मुकाबले को बहिष्कार करने की मांग हो रही है। हालांकि, भारत सरकार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को इस मुकाबले को खेलने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगला है। अफरीदी का बयान हैरानी भरा नहीं है। वह पहले भी भारत और भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं।

पाकिस्तानी मीडिया समा टीवी का एक वीडियो वायरल है, जिसमें शाहिद अफरीदी अनर्गल बात करते हुए यह कहते हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है। कुछ खिलाड़ी जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं। अफरीदी का वीडियो नीचे देख सकते हैं।

शाहिद अफरीदी ने क्या कहा?

अफरीदी ने कहा, वहां पे बहुत ज्यादा है। घरों तक पहुंच जाते हैं। घर जलाने की धमकियां देते हैं उन खिलाड़ियों को। कुछ ऐसे हैं जो वहां साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं। और एशिया कप में जाके कमेंट्री भी कर रहे हैं।

हिंसक प्रदर्शनों के कारण बदला वेन्यू

नेपाल से छीन लिया गया टी20 वर्ल्ड कप होस्ट करने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार आयोजित होने जा रहे महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले बड़ा बदलाव कर दिया गया है. नेपाल की राजधानी काठमांडू, जिसे टूर्नामेंट का न्यूट्रल वेन्यू चुना गया था, अब हटा दिया गया है. इसकी वजह बनी नेपाल में चल रही राजनीतिक अस्थिरता और हालिया हिंसक प्रदर्शन. यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट 11 से 25 नवंबर तक भारत में खेला जाएगा, जिसमें सात देशों की टीमें हिस्सा लेंगी - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका. इस टूर्नामेंट में कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलें खेले जाएंगे.

अब हालात बिगड़ने के कारण भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ ने घोषणा की कि नेपाल में चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते वहां मैच आयोजित करना सुरक्षित नहीं है. ऐसे में पाकिस्तान के मुकाबलों के लिए नया दूसरा न्यूट्रल वेन्यू जल्द तय किया जाएगा.

क्यों हटाया गया नेपाल का वेन्यू?

पहले बनाई गई योजना के तहत यह टूर्नामेंट नई दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित होना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए, पाकिस्तान के मैचों के लिए काठमांडू को न्यूट्रल वेन्यू बनाया गया था ताकि पाकिस्तान भी इस टूर्नामेंट में भाग ले सके.

भारतीय टीम की तैयारियां

भारत इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के साथ-साथ मजबूत दावेदार भी है. पिछले साल 2023 में हुए आईबीएसस वर्ल्ड गेम्स में भारतीय महिला ब्लाइंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता था.

उस समय ब्लाइंड क्रिकेट का डेब्यू भी हुआ था. टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी. भारतीय टीम में देश भर से 56 खिलाड़ियों की खोज के बाद 16 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है. कर्नाटक की दीपिका टीसी को कप्तान और महाराष्ट्र की गंगा एस कदम को उपकप्तान बनाया गया है.

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप: 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन, पदकों का खाता अब तक नहीं खुला

निंगबो (चीन), एजेंसी। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया

है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। मेहुली ने क्वालीफिकेशन राउंड में 583 अंक बनाकर 23वां स्थान हासिल किया, जबकि मानिनी 66 निशानेबाजों के बीच 580 अंक के साथ 45वें स्थान पर रहीं। इस स्पर्धा में भाग ले रही तीसरी भारतीय निशानेबाज सुरभि भारद्वाज 578 अंक के साथ 52वें स्थान पर रहीं।

इंडिया-पाकिस्तान एशिया कप 2025:

पाकिस्तान के 5 स्पिनर्स भारत के लिए खतरा कोच माइक हेसन की वॉर्निंग..कुलदीप की स्पिन पर कही ये बात

क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है. दोनों देशों के बीच 14 स?तंबर को एशिया कप में यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला होना है. ऐसे में दोनों देशों के स्पिनर्स में कौन बेहतर है, भारत से टक्कर लेने को पाकिस्तानी टीम कितनी तैयार है? इस पर पाकिस्तानी टीम के हेड कोच माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान माइंड गेम खेला.

दरअसल, हेसन ओमान संग शुक्रवार (12 सितंबर) को होने वाले मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित कर रहे थे. वहीं उन्होंने इस दौरान भारत संग मुकाबले पर भी बात की. हेसन ने कहा- हम जानते हैं कि भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके चलते उन्हें पूरा आत्मविश्वास है और यह स्वाभाविक भी है. हम टीम के रूप में हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं. हम आगे को लेकर चिंता नहीं कर रहे हैं, लेकिन चुनौती की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं. हम इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

कौन हैं पाकिस्तानी टीम में 5 स्पिनर्स?

हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- हमारी ताकत यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं. मोहम्मद नवाज इस समय दुनिया के बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं. इसके अलावा हमारे पास अबरार अहमद और सुफियान मुकीम भी हैं, जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सैम अयूब अब दुनिया के टॉप टेन ऑलराउंडर्स में शामिल हैं, जो उनके गेंदबाजी प्रदर्शन में सुधार का नतीजा है. सलमान अली आगा ने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वह पाकिस्तान के टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिनर हैं.

इस दौरान पाकिस्तानी कोच हेसन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया. उन्होंने स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज की तारीफ की. हेसन ने बताया कि नवाज का पाकिस्तान टीम में वापसी करना बेहद महत्वपूर्ण रहा है. पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाने के बावजूद, नवाज ने शानदार प्रदर्शन किया है.

उन्होंने हाल ही में यूएई में हुए ट्राई-सीरीज फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली और पांच विकेट भी चटकाए. हेसन ने कहा कि नवाज इस समय शानदार फॉर्म में हैं और उनकी भूमिका टीम के लिए अहम साबित होगी.

कुलदीप यादव पर पाक कोच ने क्या कहा?

पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने यह भी कहा कि दुबई की पिच पर उतनी स्पिन नहीं मिलने की संभावना है, जितना शारजाह में था. हेसन ने कहा-देखिए, मुझे नहीं लगता कि आप उम्मीद कर सकते हैं कि दुबई की पिच शारजाह की तरह बहुत स्पिन करेगी. जब कुलदीप यादव न यूएई के खिलाफ गेंदबाजी की थी, तब भी बहुत अधिक स्पिन नहीं मिलती थी. लेकिन जब आपके पास ऐसे रिस्ट स्पिनर हैं, तो सतह की ज्यादा अहमियत नहीं रहती.

पंजाब में फुटबॉल क्रांति: पंजाब फुटबॉल क्लब ने खोले 12 नए केंद्र, रचा सबसे बड़ा ग्रासरूट्स नेटवर्क

मोहाली, एजेंसी। पंजाब, जो कभी हॉकी और कबड्डी के लिए जाना जाता था, अब फुटबॉल की नई धड़कन बन गया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हिस्सा पंजाब फुटबॉल क्लब ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य में 12 नए डेवलपमेंट सेंटर्स शुरू किए हैं। इस विस्तार के साथ, क्लब के पास अब कुल 26 केंद्र हो गए हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा फुटबॉल ग्रासरूट्स नेटवर्क बन गया है। यह पहल टैलेंट हर जगह है, अवसर नहीं की विचारधारा पर आधारित है और इसका उद्देश्य पंजाब में फुटबॉल को एक संस्कृति बनाना है। इन नए केंद्रों को जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, मुक्तसर साहिब, पठानकोट, बरनाला और रूपनगर जैसे जिलों में शुरू किया गया है। हर सेंटर में अंडर-8 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल कोचिंग, न्यूट्रिशन गाइडेंस और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का स्पष्ट रास्ता मिलेगा।

बाबू अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ क्लब, साहौली (लुधियाना) और बजवाड़ा (होशियारपुर) जैसे केंद्रों में लड़कियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो खेल में समान अवसर देने की पंजाब एफसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंजाब एफसी का यह मॉडल अब रंग ला रहा है। कुछ ही सालों में, कई अकादमी ग्रेजुएट्स भारत की अंडर-16, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीमों का हिस्सा बन चुके हैं। यह स्ट्रक्चर्ड पाथवे यह सुनिश्चित करता है कि आज अंडर-8 में ट्रेनिंग शुरू करने वाला बच्चा सीधे इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) तक का सफर तय कर सके।

दलीप ट्रॉफी फाइनल: सेंट्रल जोन का स्कोर 200 रन पार कप्तान रजत पाटीदार शतक लगाकर आउट, साउथ जोन 149 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेला जा रहा है।

आज यानी शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन है। सेंट्रल जोन ने आज अपनी पहली पारी को 50/0 के स्कोर से आगे बढ़ाया। खबर लिखे जाने तक टीम ने 5

विकेट के नुकसान पर 276 रन बना लिए हैं। कप्तान रजत पाटीदार शतक (101 रन) लगाकर आउट हुए। ओपनर अक्षय वाडकर 22, दानिश मालेवार 53 और शुभम शर्मा 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। सारांश जैन को 5 विकेट साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम के लिए तन्मय अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। उनके अलावा सलमान निजार 24, अंकित शर्मा 20, रिकी भुई 15 और एमडी निधेश 12 रन बनाए। सेंट्रल जोन की ओर से सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट झटके।

घर में पूजास्थल बनाते समय किन-किन बातों का ध्यान रखें

1. अलग पूजा कक्ष बनवाएं- घर में यदि स्थान की कमी न हो, तो अलग से पूजा कक्ष का निर्माण करें। पूजा कक्ष के द्वार का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। दम्पत्तियों के कक्ष में पूजा कक्ष नहीं बनाना चाहिए, ऐसा माना जाता है कि अगर आप शारीरिक सम्बंधों को घर के बाकी लोगों के समक्ष नहीं बनाते हैं तो ईश्वर के सामने भी ऐसा न करें। यही कारण है कि पूजा स्थलों में भी परिसर के अंदर सराय नहीं होते हैं।
2. रसोई के अंदर या ठीक विपरीत मंदिर न रखें:पूजा स्थल को कई लोग रसोई में बना लेते हैं, ऐसा न करें। न ही रसोई के ठीक विपरीत पूजा स्थल बनाएं। कई घरों में किचेन में ही डस्टबीन और बाकी का कूडा रखा रहने दिया जाता है, ऐसे में भगवान रखना सही नहीं होता है। साथ ही खाना बनाने के दौरान धुआं भी मंदिर तक पहुँचेगा।
3. मंदिर की स्थिति सबसे ज्यादा मायने रखती है-अगर आप दो मंजिला इमारत पर रहते हैं तो अपने पूजा कक्ष को इस प्रकार बनाएं कि ऊपरी मंजिल में उसके ऊपर बाथरूम या लैट्रिन न हों। मंदिर एक पवित्र स्थान होता है, इसका पूरा ख्याल रखें।
4. मंदिर में कभी ताला न लगाएं-कई लोग ऐसे मंदिर रखते हैं कि पूजा करने के बाद उसे लॉक कर दें। ऐसा कतई न करें। मंदिर, पूता के लिए होता है न कि भगवान को अंदर बंद रखने के लिए। मंदिर को खुला रहने दें, इससे घर व उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।
5. मंदिर की नियमित सफाई करें- आप प्रतिदिन स्नान करते हैं तो मंदिर हर दिन क्यों साफनहीं कर सकते। घर के अन्य हिस्सों की तरह मंदिर की सफाई भी प्रतिदिन कीजिए। हर मूर्ति व तस्वीर को साफकरें, इससे आपको ही अच्छा महसूस होगा।
6. घर पर कितनी मूर्तियां रखें-मंदिर में सिर्फभगवान होते हैं वहां भौतिकवादिता की कोई जगह नहीं होती है। लेकिन घरों में हम पारिवारिक जीवन जीते हैं इसलिए बहुत ज्यादा मूर्ति या तस्वीरें रखने की आवश्यकता नहीं होती है। घर पर कुछ सीमित ही मूर्तियों व तस्वीरों को रखना चाहिए, जोकि निम्न प्रकार हैं।
7. लक्ष्मी, दुर्गा और सरस्वती:कई लोगों का मानना है कि तीनों की मूर्ति आप रख सकते हैं लेकिन कई बार, पुजारियों व विद्वानों के द्वारा इन तीनों देवियों की मूर्ति एक साथ रखने को मना किया जाता है। मानते हैं कि इससे घर में बुरा होता है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पडता है। गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी का पूजन, दीपावली पर होता है तो इस प्रकार लक्ष्मी जी हर घर में प्रवेश करती हैं। हां, गणेश जी की मूर्ति को आप घर में किसी भी स्थान पर आराम से रख सकते हैं।
8. दो शिवलिंग :घर के मंदिर में शिवलिंग रखना निषिद्ध होता है। कई लोग एक ही शिवलिंग रखना सही मानते हैं, जबकि कायदानुसार एक भी शिवलिंग को नहीं रखना चाहिए। शिवलिंग को सिर्फधार्मिक स्थलों पर ही रखना चाहिए।
9. मूर्तियां व चित्रों को लेकर नियम : घर में कभी भी कृष्ण या राधा / रूक्मिणी या मीरा की तस्वीर को नहीं लगाना चाहिए।

भगवान कार्तिकेय की उनकी दोनों पत्नियों वाल्ली और देवासेना के साथ भी कोई फोटो न लगाएं। गणेश भगवान की रिद्धि और सिद्ध के साथ भी मूर्ति या तस्वीर लगाना, शास्त्रों में मना किया गया है। माना जाता है इससे शादी में समस्या आती है।

10. मूर्तियों को क्रम से लगाएं:ब्रहमा, विष्णु और महेश की मूर्तियों को सही क्रम में लगाएं।

तुलसी की गंध से क्यों प्रसन्न होते हैं पितृदेव

धर्मशास्त्रों में श्राद्ध के दौरान तुलसी के महत्व को बताया गया है, जिसकी गंध से पितृ प्रसन्न होते हैं और विष्णु लोक जाते हैं। श्राद्ध में काले तिल, जौ, चावल, और गाय के दूध से बने पदार्थ प्रशस्त माने जाते हैं। श्राद्ध करते समय किस सामग्री का प्रयोग करना चाहिए, किसका नहीं, इन सब बातों की जानकारी प्राचीन धार्मिक ग्रांथों में वर्णित है, श्राद्ध में तुलसी दल के प्रयोग की महिमा भी बताई गई है। धर्मशास्त्रों में श्राद्ध में तुलसी दल की महिमा का बखान मिलता है, तुलसी दल की गंध से पितृ प्रसन्न होकर गरुड़ पर आरूढ़ हो विष्णु लोक को चले जाते हैं। तुलसी दल से पिण्डार्चन किए जाने पर पितृ लोग प्रलय पर्यन्त तृप्त रहते हैं। इस विषय में धम शास्त्रों का प्रमाण है,

श्राद्ध करते समय इन बातों का भी रखें ध्यान

तिल को देव अन्न कहा गया है, काला तिल ही वह पदार्थ है जिससे पितृगण संतुष्ट होते हैं, इसलिए काले तिल से ही श्राद्धकर्म करने का विधान है।

श्राद्ध क्रिया दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके ही करनी चाहिए।

श्राद्ध बिना आसन के नहीं करना चाहिए, कुशा के आसन को श्रेष्ठ माना गया है, लकड़ी के पट्टे को आसन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है लेकिन उसमें लोहे की कील नहीं लगी होनी चाहिए, ऊन, रेशम के आसन का भी प्रयोग किया जा सकता है, ऐसा श्राद्धकल्पलता में विवरण प्राप्त होता है।

श्राद्ध में प्रशस्त अन्न-फलादि- श्राद्ध में तिल, जौ, सांवां, चावल, गेहूं, गाय के दूध एवं उससे बनी हुई वस्तुएं, मधु, चीनी, महाशाक, बेल, आंवला, अंगूर, कटहल, अनार, अखरोट, कसेरू, नारियल, खजूर, नारंगी, बेर, सुपाड़ी, अदरक, जामुन, परवल, गुड़, कमलगट्टा, नींबू, पीपल आदि शाक श्राद्ध में प्रशस्त कहे गए हैं, जिनका प्रमाण वायु पुराण, श्राद्धचन्द्रिका, श्राद्धविवेक, श्राद्धप्रकार, श्राद्धकल्प में मिलता है।

श्राद्ध में निषेध अन्न- कोदो, चना, मसूर, बड़ा उड़द, कुलथी, सत्तू, मूली, काला जीरा, टेंटी, कैथ, खीरा, काला नमक, लौकी, कुम्हड़ा, बड़ी सरसों, काली सरसों की पत्ती, शतपुष्पी और कोई भी बासी, गला-सड़ा, कच्चा, अपवित्र फल या अन्न निषिद्ध है।

भोजन पात्र- धर्मशास्त्रों के अनुसार सोने, चांदी, कांसे और ताम्बे के पात्र उत्तम हैं, इनके अभाव में पीतल से काम लेना चाहिए, पर केले के पत्ते में श्राद्ध भोजन सर्वथा निषेध है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये हाथ से बने हुए मिटटी के बर्तनों का प्रयोग करना चाहिए। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार मिट्टी के बने हुए बर्तनों के अलावा लकड़ी के बर्तन, पत्तों के दोने (केले के पत्ते का नहीं हों) का भी प्रयोग किया जा सकता है। श्राद्ध में पितरों को भोजन सामग्री देने के लिये चांदी के बर्तनों का प्रयोग विशेष महत्वपूर्ण माना गया है, सोने, ताम्बे और कांसे के बर्तनों का भी प्रयोग किया जा सकता है लेकिन लोहे के बर्तनों का प्रयोग कदापि नहीं करना चाहिए।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। जीवनसाथी का आपको पूरा सहयोग मिलेगा और आप उनकी खूब केयर करेंगे। आप अपनी आय बढ़ाने के सोर्सो का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन निवेश आपको थोड़ा समझदारी से करना होगा। प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर होगा और फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न होगी, तो आप उसे अपने विचारों से सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपके साथी से रिश्ते भी बेहतर रहेंगे। आप शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आपको इधर-उधर की बातों में पड़ने से बचना होगा। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिससे आपको खुशी होगी।

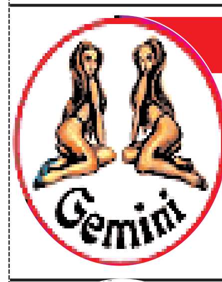

मिथुन आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए आप कहीं बाहर भेज सकते हैं। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील मिल सकती है, जिससे उन्हें अपने व्यापार में कुछ नए लोगों को शामिल भी करना पड़ सकता है। आपके काम की गति तेज रहेगी, लेकिन आलस्य के कारण आप कुछ कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। परिवार में छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपको जीवनसाथी की सेहत को लेकर थोड़ा सा सतर्क रहना होगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आपको कोई काम बहुत ही संभालकर करना होगा। दूसरों के मामले में बोलने से आपको कोई टेंशन मिल सकती है। आप मित्रों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है। आपको किसी से किए हुए बातें को पूरा करना होगा और आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे।

कन्या आज का दिन आपके लिए बेफिजूल के खर्चों पर रोक लगाने के लिए रहेगा। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे किसी अच्छे अवसर को पाकर काफी खुश होंगे। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जो लोग किसी को पसंद करते हैं, वह उनसे अपने प्रेम का इजहार कर सकते हैं। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी, लेकिन आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा।

तुला आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके सहयोगी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोग किसी परीक्षा को देने जाएंगे। आपकी व्यवसाय में मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी पद और प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी होगी। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें।

वृश्चिक आज का दिन व्यापार में वृद्धि लेकर आने वाला है। कारोबार में आपको पार्टनरशिप में कोई काम करने से बचना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिसके बाद आप अपने घर किसी तरह का पूजा पाठ का आयोजन कर सकते हैं। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। आपकी सोच समझ से काम पूरे होंगे। आपको अपनी कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा और आपकी आय बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

धनु आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको किसी काम की वजह से अचानक अपने कामों में बदलाव करना पड़ सकता है। जिससे आपका डेली रूटीन बिगड़ेगा। आपको यदि कोई दिल से संबंधित समस्या हो, तो उसको लेकर आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपकी कोई प्रॉपर्टी को लेकर डील अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है।

मकर आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। पारिवारिक जीवन में आपसी प्रेम और सहयोग आप पर बना रहेगा। भाई- बहनों से आपकी खूब पटेगी। जीवनसाथी के लिए आप कोई उपहार लेकर जा सकते हैं। आपके बिजनेस में धन को लेकर कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको किसी की बातों पर भरोसा करने से बचना होगा और आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपके रहन-सहन के स्तर में भी सुधार आएगा। आप वैवाहिक जीवन में आप तालमेल बनाकर चलेंगे, जिससे आपकी साथी के साथ बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। आपको यदि संतान के करियर को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होते दिख रही है। आपको अपनी माताजी से कोई भी बात गुप्त नहीं रखनी है।

मीन आज का दिन आपके लिए कुछ नई चुनौतियां लेकर आएगा, लेकिन आपको उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें और अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें। जीवनसाथी को नौकरी में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने पुराने कार्यों को भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे और सेहत में उतार-चढ़ाव लगा रहेगा, जिसमें आपको लापरवाही नहीं करनी है।

तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की पावन धरा पर हुआ ऐतिहासिक और अविस्मरणीय आयोजन

विश्व-मैत्री महोत्सव-धर्म, मैत्री और मानवता का संगम- आरिफ मोहम्मद खान

सम्मेद शिखर जी, 12 सितम्बर 2025 तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की पावन धरा पर आयोजित विश्व-मैत्री महोत्सव आध्यात्मिक गरिमा और सामाजिक सहभागिता के साथ भव्यता से सम्पन्न हुआ। श्रद्धेय श्री देवेन्द्र ब्रह्मचारी जी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस विराट महोत्सव ने सम्पूर्ण झारखंड ही नहीं, बल्कि समस्त भारत को गौरवान्वित किया। बिहार के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, गिरिडीह सांसद श्री चंद्रप्रकाश चैधरी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और गौरवशाली बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज तथा आचार्य श्री समयसागरजी महाराज के मंगल चित्र अनावरण से हुआ। इसके पश्चात् परम पूज्य निर्यापक श्रवण मुनिश्री समतासागरजी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में मंगल वचनों का लाभ मिला। गुरुवंदना के पावन अवसर पर पूज्य आर्यिका रत्न गुरुमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका दृढ़मति माताजी ससंघ ने सस्वर मंगलपाठ और प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को आत्मशुद्धि, संयम और धर्ममय जीवन का प्रेरक संदेश दिया।

राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने अपने संदेश में कहा- ÷साधु-संतों की तपस्या, त्याग और धर्ममय जीवन समाज के लिए अमूल्य प्रेरणा है। विश्व-मैत्री महोत्सव जैसे आयोजन राष्ट्र को शांति, सद्भाव और सदाचार की ओर अग्रसर करने वाले प्रकाशपुंज हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज भगवान महावीर के अहिंसा, शांति एवं विश्व मैत्री संदेश की दुनिया को ज्यादा जरूरत है।''

गिरिडीह सांसद श्री चंद्रप्रकाश चौधरी ने इसे सम्पूर्ण झारखंड का गौरव बताते हुए कहा- ÷सम्मेद शिखर जी की पावन भूमि पर इतना विराट आयोजन होना भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को नई ऊँचाई देने वाला है।÷

श्रद्धेय श्री देवेन्द्र ब्रह्मचारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा- ÷साधु-संतों का सान्निध्य ही जीवन की सबसे बड़ी धरोहर है। जब साधना और तप की अग्नि समाज में प्रकाश फैलाती है, तब मानवता अपने चरम सौंदर्य को प्राप्त करती है। इस महोत्सव ने हजारों आत्माओं को संयम, शांति और मैत्री का अमृतपान कराया है। विश्व-मैत्री महोत्सव केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह मानवता को जोड़ने, धर्म की शाश्वत ज्योति को प्रज्वलित रखने और समूचे समाज को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प है। आज हमें यह समझना होगा कि धर्म का असली उद्देश्य पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मा में करुणा, जीवन में संयम और समाज में सद्भाव जगाना है। जब मनुष्य धर्म और मैत्री के पथ पर चलता है, तभी उसका जीवन सार्थक बनता है और राष्ट्र उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने आगे कहा कि आज की विभाजित और तनावग्रस्त दुनिया को शांति और सद्भाव की सबसे अधिक आवश्यकता है। यह महोत्सव एक नए युग की शुरुआत है, जहाँ सीमाएँ मिटेंगी और समग्र मानवता एक परिवार की तरह जीना सीखेगी। आयोजन का समन्वय मनोज चयन इशिका एवं अजय जैन गंगवाल ने किया। सहयोग में श्री ताराचंद जैन (अध्यक्ष, दिगंबर जैन धार्मिक न्यास परिषद, झारखंड), संजय पाटनी एवं सानो पाटनी सहित अनेक व्यक्तित्व सक्रिय रहे।

इस अवसर पर समाजहित और उत्कृष्ट योगदान देने वाले पंकज सोनी (समाज गौरव सम्मान), डॉ. संजय कुमार (विद्या वारिधि सम्मान), ब्रह्मचारी धीरज भैयाजी (आध्यात्मिक सेवाभाव सम्मान), अजय जैन गंगवाल (संयोजन गौरव सम्मान) और श्रीमती मोनिला जैन (सांस्कृतिक समर्पण सम्मान) सहित कई व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

मणिपुर में भाजपा सदस्यों ने दिया सामूहिक इस्तीफा, 43 ने छोड़ी पार्टी

इंफाल , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर के संभावित दौरे से कुछ दिन पहले राज्य के उखरुल जिले के फुंग्यार निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कम से कम 43 सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता से गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। नगा बहुल जिले में पार्टी के फुंग्यार मंडल से इस्तीफा देने वालों में मंडल अध्यक्ष, महिला, युवा और किसान मोर्चा के प्रमुख एवं निर्वाचन क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष शामिल हैं।

भाजपा सदस्यों ने एक बयान में कहा कि वे ''पार्टी के भीतर वर्तमान स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं'' और ''परामर्श, समावेशिता और जमीनी स्तर के नेतृत्व के प्रति सम्मान की कमी'' को इस कदम के पीछे प्रमुख कारण बताया। इसमें कहा गया, ''पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रति हमारी निष्ठा सदैव अटूट रही है। हम अपने समुदाय और मणिपुर के लोगों के कल्याण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हैं।'' प्रधानमंत्री के शनिवार को मणिपुर पहुंचने की संभावना है, जो मई 2023 में इंफाल घाटी स्थित मेइती और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी-जो लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पूर्वोत्तर राज्य की उनकी पहली यात्रा होगी। इस हिंसा में 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है तथा हजारों लोग बेघर हुए हैं। फरवरी में एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केंद्र ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

संक्षिप्त समाचार

पति नपुंसक, ससुर करते हैं पोते के लिए सेक्स की मांग; पूर्व एसीपी की बहू के आरोप

पुणे , एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने ससुर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। खबर है कि आरोपी पूर्व पुलिस उपायुक्त है। महिला के आरोप हैं कि रिटायर्ड अधिकारी ने उनके साथ संबंध बनाने की कोशिश की। साथ ही उन्होंने पति और सास पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल, मामले की जांच जारी है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व एसीपी के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। पुलिस के अनुसार, महिला के आरोप हैं कि उनका पति बच्चे पैदा करने में असमर्थ है। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टर से बात करने, फर्टिलिटी ट्रीटमेंट लेने या गोद लेने पर विचार करने के बजाए उनपर दबाव डाला गया कि ससुर के जरिए बच्चे पैदा करो। महिला ने पति और सास पर दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों की शादी करीब 5 महीने पहले हुई थी। इसके बाद दोनों हनीमून के लिए महाबलेश्वर गए थे। यह यात्रा उन्होंने शादी के 15 दिन बाद की थी। महिला ने बयान दिया है कि उनके दोनों के बीच कभी शारीरिक संबंध नहीं सके। महिला के आरोप हैं कि पति ने हनीमून के दौरान शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया था। महिला का दावा है कि वह कथित नपुंसकता की वजह से ऐसा कर रहे थे। महिला ने पुलिस में शिकायत दी है कि उनके ससुर ना सिर्फ डिमांड करते हैं, बल्कि कई मौकों पर उनके कमरे में आ गए। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि वह बार-बार शारीरिक संबंध बनाने के लिए कह रहे थे।

दो दोस्तों ने अजगर को पकड़ा, उसे मारकर करी बनाकर खा गए; पुलिस ने किया गिरफ्तार

मलप्पुरम, एजेंसी। वन विभाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रेंज अधिकारी सुरेश पी और उनकी टीम ने प्रमोद के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान अजगर के अवशेष और पकाया हुआ व्यंजन जब्त किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। दूसरी ओर, दुर्लभ और घातक मस्तिष्क संक्रमण अमीबिक मेनिन्जोएन्सेफलाइटिस से केरल में मौतों का सिलसिला जारी है। कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में एक मरीज की मौत हो गई, जिसके साथ राज्य में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। मलप्पुरम जिजे के चेलांब्रा निवासी 47 वर्षीय शाजी को 9 अगस्त को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उनकी हालत गंभीर हो गई थी और गुरुवार तड़के उनका निधन हो गया। शव को आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शाजी इस संक्रमण की चपेट में कैसे आए। यह रोग आम तौर पर दूषित जल में पाए जाने वाले अमीबा के कारण होता है। फिलहाल कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में इस संक्रमण से ग्रस्त 10 मरीजों का उपचार हो रहा है।

नोएडा में खूब बन रहीं अवैध इमारतें, कार्रवाई के नाम पर बस खानापूर्ति

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सालारपुर, हाजीपुर, भंगेल और बरौला में बड़ी संख्या में अवैध इमारतें खड़ी हो गई हैं। अवैध तरीके से फ्लैट की बिक्री भी की जा रही। प्राधिकरण और प्रशासन के अधिकारी इन्हें रोक पाने में नाकाम साबित हो रहे। प्राधिकरण का दावा है कि अवैध इमारतों पर कार्रवाई के लिए नोटिस चस्पा किए गए हैं। विज्ञापन भी प्रकाशित करा रहे। साथ ही पुलिस और प्रशासन को रिपोर्ट भी भेजी है। जल्द ही अवैध निर्माण करने वालों को भूमाफिया घोषित कर इन इमारतों को ध्वस्त किया जाएगा। दरअसल, महर्षि आश्रम के पास बीते दो वर्षों में एक नई शाहबेरी का निर्माण हो चुका है। यहां बड़ी संख्या में इमारत बनाकर अवैध रूप से फ्लैटों की बिक्री की जा रही है। इनमें से अधिकांश इमारतों का निर्माण मानकों का उल्लंघन करके किया गया है। अधिकतर इमारतें आपस में सटी हैं। इससे भविष्य में हादसा होने की संभावना है।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भंवरी देवी के वारिसान को पेंशन नहीं

जोधपुर, एजेंसी। बहुचर्चित एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड से जुड़ा मामला एक बार फिर राजस्थान हाईकोर्ट में गूंजा है। हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद मृतका भंवरी देवी के वारिसान को पेंशन और सेवा परिलाभ नहीं दिए जाने पर दाखिल अवमानना याचिका में अब अदालत ने सख्ती दिखाई है। जस्टिस रेखा बोराणा की एकलपीठ ने 21 माह से आदेश की पालना न होने पर अवमानना याचिका में नोटिस जारी कर चिकित्सा सचिव, जोधपुर सीएमएचओ, पेंशन विभाग व एलआईसी समेत संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मृतका भंवरी देवी के पुत्र साहिल पेमावत व दोनों पुत्रियों की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने यह अवमानना याचिका पेश की। याचिका में कहा गया कि 1 सितंबर 2011 को हुई भंवरी देवी की हत्या के बाद से अब तक बकाया सेवा परिलाभ और नियमित पेंशन नहीं दी गई है। हाईकोर्ट ने 12 जनवरी 2024 को रिट याचिका स्वीकारते हुए स्पष्ट आदेश दिया था कि मृतका के समस्त बकाया सेवा परिलाभ, देय पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ की गणना कर समस्त एरियर का भुगतान चार माह के भीतर वारिसान को किया जाए। साथ ही आदेश में ब्याज सहित भुगतान का भी प्रावधान किया गया था। अदालत ने यह भी छूट दी थी कि चिकित्सा विभाग, मृतका के मृत्यु संबंधी आवश्यक सूचना और सर्विस बुक अधीनस्थ न्यायालय से आवेदन कर प्राप्त कर सकेगा। इसके बावजूद आदेश की पालना नहीं हुई। याचिका में बताया गया कि 21 माह बीतने के बाद भी न तो पेंशन दी गई और न ही सेवा परिलाभ का भुगतान किया गया। उल्टा, जोधपुर सीएमएचओ कार्यालय ने भंवरी देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र न होने का बहाना बनाकर मामले को अटका रखा है। जबकि हकीकत यह है कि तत्कालीन जोधपुर सीएमएचओ ने ही 16 जनवरी 2012 को आदेश जारी कर भंवरी देवी को मृत मानते हुए सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया था।

इतना ही नहीं, निदेशक चिकित्सा विभाग जयपुर ने 28 फरवरी 2012 को भंवरी देवी के पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति भी प्रदान की थी।

राजस्थान में रातें हुई ठंडी, दिन में बढ़ी गर्मी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बीते कुछ दिनों से बारिश का दौर थमने के बाद मौसम शुष्क हो गया है। गुरुवार को पूरे प्रदेश में धूप खिली रही और आसमान साफ नजर आया। मौसम में नमी बढ़ने के कारण गर्माहट महसूस हुई, वहीं कुछ शहरों में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। श्रीगंगानगर, बीकानेर, फलोदी और पिलानी में अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि देखी गई। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले दो सप्ताह का पूर्वानुमान जारी किया है। अनुमान के अनुसार, 16 सितंबर तक पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। इस दौरान धूप और साफ आसमान के चलते दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रह सकता है। वहीं, 17 सितंबर से मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, खासतौर पर पूर्वी राजस्थान के कोटा और उदयपुर संभाग के जिलों में बारिश की गतिविधियां शुरू होंगी। गुरुवार को प्रदेश के कई शहरों में अधिकतम तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा तापमान श्रीगंगानगर में 35.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हाल ही में हुई अच्छी बारिश के बाद अब वातावरण में नमी का स्तर बढ़ गया है। इसका असर न्यूनतम तापमान पर भी देखने को मिल रहा है। जोधपुर, जैसलमेर, कोटा और अजमेर समेत कई शहरों में रात का तापमान औसत से दो डिग्री तक नीचे दर्ज किया गया। इससे रात के समय हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। सिरोही में गुरुवार को राज्य का सबसे कम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इसके अलावा अन्य जिलों में न्यूनतम तापमान 20 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड हुआ।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक राजस्थान के अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। दिन में धूप खिलने और साफ आसमान के चलते दिन का तापमान धीरे-धीरे बढ़ सकता है। हालांकि, रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा जिससे कई इलाकों में हल्की ठंडक बनी रहेगी। 17 सितंबर से एक बार फिर मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। इस दौरान पूर्वी राजस्थान के कोटा और उदयपुर संभाग में बारिश का दौर शुरू होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर के दूसरे पखवाड़े में होने वाली यह बारिश खरीफ फसलों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। वहीं, बारिश से तापमान में भी गिरावट आएगी और लोगों को गर्माहट से राहत मिलेगी। प्रदेश में हाल ही में हुई बारिश से फसलों को अच्छा लाभ मिला है। अब मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना किसानों के लिए और राहत लेकर आ सकती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि सितंबर के मध्य में होने वाली बारिश से खेतों में नमी बरकरार रहेगी और देर से बोई गई फसलों को सहारा मिलेगा। दूसरी ओर, आमजन को भी दिन में पड़ रही गर्माहट से छुटकारा मिलेगा। वर्तमान में दिन में धूप और बढ़ती नमी के कारण मौसम थोड़ा असहज हो रहा है। ऐसे में मानसूनी बारिश से मौसम सुहावना होगा और न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

ट्रंप ने फिर किया टैरिफ वार!

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और चीन पर बड़ा आर्थिक दबाव बनाने की बात कही है। उन्होंने जी7 देशों से कहा है कि वे भारत और चीन द्वारा रूस से खरीदे जा रहे तेल पर 100 प्रतिशत तक का भारी टैरिफ लगाएं। ट्रंप का मानना है कि ऐसा करने से रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने का दबाव बनेगा।

क्यों लग सकता है इतना टैरिफ?

अमेरिका का मानना है कि भारत और चीन द्वारा खरीदा गया रूसी तेल, रूस की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, जिससे यूक्रेन युद्ध और लंबा खिंच रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी के प्रवक्ता ने कहा कि यह टैरिफ सिर्फ अस्थायी होगा और युद्ध खत्म होते ही हटा लिया जाएगा। इसे अमेरिका की पीस एंड प्रॉस्पेरिटी एडमिनिस्ट्रेशन का हिस्सा बताया गया है।

ट्रंप ने जी7 देशों के साथ-साथ यूरोपीय यूनियन को भी यही सलाह दी थी। यूरोपीय यूनियन इस बात से सहमत नहीं है। श्व का मानना है कि इस तरह के टैरिफ लगाने से भारत और चीन जैसे बड़े देशों के साथ उनके व्यापारिक संबंध खराब हो सकते हैं और बदले की भावना भी पैदा हो सकती है। इसके बजाय श्व 2027 तक रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता खत्म करने और रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। अगर अमेरिका श्व और जी7 देश मिलकर भारत और चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाते हैं, तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा। रूस सस्ते में तेल बेचता है और अगर यह सौदा महंगा हो गया तो भारत और चीन में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ सकते हैं। इससे महंगाई और भी बढ़ जाएगी। जिससे अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ेगा। ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों के लिए भी ट्रंप की बात मानना मुश्किल होगा, क्योंकि उनके भारत के साथ अच्छे व्यापारिक और रक्षा संबंध हैं। भारत और ब्रिटेन ने हाल ही में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि फ्रांस भारत का एक बड़ा सैन्य खरीददार है।

भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी... टैरिफ तनाव पर बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच संबंध रूसी तेल खरीद पर अटके हुए हैं। ट्रंप प्रशासन की तरफ से भारत के राजदूत के तौर पर नियुक्त किए गए सर्जियो गोर ने सीनेट के सामने अपने बाकी अमेरिकी साथियों की तरह एक बार फिर से इस बात को दोहराया कि भारत को रूसी तेल खरीद बंद करनी होगी। हालांकि सर्जियो गोर ने दोनों देशों के बीच चल रहे टैरिफ तनाव को बस कुछ हफ्तों का बताया। उन्होंने गुरुवार को यह भरोसा जताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में ही यह तनाव सुलझ जाएगा। इतना ही नहीं गोर ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच में बहुत थोड़ी सी बातों को लेकर मतभेद हैं, जिन्हें जल्दी ही सही कर लिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले गोर ने सीनेट के सामने अपना संबोधन देते हुए भारत को अमेरिका रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसका भविष्य उस क्षेत्र और उससे आगे के भविष्य को आकार देगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में, मैं इस साझेदारी में अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सीनेट के सामने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए गोर ने कहा, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमता इसे क्षेत्र की आधार शिला और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बनाती हैं। इस वजह से यह दोनों देशों के साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। गोर ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की दोस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ तनाव के बावजूद दोनों नेताओं के बीच में अविश्वसनीय संबंध हैं।

चार्ली किर्क मर्डर केसः एफबीआई ने जारी की संदिग्ध की तस्वीर, हत्यारे को लेकर बड़ा खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पुलिस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क के हत्यारे की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए एफबीआई ने एक तस्वीर जारी की है और संदिग्ध की पहचान में जनता से सहायता मांगी है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने गोली चलाने के बाद छत से कूदकर भाग गया था। गौरतलब है कि अमेरिका के यूटा प्रांत में एक कॉलेज में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जांच एजेंसी एफबीआई ने बताया कि जिस इलाके से संदिग्ध भागा था, वहां से एक राइफल बरामद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर कॉलेज के छात्रों की उम्र का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि हमलावर चीख-पुकार और छात्रों में मची अफरा-तफरी के बीच फरार हो गया। जांच अधिकारी हमलावर की तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों को इस हत्या के उद्देश्य का पता नहीं चल सका है, लेकिन इस घटना ने अमेरिका में बढ़ती राजनीतिक हिंसा को लेकर चिंताओं को फिर से बढ़ा दिया है, जो हाल के वर्षों में विभिन्न विचारधाराओं के लोगों के बीच देखी गई है।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताज़ा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच
व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

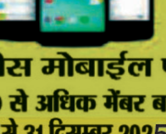

बीस मोबाईल फोन
+ कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
+ ये स्कीम एक जनवरी 2025से 31 दिसम्बर 2025तक चलेगी।
+ 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
+ हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
+ ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
+ भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा